@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 13 दिसम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 39 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मोदी सरकार का बड़ा फैसला

2027 से देशभर में होगी डिजिटल जनगणना

● *30 लाख कर्मचारी गिनेंगे भारत की वास्तविक जनसंख्या*

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 2027 से पूरे देश में जनगणना कराने की मंजूरी दे दी है। खास बात यह है कि इस बार पहली बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जिससे डेटा संग्रहण तेज, सटीक और पारदर्शी होगा। केंद्रीय कैबिनेट ने जनगणना संचालन के लिए 11,723 करोड़ रुपये के बजट को स्वीकृति प्रदान की है। यह देश के इतिहास की सबसे बड़ी और आधुनिक पद्धति से की जाने वाली जनगणना होगी। जनगणना कार्य में लगभग 30 लाख कर्मचारियों को लगाया जाएगा, जो डिजिटल उपकरणों और ऐप आधारित प्रणाली के माध्यम से जानकारी एकत्र करेंगे। सरकार के अनुसार फरवरी 2027 में जनगणना प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी जाएगी। इस फैसले को शासन-प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ाने, योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और सटीक जनसंख्या आंकड़ों के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मद्रास हाईकोर्ट में कुछ तो गड़बड़

● **करूर भगदड़ पर SIT कैसे बनाई, ये तो मदुरै बेंच के अधिकार क्षेत्र का मामला**

एजेंसी
नई दिल्ली। करूर भगदड़ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट पर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट में कुछ सही नहीं हो रहा है, कुछ तो गड़बड़ है। मद्रास हाईकोर्ट ने SIT जांच का आदेश कैसे दे दिया, जबकि मामला मदुरै बेंच के क्षेत्र में आता है, यह समझना जरूरी है।

जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने शुक्रवार को यह टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी सवाल किया कि टीवीके पार्टी की याचिका सिर्फ SOP (Standard Operating Procedure) तय करने के लिए थी, फिर ये आदेश क्यों दे दिया।

तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की 27 सितंबर को रैली के दौरान भगदड़ मची थी। रैली में आई भीड़ अचानक बेकाबू हो गई थी जिसमे कुल 41 लोगों की मौत हो गई थी।

समझिए ये मामला क्या है?

करूर भगदड़ मामले की मद्रास हाईकोर्ट और उसकी मदुरै बेंच में

एक साथ सुनवाई चल रही है। 3 अक्टूबर को मद्रास हाईकोर्ट ने टीवीके पार्टी की SOP बनाने की याचिका पर SIT बनाने का फैसला दिया था। उसी दिन यानी 3 अक्टूबर को मदुरै बेंच ने पीड़ित परिवार की याचिका पर SIT बनाने के आदेश को खारिज कर दिया था। इस तरह, दोनों बेंचों के फैसलों में टकराव था। इसके बाद झ्ड्ड्य पार्टी सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी।

सुप्रीम कोर्ट बोला- करूर भगदड़ की निष्पक्ष जांच होना जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को करूर भगदड़ मामले में 13 अक्टूबर को अपने निर्देश को बदलने से इनकार कर दिया। अदालत ने निर्देश दोहराते हुए कहा कि CBI जांच की निगरानी करने वाले सुपरवाइजरी कमेटी के सदस्य तमिलनाडु के मूल निवासी नहीं होंगे। विजय की पार्टी TVK की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लुथरा ने CBI जांच के आदेश पर आपत्ति जताई थी, लेकिन कोर्ट ने कोई बदलाव नहीं किया। सुनवाई के दौरान जस्टिस महेश्वरी ने कहा, 'हम चाहते हैं कि सब कुछ निष्पक्ष हो।'

कफ सीरप मामले में ईडी की 25 ठिकानों पर छापेमारी

रांची के शैली ट्रेडर्स में भी कार्रवाई

एजेंसी
रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जानलेवा कफ सीरप की खरीद-बिक्री से जुड़े 1000 करोड़ रुपये के अवैध कारोबार की जांच के तहत झारखंड, उत्तर प्रदेश और गुजरात के 25 ठिकानों पर छापेमारी की है। रांची के तुपुदाना स्थित शैली ट्रेडर्स में भी सुबह से ही ईडी की कार्रवाई जारी है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, लखनऊ, बनारस, जौनपुर, सहारनपुर, अहमदाबाद और रांची सहित कई शहरों में एक साथ छापेमारी की जा रही है। जांच के दायरे में कफ सीरप के अवैध व्यापार से जुड़े कारोबारी और चार्टर्ड अकाउंटेंट विष्णु अग्रवाल भी शामिल हैं। झारखंड की राजधानी रांची के तुपुदाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित शैली ट्रेडर्स के संचालक भोला प्रसाद के प्रतिष्ठान और उनके फ्लैट में भी ईडी की टीम तलाशी ले रही है। भोला प्रसाद बनारस पुलिस में दर्ज एक प्राथमिकी में आरोपित हैं और अवैध कफ सीरप मामले के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के रिश्तेदार बताए जाते हैं।

धरती का स्वास्थ्य सही रहेगा, तभी बची रहेगी सृष्टि: सीएम योगी आदित्यनाथ

● **उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य है, जहां 25 करोड़ लोग निवास करते हैं।**

एजेंसी
बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धरती माता हमारा पेट भरने के लिए अन्न उत्पन्न करती है, लेकिन इसका स्वास्थ्य भी ठीक रहना चाहिए, और स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो मानव ही नहीं बल्कि सारी सृष्टि बची रहेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनेक कार्यक्रम वर्तमान में चल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने नेशनल विजन ऑफ नेचुरल फार्मिंग के जिस अभियान को आगे बढ़ाया है, ये उसी कड़ी का हिस्सा है। वे हमेशा कहते हैं कि किसान की आमदनी को बढ़ाने का पहला मंत्र है लागत कम हो तथा उत्पादन ज्यादा हो। अन्नदाता किसान को समय पर बीज, खाद, सिंचाई की सुविधाएं तथा वैज्ञानिक पद्धतियों का सहयोग मिले तो ये संभव है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी के दौलतपुर ग्राम में शुक्रवार को आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन तथा खेती की बात खेत पर कार्यक्रम में रबी सत्र की किसान पाठशाला 8.0 का शुभारंभ किया। खेत पर पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद करने वाले इस कार्यक्रम में सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश की कृषि प्रगति, बहु फसली खेती, तकनीकी नवाचार, एमएसपी व्यवस्था की पारदर्शिता और किसानों की आय वृद्धि के लिए किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों का सम्मान भी किया गया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी किसानों को चेक व स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर प्रदर्शनी में उन्नत किस्मों की फसलों, सब्जियों, कृषि यंत्रों और एफपीओ आधारित नवाचारों का अवलोकन भी किया गया, जबकि दौलतपुर की उन्नत खेती के मॉडल को प्रदेश के अन्य जनपदों के लिए प्रेरणा बताया गया।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य है, जहां 25 करोड़ लोग निवास करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में प्रदेश ने समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उर्वर भूमि, पर्याप्त जल संसाधन और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण राज्य कृषि और अवसंरचना के क्षेत्र में अग्रणी बना है।

भारत-ओमान फ्री ट्रेड समझौते को दी मंजूरी

इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करना है।

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार को प्रस्तावित भारत-ओमान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करना है। यह मंजूरी प्रधानमंत्री मोदी की 15 से 18 दिसंबर तक जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की आगामी त्रिपक्षीय यात्रा से पहले आई है, जिससे पश्चिम एशिया और अफ्रीका में देश की आर्थिक उपस्थिति को बढ़ाने के लिए व्यापक अवसर खुलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी अपने दौरे के अंतिम चरण में महामहिम सुल्तान हैथम बिन तारिक के निमंत्रण पर 17 से 18 दिसंबर तक दूसरी बार ओमान का दौरा करेंगे। यह दौरा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। भारत और ओमान के बीच दीर्घकालिक और बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी है, जो मजबूत व्यापारिक संबंधों, ऊर्जा सहयोग और सांस्कृतिक जुड़ावों द्वारा समर्थित है। यह मंजूरी ओमान की

शूरा परिषद द्वारा खाड़ी देश के भारत के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को मंजूरी देने के एक दिन बाद आई है। व्यापार समझौते, जिसे आधिकारिक तौर पर सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) कहा जाता है, के लिए वार्ता नवंबर 2023 में औपचारिक रूप से शुरू हुई थी। भारत और ओमान के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध मजबूत और जीवंत हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-2024 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 8.947 अरब अमेरिकी डॉलर और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 10.613 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। इससे अलावा कैबिनेट की आर्थिक मामलों की मंत्रिमण डलीय समिति (सीसीईए) ने 2026 सीजन के लिए खोपरा के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और निर्बाध, कुशल और पारदर्शी उपयोग (कोलसेतु) के लिए कोयला लिंकेज की नीलामी की नीति को मंजूरी दे दी। कैबिनेट के फैसले के मुताबिक, वर्ष 2026 सीजन के लिए मिलिंग खोपरा के उचित औसत गुणवत्ता (फेयर एवरेज क्वालिटी) की एमएसपी 12,027 रुपए प्रति क्विंटल और बॉल खोपरा की एमएसपी 12,500 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है।

संकट के बीच इंडिगो को मिला 58.75 करोड़ रुपए का टैक्स नोटिस

यह जानकारी एयरलाइन की ओर से शुक्रवार को दी गई।

एजेंसी
नई दिल्ली। बड़ी संख्या में उड़ान रद्द होने के कारण सरकारी जांच का सामना कर रही बजट एयरलाइन इंडिगो को 58.75 करोड़ रुपए का टैक्स नोटिस मिला है। यह जानकारी एयरलाइन की ओर से शुक्रवार को दी गई। एयरलाइन ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा है कि यह नोटिस वित्त वर्ष 2020-21 के लिए दिल्ली दक्षिण के सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त की ओर से दिया गया है। फाइलिंग में इंडिगो की प्रवर्तक कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड ने कहा कि उसे गुरुवार (11 दिसंबर) को टैक्स पेनल्टी ऑर्डर प्राप्त हुआ, जिसमें जीएसटी की मांग के साथ-साथ जुर्माना भी शामिल है।

एयरलाइन यह टैक्स नोटिस ऐसे समय पर मिला है, जब इंडिगो इस महीने की शुरुआत में बड़ी संख्या में उड़ानों के रद्द होने के कारण मुश्किलों का सामना कर रही है।

इससे पहले नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो पर बड़ा एक्शन लिया है और उन चार फ्लाइट निरीक्षकों को निकाल दिया है, जो कि इंडिगो की सुरक्षा और ऑपरेशनल मानकों के लिए जिम्मेदार थे। इसके अलावा विमानन नियामक

ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को समन भेजा है और उन्हें शुक्रवार को अधिकारियों के समक्ष फिर से पेश होने के लिए कहा गया है। सूत्रों के अनुसार, निरीक्षण और निगरानी ड्यूटी में लापरवाही पाए जाने के बाद डीजीसीए ने निरीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की है। नियामक ने अब इंडिगो के गुरुग्राम कार्यालय में दो विशेष निगरानी दल तैनात किए हैं ताकि एयरलाइन के संचालन पर कड़ी नजर रखी जा सके।

आंध्र प्रदेश में बस घाटी में गिरी
नौ यात्रियों की मौत, 10 की हालत गंभीर

एजेंसी
अल्लूरी सीताराम राजू। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिला में शुक्रवार सुबह मारेडुमिली घाट रोड पर बस हादसे में बड़ी जनहानि होने का अंदेशा है। घटनास्थल पर नौ लोगों की मृत्यु और अन्य दस के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

बताया गया है कि हादसाग्रस्त चित्तूर जिले के विग्नेश्वरा ट्रैवल्स की बस (एपी 39 यूएम 6543) में 37 यात्री और दो चालक थे। यह बस भद्राचलम से अराकू जा रही थी। मारेडुमिली घाटु रोड पर राजू गारी मेट्टू मोड़ के पास यह बस बेकाबू होकर घाटी में गिर गई। सूचना मिलते ही आसपास के लोग पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को बेहतर इलाज के लिए भद्राचलम एरिया हॉस्पिटल ले जाया गया।

लोगों का कहना है कि यह बस छह दिसंबर की रात नौ बजे तीर्थयात्रा के लिए निकली थी। तीर्थयात्रा का आयोजन चित्तूर शहर के राममूर्ति नाम के एक एजेंट ने किया था। भद्राचलम के दर्शन पूर्ण करने के बाद बस अन्नावरम जा रही थी।

यात्रियों की पहचान चित्तूर जिले के निवासियों के तौर पर हुई है। यह हादसा जहां हुआ, वह पहाड़ी इलाका है। कहा जा रहा है कि घाट रोड पर बर्फ जमा होने के कारण बस फिसल कर घाटी में गिर गई। हादसे में मरने वाले सभी लोग 50 वर्ष की आयु से अधिक बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बस हादसे पर दुख जताया है। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि घायलों को चिंतूर हॉस्पिटल स्थानांतरित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने जिले के वरिष्ठ राजस्व अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर अभियान को तेज करने का आदेश दिया है। मंत्री नारा लोकेश और गृहमंत्री अनीता ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। अधिकारियों ने कहा कि अब तक दो मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। मृतकों में श्रीकला, सुनंदा ,शिव शंकर रेड्डी, उमा रेड्डी ,कृष्णा कुमारी रघुरा मधु और पुंगुला प्रसाद शामिल हैं। इनमें पांच महिलाएं हैं।

राहुल ने कहा- सरकार प्रदूषण रोकने का प्लान बनाए

● **रिजिजू बोले- हम संसद में चर्चा को तैयार**

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को लोकसभा में वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, 'हमारे देश के ज्यादातर बड़े शहर जहरीली हवा की चपेट में हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं।'

राहुल ने कहा, 'यह एक अहम मुद्दा है। मुझे पूरा यकीन है कि सरकार और हमारे बीच इस मामले पर एक सहमति होगी। इस सदन में मौजूद हर सदस्य इस बात से सहमत होगा कि प्रदूषण के कारण देश के लोगों को जो नुकसान हो रहा है, उस पर हम सभी मिलकर काम करना चाहेंगे।'

इसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- सरकार ने पहले दिन से ही अपना रुख साफ कर दिया था कि हम सभी अहम मामलों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। सरकार कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टी के नेताओं से सुझाव लेने के लिए भी तैयार है।

शिवराज पाटिल को राज्यसभा में दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर राज्यसभा में सदस्यों ने शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। इससे पहले केंद्रीय मंत्री के उपस्थित नहीं रहने के कारण राज्यसभा की कार्यवाही दस मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। दरअसल, शुक्रवार को राज्यसभा में जब सभापति सीपी राधाकृष्णन जरूरी कागज सदन में रखवा रहे थे, तब विपक्षी सदस्यों ने तत्काल स्थगन की मांग करते हुए इस स्थिति को सदन का अपमान बताया। सभापति राधाकृष्णन ने आपत्ति स्वीकार करते हुए कहा कि वे इस मामले को सरकार के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने कहा, मैं प्रक्रिया समझता हूं। मैंने मंत्री से अनुरोध किया है। मंत्रिमंडल के किसी एक मंत्री को आना चाहिए। इसके बाद कार्यवाही दस मिनट के लिए स्थगित किया गया। पूर्वाह्न 11:15 बजे जब कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने कैबिनेट मंत्रियों की अनुपस्थिति पर खेद जताया।

सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान: अनुराग ठाकुर

● **'डीएमके के राज में तमिलनाडु बदकिस्मती से सनातन धर्म के खिलाफ एक सिंबल बन गया है।'**

एजेंसी
नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान तमिलनाडु की डीएमके सरकार में हिंदुओं और सनातन धर्म के खिलाफ बढ़ते भेदभाव के माहौल पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने मदुरै की उस घटना का उल्लेख किया, जिसमें हिंदू भक्तों पर तमिलनाडु पुलिस ने इसलिए बेरहमी से लाठीचार्ज किया क्योंकि वे भगवान मुरुगन के छह घरों में से एक, पवित्र थिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर पारंपरिक कार्तिगई दीपम जलाने की मांग कर रहे थे। लोकसभा में बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा 'डीएमके के राज में तमिलनाडु बदकिस्मती से सनातन धर्म के खिलाफ एक सिंबल बन गया है। तमिलनाडु सरकार के मंत्री खुलेआम सनातन धर्म के खिलाफ गलत बयान देते हैं। जब प्रधानमंत्री ने अयोध्या में भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा की

तो डीएमके सरकार ने इसका कड़ा विरोध किया।' उन्होंने कहा कि 'मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच के थिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाने की इजाज़त देने के साफ निर्देशों के बाद भी राज्य सरकार ने जानबूझकर कोर्ट के आदेश को नज़रअंदाज़ किया। सदियों पुरानी परंपरा बनाए रखने के लिए इकट्ठा हुए शांतिप्रिय हिंदू भक्तों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। यह सिर्फ धार्मिक भावनाओं पर हमला नहीं बल्कि कोर्ट की खुली अवमानना ??और संविधान के तहत मिले धर्म की आज़ादी के बुनियादी अधिकार का गंभीर उल्लंघन है।' अनुराग ठाकुर ने सवाल किया कि हिंदुओं के साथ उनके ही देश में इतना खुला भेदभाव क्यों किया जा रहा है? क्या तमिलनाडु में अब अपने धर्म का पालन जुर्म है?' अनुराग ठाकुर ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके सरकार से देशभर के करोड़ों हिंदू भक्तों से तुरंत माफ़ी मांगने की मांग की। उन्होंने केंद्र सरकार से तमिलनाडु में हिंदू परंपराओं पर हो रहे सुनियोजित अत्याचार का संज्ञान लेने और भारत के हर कोने में हिंदुओं के धार्मिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी अपील की।

केंद्रशासित प्रदेश दमण और दीव में तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

एजेंसी
दमण। केंद्रशासित प्रदेश दमण और दीव के दमण के धाभेल स्थित आठियावाड़ विस्तार में गुरुवार की देर शाम एक दुखद घटना घटी, जहां तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल छा गया है। सूत्रों के अनुसार चार बच्चे तालाब में नहाने पहुंचे थे, जब पानी में उतरते ही अचानक वे गहराई में चले गए। स्थानीय युवाओं ने तुरंत दौड़कर एक बच्चे को पानी से बाहर निकाल लिया। बाहर लाए गए बच्चे ने बताया कि उसके तीन साथी अभी भी तालाब में हैं। यह सुनते ही पूरे

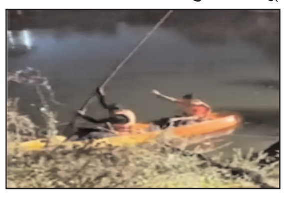

क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी पर पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीमें तेजी से मौके पर पहुँचीं। जिला प्रशासन के अधिकारी भी घटना स्थल पर पहुंचे। फायर कर्मियों ने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों के शव तालाब से बाहर निकाले। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और हादसे की जांच शुरू कर दी है कि तालाब में सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि तालाब के आसपास न चेतावनी बोर्ड लगे थे और न ही कोई सुरक्षा घेरा, जिस कारण यह बड़ी दुर्घटना हो गई।

मथुरा के गांवों से चल रहा था डिजिटल अरेस्ट का धंधा, 300 जवानों ने की घेराबंदी, 42 को दबोचा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के आसपास लगे गांवों से साइबर ठगों की गैंग सक्रिय थी। लंबे समय से डिजिटल अरेस्ट जैसे कई साइबर क्राइम के सूचनाएं मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी की और 42 आरोपियों को दबोच लिया। दरअसल, मथुरा के कुछ गांव जामताड़ा बनते जा रहे थे, जहां से साइबर ठगी का काला धंधा ऑपरेट होता था। झारखंड का जामताड़ा जिला साइबर अपराधों के लिए कुख्यात है। ऐसे में मथुरा पुलिस ने इस पनपते नेटवर्क को क्रैकडाउन करने के लिए कई थानों की फोर्स लगाई और करीब चार गांवों में ताबड़तोड़ छापेमारी की। एसपी देहात सुरेश चन्द रावत ने इस कार्रवाई की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 4 सीओ और भारी पुलिस बल के साथ चार गांवों में सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान काफी मात्रा में आपत्तिजनक सामान, आधार कार्ड, और मोबाइल सहित कुल 42 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सभी से गहन पूछताछ की जा रही है और दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना गोवर्धन इलाके के गांव देवसेरस में साइबर अपराधियों की धरपकड़ के लिए बीते दिन एक सर्च अभियान चलाया गया। भारी संख्या में पुलिस बल और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस की टीमें गांव में पहुंचीं। पुलिस ने चार सीओ और भारी पुलिस बल के साथ चार गांवों में यह अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने आधार कार्ड, मोबाइल सहित काफी मात्रा में आपत्तिजनक/संदिग्ध सामान जब्त किया। साइबर क्राइम के क्षेत्र में यह गांव काफी मशहूर है, इसलिए यह कार्रवाई हुई। जैसे ही पुलिस की टीमें भारी संख्या में गांव देवसेरस में पहुंचीं, चारों ओर हड़कंप मच गया। पुलिस के आने की भनक लगते ही कई अपराधी इधर-उधर भागने लगे। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता था कि किस प्रकार भारी पुलिस बल ने गांव में पहुंचकर अपराधियों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। बताया जाता है कि इस सर्च ऑपरेशन में एक दर्जन से अधिक समेत कुल 42 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

तेंदुए की वेशभूषा पहन विधानसभा पहुंचे सोनावणे, तेंदुए की आवाज निकाल किया रोमांचित

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर जुन्नर के विधायक शरद सोनावणे तेंदुए की वेशभूषा पहनकर सदन पहुंचे। सिर से पांव तक तेंदुए की त्वचा के पैटर्न से सजी उनकी पोशाक ने सभी का ध्यान खींचा। विधानसभा परिसर में प्रवेश करते ही उनकी अनोखी वेशभूषा चर्चा का विषय बन गई। सोनावणे ने तेंदुए की आवाज़ें निकालकर माहौल को और भी मनोरंजक बना दिया। उनके इस अंदाज़ को देखने वाले लोग हैरान होने के साथ मुस्कराए बिना नहीं रहे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरा प्रदर्शन वन्यजीव संरक्षण और क्षेत्र में बढ़ती तेंदुआ समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना था। विधायक का कहना है कि स्थानीय लोगों को तेंदुओं से सुरक्षा और उचित मुआवजे की जरूरत है, जिसे लेकर वे लगातार सरकार से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। विधानसभा के बाहर उनका यह अनूठा विरोध दिनभर चर्चा का विषय बना रहा और सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हुआ।

कर्नाटक सीएम ने अपनी हवाई यात्रा का दिया ब्यौरा, सरकार ने 47 करोड़ से ज्यादा किए खर्च

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया की मई 2023 से नवंबर 2025 के बीच विशेष उड़ानों, विमानों और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करके की गई हवाई यात्रा पर राज्य सरकार ने 47 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए। वित्त मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे सिद्धरमैया ने विधान परिषद में बीजेपी के विधान परिषद सदस्य एन रवि कुमार के प्रश्न का लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने साफ किया कि विशेष उड़ानें, विमान और हेलीकॉप्टर केवल आधिकारिक दौरों के लिए ही इस्तेमाल किए जाते हैं। सीएम के मुताबिक कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता अधिनियम के तहत दी गई छूट राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मुख्य न्यायाधीश की आधिकारिक यात्रा के लिए विशेष विमानों और हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल की अनुमति देती है। पिछले ढाई सालों में सिद्धरमैया ने मैसूरु की 22 बार हवाई यात्रा की है, जिसके लिए उन्होंने बेंगलुरु-मैसूरु मार्ग पर पांच करोड़ रुपए से ज्यादा का यात्रा व्यय किया। बेंगलुरु-मैसूरु सड़क मार्ग से यात्रा करने में करीब ढाई घंटे लगते हैं। उनकी अन्य यात्राओं में नई दिल्ली, हैदराबाद और चेन्नई का सफर शामिल थे।

कफ सिरप मामला : ईडी ने आरोपी शुभम के यूपी, गुजरात, झारखंड के ठिकानों पर मारे छापे

लखनऊ (एजेंसी)। अवैध कफ सिरप मामले में ईडी की लखनऊ यूनिट टीम ने शुक्रवार सुबह गोरखधंधे के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल से जुड़े यूपी, गुजरात और झारखंड के ठिकानों पर छापे मारे। अवैध कफ सिरप के व्यापार को लेकर पिछले दो महीनों में 30 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं, जिसके आधार पर ईडी ने कार्रवाई शुरू की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी की टीम ने यूपी के लखनऊ, सहारनपुर, वाराणसी और जौनपुर, झारखंड के रांची और गुजरात के अहमदाबाद में बनाए गए ठिकानों पर छापे मारे। अंदेशा है कि इन्हीं ठिकानों पर अवैध कफ सिरप का भंडारण किया गया और बिक्री के लिए आसपास के शहरों और कस्बों में सप्लाई की गई। बता दें कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की मौत होने की खबरों से मामला सुर्खियों में बना हुआ है। इस गोरखधंधे में शुभम जायसवाल मुख्य आरोपी है, जिसके सहयोगी आलोक सिंह और अमित सिंह रहे हैं। मामले में आलोक सिंह को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें पिछले दो महीनों में लखनऊ, वाराणसी, सोनभद्र, सहारनपुर और गाजियाबाद समेत कई जिलों में कोडीन फॉर्मूले से बनी कफ सीरप का अवैध भंडारण और खरीद-बिक्री की गई, जिससे हजारों करोड़ रुपए का अवैध व्यापार हुआ। वहीं, मामला उजागर होने पर मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल दुबई में जाकर छिप गया। हालांकि, उसके पिता भोला प्रसाद समेत 32 लोग मामले में गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसके अलावा इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन भी किया गया है।

14 दिसंबर को मिलेगा यूपी बीजेपी को अपना नया अध्यक्ष, केशव प्रसाद मौर्य रेस में सबसे आगे

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपना नया प्रदेश अध्यक्ष 14 दिसंबर को मिलने वाला है। संगठन चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम घोषित होने के बाद राजनीतिक हलकों में कयासों का दौर तेज हो चुका है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े भी लखनऊ पहुंचने वाले हैं, इसके बाद नामांकन और चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। पार्टी की नजर 2027 के विधानसभा चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव पर है, इसके लिए देश के सबसे बड़े सूब यूपी का नया अध्यक्ष रणनीतिक चेहरा साबित हो सकता है।

2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से मिली हार के बाद भाजपा नेतृत्व संगठनात्मक बदलाव को लेकर बहुत ही गंभीर है। बताया जा रहा हैं कि बीजेपी इस बार ऐसा चेहरा सामने लाने वाली है, जो प्रदेश में जातीय समीकरणों को मजबूत कर सके। भाजपा के कई शीर्ष नेता स्पष्ट संकेत दे चुके हैं कि अध्यक्ष पद पर किसी गैर-ठाकुर और ओबीसी नेता को मौका मिल सकता है। जिससे सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले को काउंटर कर सके। अध्यक्ष पद की रेस में कई बड़े नाम शामिल हैं। इसमें सबसे बड़ा नाम उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जो ओबीसी कोइरी समुदाय के बड़े नेता हैं। 2017 में यूपी में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के दौरान वे प्रदेश अध्यक्ष थे और उनके संगठनात्मक अनुभव को देखकर उनका नाम सबसे आगे है। इसके अलावा मोदी सरकार में राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी प्रमुख दावेदार हैं। कुर्मी समुदाय के प्रभावशाली नेता होने के साथ उनकी साफ छवि और केंद्रीय नेतृत्व से निकटता उनके पक्ष में जाती है।

इसके अलावा योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी दौड़ में मजबूत चेहरा हैं, जिन्होंने पहले भी सफलतापूर्वक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाई है। वहीं लोधी समुदाय को साधने के लिए केंद्र सरकार में मंत्री बीएल वर्मा और यूपी कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के नाम पर भी मजबूत चर्चा है। दोनों नेताओं का प्रभाव पश्चिमी और मध्य यूपी में अच्छा माना जाता है।

इस बीच केंद्र सरकार में राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति भी संभावित नामों में शामिल हैं। निषाद समुदाय की नेता होने के साथ वे महिला और ओबीसी-दोनों श्रेणियों में भाजपा के लिए महत्वपूर्ण संदेश दे सकती हैं। यदि पार्टी अपना अध्यक्ष ओबीसी समुदाय से न चुनने का फैसला करती है, तब ब्राह्मण नेताओं बृजेश पाठक और दिनेश शर्मा के विकल्प भी खुले हैं, हालांकि राजनीतिक विश्लेषक इस बात की संभावना कम मनाते हैं। अब सभी की निगाहें 14 दिसंबर पर टिकी हैं, जब भाजपा यह घोषणा करेगी कि उत्तर प्रदेश में उसे अगला अध्यक्ष कौन मिलेगा, और आने वाले चुनावों के लिए भाजपा किस दिशा में आगे बढ़ेगी।

इसरो का बाहुबली रॉकेट अमेरिका के कमर्शिलय सैटेलाइट को अंतरिक्ष में ले जाएगा

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने अपने दशकों के इतिहास में कई ऐसी लॉन्चिंग की हैं, जिनकी मिसाल पूरी दुनिया में दी जाती है। अब इसरो एक और बड़ा काम करने जा रहा है। इसरो का बाहुबली रॉकेट अमेरिकी मोबाइल कंपनी की 6500 किलो वजनी कमर्शिलय सैटेलाइट को अंतरिक्ष तक ले जाएगा। जिसका काउंटडाउन शुरू हो चुका है। भारत और अमेरिका के बीच स्पेस सहयोग को नई मजबूती मिलने जा रही है। इसरो 15 दिसंबर को अपना सबसे ताकतवर रॉकेट एलवीएम 3 (जिसे 'बाहुबली' भी कहा जाता है) के जरिए अमेरिका का 6.5 टन वजनी कम्युनिकेशन सैटलाइट ब्लूबर्ड-6 अंतरिक्ष में भेजेगा। यह लांच श्रीहरिकोटा से होगा। एलवीएम 3 की क्षमता काफी ज्यादा पेलोड ले जाने की है। एलवीएम3 एक तीन-स्टेज भारी रॉकेट है। यह 8,000 किलो तक का पेलोड लो-अर्थ ऑर्बिट में और 4,000 किलो तक का पेलोड जीटीओ में ले जा सकता है। यह वही रॉकेट है जिसने 2 नवंबर को भारत के सबसे भारी 4.4 टन वजनी सीएमएस-3 सैटलाइट को सफलतापूर्वक लांच किया। टेक्सास की कंपनी एटीएस स्पेसमोबाइल का सैटलाइट ब्लूबर्ड-6 अमेरिकी कंपनी एटीएस स्पेसमोबाइल का अगली पीढ़ी का सैटलाइट है। कंपनी का कहना है कि यह उनका पहला नेक्स्ट-जेन ब्लूबर्ड सैटलाइट होगा, जिसमें लगभग 2,400 स्कायर फुट का बड़ा ऐंटिना लगा है। यह ब्लूबर्ड-1 से 5 की तुलना में 3.5 गुना बड़ा है और 10 गुना ज्यादा डेटा क्षमता रखता है। इस सैटेलाइट को लांच करने का उद्देश ?य दूर-दराज़ इलाकों में सीधे फोन पर इंटरनेट मुहैया कराना है। ब्लूबर्ड-6 'ब्लॉक-2' सीरीज का हिस्सा है। कंपनी 2026 तक कई और सैटलाइट भेजकर ऐसी सेवा शुरू करना चाहती है, जिससे नेटवर्क न होने वाले दूरस्थ इलाकों में भी सीधे मोबाइल फोन पर हाई-स्पीड इंटरनेट मिल सके। हर ब्लूबर्ड सैटलाइट 10,000 एमएचजेड तक बैंडविड्थ देने में सक्षम है और मोबाइल नेटवर्क कंपनियों के साथ मिलकर उनके लाइसेंस्ड स्पेक्ट्रम का उपयोग करते हुए सेवा उपलब्ध कराता है।

लूथरा बंधुओं को भारत पहुंचते ही पीट-पीटकर मार डालने का डर... जमानत याचिका में लगाई गुहार

पणजी (एजेंसी)। गोवा में रोमियो लेन चेन क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत। इस मामले में क्लब के मालिक गौरव लूथरा (44) और सौरभ लूथरा को आरोपी बनाया गया है। इसके बाद दोनों भाई थाईलैंड भाग गए थे। वहां रहते हुए उन्होंने जमानत याचिका दायर की। याचिका में दोनों भाइयों को डर है कि भारत लाए जाने पर गोवा में उन्हें पीट-पीटकर मार डाला जाएगा (लिंचिंग)। उन्होंने अपनी जमानत याचिका में यह डर ज़ाहिर किया। दोनों भाई को उनका पासपोर्ट रद्द किए जाने के बाद उन्हें थाइलैंड में हिरासत में ले लिया गया है और उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। दोनों भाइयों ने भारत लाए जाने से पहले दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। अडिशनल सेशंस जज वंदना ने याचिका खारिज कर दी, यह कहते हुए कि प्राथमिक दृष्टया अपराध की प्रकृति गंभीर है।

वकीलों की दलीलः उन्होंने चार सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मांगी। दलील दी कि उनकी सुरक्षा को खतरा है और गोवा में उनकी लिंचिंग हो सकती है। उन्होंने अपनी अन्य प्रॉपर्टीज पर हुए बुलडोजर एक्शन का भी जिक्र किया। कहा कि वे जांच में शामिल होंगे और उन्हें सताया नहीं जाना चाहिए।

कोर्ट की टिप्पणीः जज ने पाया कि लूथरा भाइयों ने तथ्य को छिपाया। उन्होंने कहा था कि वे आग लगने से पहले ही थाइलैंड गए थे, लेकिन दस्तावेजों से पता चला कि उन्होंने आग लगने की जानकारी मिलने के बाद ही टिकट बुक की और देश से बाहर निकल गए। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि लाइसेंस अग्रीमेंट, ट्रेड लाइसेंस और लीज डीड पहले ही एक्सपायर हो चुकी थी।

सीएम शर्मा ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड... संकल्प-पत्र के 70 प्रतिशत काम 2 साल में पूरे किए

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में भजनलाल शर्मा सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम लोगों ने केवल कहा नहीं, बल्कि करके दिखाया है, यह आंकड़ें इस बात का जीता जगाता सबूत है। हमारी सरकार ने संकल्प-पत्र में कुल 392 संकल्प लिए गए थे, जिसमें से 274 संकल्प या पूरे कर दिए गए हैं या प्रगति पर है। हमारी सरकार ने जो काम 5 साल में पूरे करने का वादा किया था। उसमें से 70 प्रतिशत काम 2 साल में पूरे कर दिए गए है।

सीएम शर्मा ने कहा कि पिछली कांग्रेस की गहलोत सरकार ने पाइपलाइन से लेकर टेंडर तक के स्तर पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी होती थी। मैंने सत्ता में आते ही कहा था कि मछलियां ही नहीं, बड़े मगरमच्छ भी पकड़े जाएंगे। पकड़े भी गए हैं, जेल भी गए। आगे भी किसी को छोड़ने वाले नहीं है।

ओटीएस परिसर के नेहरू भवन में सीएम शर्मा ने सरकार की उपलब्धियां की बुक का विमोचन किया। इस मौके पर डिप्टी सीएम दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, सीएस वी श्रीनिवास और डीजीपी राजीव शर्मा भी रहे मौजूद हैं।

सीएम शर्मा ने कहा कि आज मुझे विधायक दल का नेता चुनने के दो साल पूरे हो चुके है। आज नवाचार दिवस भी हैं। सभी में नवाचार की गुंजाइश रहती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हर साल जनता को अपने काम पर लेकर जोखा देना चाहिए। एक साल पूरा होने पर भी मेरी सरकार ने जनता के सामने अपने काम का लेखा-जोखा रखा था। आज भी 2 साल के रूप में जो काम किया है, उन्हें जनता के बीच में लेकर जा रहे है। मीडिया के माध्यम से भी हम राजस्थान की जनता को उन कार्यों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

सीएम शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के शासनकाल के समय में क़ानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ गई थी । यह किसी से छुपा नहीं है। महिलाओं के साथ बर्बरता हुई। इन्हीं के एक मंत्री ने विधानसभा में कहा कि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है इन्हें शर्म नहीं आई, इन्हें बहन बेटियों का दर्द नहीं दिखा। हमारी सरकार ने 2 साल में कानून का राज स्थापित किया है। महिलाओं का सम्मान लौटाया। अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है और कांग्रेस काल में जो अराजकता का दौर फैला उस दौर को हमारी सरकार ने ख़त्म किया है।

बंगाल में चुनाव की तैयारियों को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी की महत्वपूर्ण बैंठक

कोलकाता (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में राज्य और केंद्र की 25 एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक की, ताकि चुनाव पूर्व तैयारियों का आकलन हो सके और आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले जमीनी स्थिति की समीक्षा की जा सके। बैठक को लेकर एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बैठक में राज्य और केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और बीएसएफ, एसएसबी, सीआईएसएफ और आरपीएफ के शीर्ष अधिकारी शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के कोलकाता जोन के विशेष निदेशक भी बैठक में उपस्थित थे। उन्होंने कहा, बैठक मुख्य रूप से चुनाव पूर्व तैयारियों का आकलन करने के लिए बुलाई गई थी।

सीएम ममता बनर्जी ने नहीं भरा एसआईआर फॉर्म, बोलीं- इससे बेहतर है जमीन पर नाक रगड़ना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बंगाल की राजनीति अपने चरम पर है। इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा बयान देते हुए खुलासा किया कि उन्होंने अब तक एसआईआर फॉर्म नहीं भरा है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने की जरूरत नहीं है और ऐसा करना अपमानजनक है। बनर्जी ने कहा, मैंने अभी तक फॉर्म फिलअप नहीं किया है। क्यों करूं? मैं तीन बार की केंद्रीय मंत्री रही हूं, सात बार सांसद रही हूं और आपके आशीर्वाद से तीन बार मुख्यमंत्री बनी हूं। अब मुझे प्रमाणित करना होगा कि मैं नागरिक हूं या नहीं। इससे तो जमीन पर नाक रगड़ना बेहतर है।

इससे पहले नादिया जिले के कृष्णनगर में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने तीखे शब्दों में आरोप लगाया कि भाजपा और केंद्र सरकार बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, अमित शाह सीधे तौर पर मतदाताओं की सूची से 1.5 करोड़ नाम हटाने की कोशिशों को गाइड कर रहे हैं। अगर एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एक भी योग्य मतदाता को बाहर किया गया तो वह अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने उन रिपोर्टों का हवाला दिया कि जिन लोगों ने अपने दस्तावेज़ों के हिस्से के रूप में दादा-दादी के नाम जमा किए थे, उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा और उनके नाम रोल से हटाए जाने का खतरा होगा। उन्होंने कहा, अब हम सुनते हैं कि जिन्होंने अपने दादा-दादी के नाम दिए हैं, उन्हें बुलाया जाएगा और योजना है कि इन सुनवाइयों से सीधे नाम हटा दिए जाएं। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री सहित संवैधानिक पदाधिकारियों को 'मार्क्ड इलेक्टर' श्रेणी में रखा जाता है, इसलिए उन्हें सामान्य नागरिकों की तरह फॉर्म भरने की बाध्यता नहीं है। इस श्रेणी में प्रधानमंत्री, सभी मुख्यमंत्री और अन्य संवैधानिक पद धारक शामिल हैं और कानूनी तौर पर उन्हें जनगणना फॉर्म जमा करने की आवश्यकता नहीं है। बंगाल में एसआईआर का पहला चरण आज गुरुवार को खत्म हो रहा है, जिसमें ड्राफ्ट रोल 16 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे और सुनवाई और सत्यापन दिसंबर और जनवरी के मध्य तक जारी रहेंगे। अंतिम मतदाता सूची फरवरी के मध्य में प्रकाशित होने वाली है।

अनुराग ठाकुर की सियासी टिप्पणी से, राजनैतिक चर्चा तेज... अगला रात्रिभोज पीएम मोदी कब देने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर आयोजित विशेष रात्रिभोज ने सियासी गलियारों में नई चर्चा को जन्म दिया है। इस डिनर में भाजपा और एनडीए के सभी सांसद शामिल हुए। भाजपा नेता गुरु प्रकाश पासवान ने बताया कि रात्रिभोज का उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ संवाद था। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री मोदी संवाद-प्रधान नेतृत्व में विश्वास करते हैं और इसी भावना को मजबूत करने के लिए सांसदों को एक साथ बुलाया गया।

लेकिन डिनर में शामिल वरिष्ठ भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने एक संकेतात्मक टिप्पणी की, जिससे राजनीतिक हलचल और बढ़ गई। ठाकुर ने कहा, ÷बिहार में बंपर जीत के बाद हमें पीएम मोदी ने डिनर पर बुलाया था। अब अगला भोज बंगाल जीत के बाद दिया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावी तैयारी और भाजपा की रणनीति से जुड़ी मानी जा रही है।

बात दें कि रात्रिभोज के दौरान प्रधानमंत्री मोदी स्वयं अधिकांश टेबलों तक जाकर सांसदों से भोजन का आग्रह करते दिखाई दिए। मेहमाननवाजी का यह अंदाज सभी सांसदों को प्रभावित कर गया। कुल 50 से अधिक टेबलें लगाई गई थीं, जिन पर 7-8 सांसद बैठे। खास बात यह रही कि हर टेबल पर भाजपा सांसदों के साथ किसी न किसी सहयोगी दल का सांसद जरूर मौजूद रहा, ताकि एनडीए में बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित हो सके।

सूत्रों के अनुसार जिस टेबल पर प्रधानमंत्री मोदी बैठे थे, वहां पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा भी मौजूद थे। दो घंटे तक चले डिनर में सांसदों ने विभिन्न राष्ट्रीय और राजनीतिक मुद्दों पर अनौपचारिक बातचीत की। उल्लेखनीय है कि पूरे कार्यक्रम में कोई औपचारिक भाषण नहीं हुआ-प्रधानमंत्री ने केवल संवाद और समन्वय पर जोर दिया। इससे संदेश गया कि एनडीए गठबंधन आगे और मजबूत होकर काम करेगा।

वहीं डिनर में पूरे भारत के स्वाद का समावेश था। खाने के मेन्यू में कश्मीर का कहवा, बंगाल का रसगुल्ला, पंजाब की मिस्सी रोटी, गोंगुरा पनीर, खुबानी मलाई कोफ्ता, कोथिंबीर वड़ी, सब्ज बादाम शोरबा, काकुम-मटर-अखरोट की शम्मी जैसी विशेष डिशेज शामिल थीं। विभिन्न राज्यों के व्यंजनों के सम्मिलन ने कार्यक्रम को सांस्कृतिक रूप से भी खास बना दिया।

पर्यटन से पैसा कमाने का मौका दे रही केंद्र सरकार... होमस्टे के लिए बिना किसी गारंटी के मुद्रा ऋण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने 2025-26 के बजट घोषणापत्र में होमस्टे के लिए मुद्रा ऋण के रूप में बिना किसी गारंटी के संस्थागत ऋण देने का ऐलान किया है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में होमस्टे की स्थापना में सहायता और प्रोत्साहन हो सके। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्यसभा में लिखित प्रश्न के उत्तर में इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पर्यटन मंत्रालय ने प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएमजेयूजीए) के अंतर्गत 'आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे का विकास' (स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना) के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। केंद्र सरकार की इस योजना का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे तैयार करना है, ताकि जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके, आदिवासी समुदायों के लिए आजीविका के मौके बढ़ाए जा सकें और हितधारकों को आदिवासी गांवों में टिकाऊ पर्यटन प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

इस योजना के तहत ग्राम समुदाय की आवश्यकताओं के लिए 5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता, प्रत्येक परिवार के लिए दो नए कमरों के निर्माण में मदद हेतु 5 लाख तक की सहायता और प्रत्येक परिवार के मौजूदा कमरों के नवीनीकरण के लिए 3 लाख रुपये तक की सहायता दी जाती है।

बता दें, पर्यटन मंत्रालय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन सहित देश के विविध पर्यटन उत्पादों को समग्र रूप से बढ़ावा देता है। यह प्रचार यात्रा कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों के आयोजन और उनमें भागीदारी के माध्यम से, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश सरकारों को मेलों और उत्सवों के आयोजन में सहायता प्रदान करके, आतिथ्य कार्यक्रम के तहत प्रभावशाली व्यक्तियों, पर्यटन संचालकों, पत्रकारों और विचारकों को देश का दौरा करने के लिए आमंत्रित करके, राज्य सरकारों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के सहयोग से वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से प्रचार के विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा किया जाता है।

आठ महीने में राजस्व विभाग ने कमाए 35 हजार करोड़, हर दिन शराब बेचने वाले इन रेस्तरां पर होगी कार्रवाई

लखनऊ। आबकारी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने बताया कि अप्रैल से नवंबर माह तक विभाग ने 35,144 करोड़ रुपये राजस्व अर्जित किया है, जो बीते वर्ष इसी अवधि में प्राप्त 30,402.34 करोड़ रुपये की तुलना में 4,741.77 करोड़ रुपये (15.59 प्रतिशत) अधिक है। साथ ही, निर्धारित लक्ष्य 37,900 करोड़ रुपये के सापेक्ष 92.73 प्रतिशत राजस्व प्राप्त कर विभाग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। नवंबर माह में ही 4,486 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के विरुद्ध कठोर कार्रवाई विभाग की प्राथमिकता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अक्टूबर माह तक प्रदेश में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के कुल 70,017 प्राथमिकी दर्ज कर 18.5 लाख लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। अवैध कारोबार में शामिल 13,243 व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए 2,464 को जेल भेजा गया। नवंबर माह में विभाग की दैनिक प्रवर्तन कार्रवाई के तहत 10,002 प्राथमिकी दर्ज कराते हुए 2.35 लाख बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। साथ ही 1,812 व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए 297 को जेल भेजा गया तथा अवैध तस्करी में प्रयुक्त 14 वाहनों को जब्त किया गया। आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने कुछ दिन का लाइसेंस लेकर रोजाना शराब परोसने वाले रेस्टोरेंट और होटल के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने ऐसे प्रकरण सामने आने पर लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई के लिए कहा है। साथ ही, इसमें लिप्त विभागीय अधिकारियों पर भी कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। दरअसल, विभाग के संज्ञान में आया है कि कई जिलों में संचालित रेस्टोरेंट व होटल सप्ताह में कुछ दिनों के लिए बार लाइसेंस लेकर शेष दिनों में भी ग्राहकों को शराब परोसते हैं। इसके चलते राजस्व की क्षति के साथ विभाग की छवि भी धूमिल हो रही है। यह भी संज्ञान में आया है कि ऐसे प्रकरणों में कुछ विभागीय अधिकारियों द्वारा मिलीभगत से रेस्टोरेंट और होटल को नियमित बार लाइसेंस हेतु आवेदन करने के प्रति हतोत्साहित किया जा रहा है या सहयोग नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा कुछ क्लब बार के लाइसेंस भी बिना पंजीकरण आदि की स्थिति का परीक्षण किए नवीनीकृत हो रहे हैं, जो उचित नहीं है। आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी क्लब बार लाइसेंसों के नवीनीकरण के पूर्व उनके पंजीकरण एवं विधिसम्मत संचालन आदि का गहनता से परीक्षण किया जाए। इसके लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी उत्तरदायित्व निर्धारित कर रिपोर्ट भेजें। इस बाबत विकास प्राधिकरणों, पुलिस व अन्य विभागों से समन्वय स्थापित करें।

नोएडा में सबसे बड़ी साइबर ठगी... आर्किटेक्ट से 12 करोड़ रुपये लूटे, निवेश पर मुनाफे का दिया झांसा

नोएडा। साइबर जालसाजों ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर झांसा देकर आर्किटेक्ट से करीब 12 करोड़ की ठगी कर ली है। यह नोएडा में अब तक की सबसे बड़ी व्यक्तिगत साइबर ठगी है। जालसाजों ने एप डाउनलोड कराकर वारदात को अंजाम दिया। साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-47 निवासी आर्किटेक्ट व कंसल्टेंट इंजीनियर ने कहा कि 17 अक्तूबर को उनके पास कियारा शर्मा ने मैसेज किया था। खुद को इनवेस्टमेंट कंसल्टेंट बताने वाली कियारा ने शेयर मार्केट में निवेश कर मुनाफा हासिल करने की बात कही थी। दोनों के बीच बातचीत हुई। पीड़ित उसकी बातों में आ गया। इस पर महिला ने आर्किटेक्ट को व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया। महिला ने पीड़ित को ग्रुप में जोड़कर उनके पास लिंक भेजा। लिंक पर क्लिक करते ही एक एप डाउनलोड हो गया। करीब एक महीने बाद 17 नवंबर को उन्हें उस ग्रुप से हटाकर उसे एक अन्य ग्रुप से जोड़ा गया। इसमें काफी लोग शेयर मार्केट में निवेश कर रहे थे। साथ ही पैसा लगाने के बाद हुए फायदे की स्क्रीनशॉट भी डाल रहे थे। इसके बाद उन्होंने भी दिए गए सुझाव के अनुसार इन्वेस्ट करना शुरू कर दिया। शुरू में तो साइबर ठगों ने उनकी इन्वेस्ट

किए पैसे को डबल कर वापस कर दिया। बाद में उन्होंने कई बार कर 11.99 करोड़ रुपये बताए खाते में डाल दिए। पैसे निकालने की बात कहने पर टैक्स आदि के रूप में उनसे 17 करोड़ की मांग की गई। पैसे देने से मना करने पर उन्हें ग्रुप से बाहर कर दिया। एडीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर उन खातों की जांच शुरू कर दी गई है जिनमें रकम भेजी गई थी। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में साइबर क्राइम की वारदात लगातार सामने आ रही हैं। इनमें से ज्यादातर में निवेश के नाम पर ठगी की जा रही है। 12 करोड़ की साइबर जालसाजी से पहले कारोबारी से निवेश के नाम पर ही नौ करोड़ की साइबर ठगी हुई थी। वहीं सेना के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर 5 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की जांच जारी है। हाल में ही छह करोड़ रुपये की भी एक ठगी की घटना सामने आई थी। नोएडा में एक से पांच करोड़ रुपये की ठगी के 18 से ज्यादा मामले एक साल में सामने आए हैं। वहीं नैनीताल बैंक के सर्वर के साथ छेड़छाड़ कर 16 करोड़ से अधिक की साइबर ठगी भी हुई थी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक साइबर जालसाज व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़कर वहां ट्रेनिंग व जानकारी देने के बाद उनके लाखों की ठगी करते हैं। इसके लिए लोगों को चिह्नित कर उन्हें अचानक ही ग्रुप में जोड़ा जा रहा है। उनसे निवेश, रिव्यू आदि के नाम पर ठगी की जा रही है। इस तरह की ठगी में नाइजीरियाई गिरोह के अलावा कई गैंग सक्रिय हैं। साइबर जालसाज नोएडा व एनसीआर के लोगों का डाटा लेकर उनकी आर्थिक स्थिति का पता लगाने के बाद वारदात करते हैं।

दिल्ली समेत ये छह प्रमुख स्टेशनों पर बनेंगे डीलक्स 'पे एंड यूज' शौचालय, रेलवे का सफाई पर जोर

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। रेलवे ने यात्रियों की सबसे बड़ी शिकायतों में से एक स्टेशनों पर स्वच्छ और पर्याप्त शौचालयों की कमी को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उत्तर रेलवे ने दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन, सराय रोहिल्ला, मोदीनगर, हरियाणा के जींद जंक्शन, नरवाना, मोदीनगर और पंजाब के मानसा जैसे प्रमुख स्टेशनों पर डीलक्स पे-एंड-यूज शौचालय बनाने की तैयारी की है।

इन स्टेशनों पर लंबे समय से आधुनिक व स्वच्छ शौचालयों की मांग की जा रही थी। नई व्यवस्था के तहत हजरत निजामुद्दीन में दो साइट तय की गई है। इन स्टेशनों पर रोजाना हजारों यात्री आते-जाते हैं। कई बार अचानक आने वाली भीड़ और पुराने ढांचे के कारण यात्रियों को शौचालय संबंधी सुविधाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है। डीलक्स शौचालय बनने से यात्रियों खासकर महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों बड़ी राहत मिलेगी। शौचालयों की डिजाइनिंग इस प्रकार की जाएगी कि दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों के लिए अलग से उपयोगी और सुरक्षित स्थान बनाए जा सकें। पे एंड यूज मॉडल से रेलवे को भी नियमित रखरखाव के लिए आर्थिक सहायता मिलेगी। इससे सुविधाओं को लंबे समय तक सुचारू रूप से चलाया जा सकेगा। रेलवे लगातार स्टेशनों के आधुनिकीकरण और स्वच्छता को लेकर कदम उठा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के अनुरूप रेलवे भविष्य में इन सुविधाओं को और विस्तार दे सकता है। जिन स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, वहां भी ऐसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इनके रखरखाव के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल भुगतान प्रणाली भी जोड़ी जा सकती है। दिल्ली सराय रोहिल्ला और हजरत निजामुद्दीन जैसे बड़े स्टेशनों पर रोजाना लंबी दूरी की ट्रेनों के साथ-साथ लोकल और पैसेंजर ट्रेनों की भी आवाजाही रहती है। ऐसे में इन स्टेशनों पर स्वच्छता प्रबंधन को हमेशा चुनौतीपूर्ण माना जाता है। नई पहल के तहत तैयार किए जाने वाले शौचालयों में आधुनिक निर्माण सामग्री, लाईटिंग, बेहतर वेंटिलेशन, साफ पानी, बच्चों के लिए छोटे साइज के कमोड, वरिष्ठ नागरिकों के लिए हैंड रेल, हैंड वॉश की बेहतर व्यवस्था और समय-समय पर सफाई के लिए कर्मियों की तैनाती की जाएगी। सोशल मीडिया पर रेलवे स्टेशनों के शौचालयों में अस्वच्छता व खराब हालत की शिकायतें मिलती रही है। मौजूदा शौचालय या तो अपर्याप्त हैं या उनकी हालत खराब है। कई बार यात्रियों को लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। मोदीनगर और नरवाना जैसे स्टेशनों पर अक्सर लोकल रूट पर यात्रा करने वाले लोग बड़ी संख्या में आते हैं। वहां शौचालयों की कमी या अव्यवस्था की शिकायतें पहले भी उठती रही हैं। नई व्यवस्था से रेलवे को यात्रियों की शिकायतों से भी छुटकारा मिलेगा।

दिल्ली में 95 और मोहल्ला क्लीनिकों पर लगेगा ताला

नई दिल्ली। दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक बंद करने की प्रक्रिया जारी है। अब 95 और मोहल्ला क्लीनिकों को बंद करने के लिए सूची जारी की गई है। स्वास्थ्य सेवा केंद्रों के शून्य से 1.6 किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्लीनिकों को बंद किया जाएगा। वहीं आप ने दिल्ली में 95 और मोहल्ला क्लीनिक बंद होने की आशंका पर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह मोहल्ला क्लीनिक पोर्टा केबिन और किराये की इमारत में संचालित हो रहे हैं। इससे पहले एक किलोमीटर के दायरे वाले मोहल्ला क्लीनिक बंद किए गए थे। मोहल्ला क्लीनिक बंद होने पर कार्यरत कर्मियों के बीच रोष है। इससे पहले सितंबर, अक्तूबर में भी क्लीनिक बंद किए गए थे। आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक यूनियन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने कहा कि इन 95 क्लीनिक को मिलाकर बंद होने वाले क्लीनिकों की संख्या 296 हो जाएगी। इससे लगभग 1100 से अधिक कर्मी बेरोजगार हो रहे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 16 मई को जनता दरबार में वादा किया था कि सभी स्वास्थ्यकर्मियों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर में समायोजित किया जाएगा। इसके अलावा इसी मामले में कैट के भी 22 जनवरी 2026 तक कुछ कर्मियों के स्टे ऑर्डर हैं। जिनको निकाला नहीं जा सकता है। कर्मियों ने सरकार से गुहार लगाई है कि समस्या दूर करे और उन्हें आयुष्मान आरोग्य मंदिर में नियुक्त किया जाए। वहीं इसपर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में 95 और मोहल्ला क्लीनिक बंद होने की आशंका पर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सरकार गरीबों को मुफ्त इलाज से वंचित कर रही है, मेट्रो स्टेशनों और शॉपिंग मॉल में शराब के प्रीमियम शोरूम खोलने की तैयारी कर रही है। उनके अनुसार, सरकार शराब को बढ़ावा दे रही है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी से पीछे हट रही है। भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर भ्रामक बयानबाजी और झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। पार्टी प्रवक्ता प्रवीण शंकर ने कहा कि पिछले 18 महीनों में लोकसभा, विधानसभा और नगर निगम स्तरों के चुनावों में हार के बावजूद आप नेता अब भी मनगढ़ंत कहानियां गढ़ना बंद नहीं कर रहे। सौरभ लगातार जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि दिल्लीवासी अब उनके दावों पर भरोसा नहीं करते। कपूर ने मोहल्ला क्लीनिक को छलावा बताते हुए दावा किया कि इन केंद्रों में डॉक्टरों की जगह कंपाउंडर दवा बांटते थे।

दिल्ली पुलिस की सब-इंस्पेक्टर 15,000 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस ब्रांच) ने एक महिला सब-इंस्पेक्टर को 15,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सतर्कता इकाई के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार संगम विहार की एक महिला ने बृहस्पतिवार को शिकायत दी थी कि एसआई नमिता जो उसके दर्ज मामले की जांच अधिकारी हैं, ने मामले को अनुकूल रूप से निपटाने के लिए 2 लाख रुपये की मांग की है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने धमकी दी थी कि पैसे न देने पर मामला कमजोर कर देंगे। नमिता संगम विहार थाने में तैनात है। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सतर्कता इकाई ने बृहस्पतिवार शाम थाने में जाल बिछाया। पूर्वनिर्धारित समय पर शिकायतकर्ता आरोपी से मिली, जिसने पहली किस्त के रूप में 15,000 रुपये मांगे। पुलिस अधिकारी ने शिकायतकर्ता से कहा कि वह रकम उसकी टेबल पर रखी फाइल में रख दे। जैसे ही पैसा फाइल में रखा गया टीम मौके पर पहुंची और एसआई नमिता को रंगे हाथों पकड़ लिया और रिश्वत की रकम बरामद कर ली।

कार ने तमिलनाडु पुलिस की बस को मारी टक्कर

नई दिल्ली। हरि नगर इलाके में शुक्रवार सुबह बलेनो कार ने तमिलनाडु पुलिस की बस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कार में आग लग गई। आग बस को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही कार और बस में सवार सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गए। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि सुबह करीब 11:38 बजे पुलिस को वीरेंद्र नगर के दिल्ली हाट के पास एक बस में आग लग गई है।

मिड डे मील की कढ़ी में मिला चूहा, वक्त रहते 460 स्कूलों में भोजन वितरण पर रोक

गुरुग्राम। जिले में बृहस्पतिवार को मिड डे मील सप्लाई (कढ़ी) में चूहा मिलने की घटना के बाद तत्काल कार्रवाई की गई और लगभग 460 स्कूलों में भोजन का वितरण रोक दिया गया। इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने सभी स्कूलों में मिड डे मील परोसने पर तुरंत रोक लगाने के निर्देश दिए इस्कॉन संस्था की ओर से पहली से आठवीं कक्षा के 377 और छठी से 8वीं तक 77 स्कूलों के विद्यार्थियों को मिड डे मील उपलब्ध कराया जाता था, जो इस रोक से प्रभावित हुए। अचानक भोजन की सप्लाई रुकने से कई स्कूलों में बच्चे भूखे रह गए, जिससे बच्चों के चेहरों पर मायूसी देखने को मिली। घटना का खुलासा तब हुआ जब सप्लाई टीम खेड़कीदौला सरकारी स्कूल में खाना पहुंचा रही थी। जैसे ही कर्मचारियों ने खाने के कंटेनर खोले, उनमें चूहा पाया गया। गनीमत रही कि यह खाना बच्चों तक नहीं पहुंच पाया और समय रहते सप्लाई रोक दी गई। इस्कॉन द्वारा सप्लाई किए जाने वाले मिड डे मील को लेकर भी पहले कई शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं।

NAME CHANGE

I SPARSH D/O SUNIL PARCHA R/O 1806/52 NAI WALAN KAROL BAGH CENTRAL DELHI 110005 HAVE CHANGED MY NAME TO SPARSH PARCHA

NAME CHANGE

I , Arunn Malhotra S/O: Parveen Kumar Malhotra, R/O House No. 14, Road No. 42, West Punjabi Bagh, Punjabi Bagh, PO: Punjabi Bagh, DIST: West Delhi, Delhi - 110026, have change the name of my minor daughter Myrah Malhotra aged 13 years and she shall hereafter be known as MYRRAH MALHOTRA.

PUBLIC NOTICE

BE IT KNOW TO ALL CONCERNED THAT MY CLIENT MRS. GEETA W/O LATE SH. HANSRAJ R/O F-121, RAGHUBIR NAGAR, TAGORE GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110027, HEREBY DECLARE THAT SHE HAVE EXPELLED, DISOWNED AND DIS-INHERITED HER SON I.E. ANIL & DAUGHTER-IN-LAW I.E. REKHA (W/O ANIL) DUE TO MISBEHAVIOUR OF HER ABOVE MENTIONED SON & DAUGHTER-IN-LAW FROM HER ALL MOVABLE, IMMOVABLE PROPERTIES WHATSOEVER / WHEREEVER SITUATED & BANK DEPOSITS ETC. SHE HAVE ALSO RELEASED ALL HER RELATIONS WITH HER ABOVE MENTIONED SON & DAUGHTER-IN-LAW FOR ALL INTENTS AND PURPOSES AND MY CLIENT HEREBY DECLARE THAT SHE SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY OF ACTS AND OMISSIONS OF HER ABOVE MENTIONED SON & DAUGHTER-IN-LAW FROM HERETO, ANYBODY DEALING WITH THEM SHALL DO SO AT HIS/HER/THEIR OWN PERIL.

ADVOCATE GULSHAN CHANANA
Office: 11/80, Ground Floor, Subhash Nagar, New Delhi-110027, PH:7838546879

NAME CHANGE

I ABDUL RAHMAN S/O MOHD MOHIBULLAH KHAN R/O E-50 GALI NO. 8 SHASTRI PARK SEELAMPUR NORTH EAST DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME FROM ABDUL RAHMAN TO ABDUL REHMAN FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, YASMIN BEGUM W/o Rais Ahmed R/o 1396, Pahari Imli, Jama Masjid, Delhi-110006, have changed my name to YASMEEN permanently

NAME CHANGE

I, ROHAN SACHDEVA R/o 6/18, Second Floor, East Patel Nagar, Delhi-110008, have changed my minor son's name from ADIRAJ SACHDEVA to ADHIRAJ SACHDEVA permanently

NAME CHANGE

I, DAYA SHANKAR SHARMA S/O Puran Chand R/o J-13, Adhyapak Nagar, Nangloi, Delhi-110041, have changed my name to DAYA SHANKER SHARMA permanently

NAME CHANGE

I WANIA D/O MOHAMMAD AKMAL RESIDING AT HOUSE NO 2991 FIRST FLOOR KAZIWARA DARYA GANJ NEW DELHI -110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM WANIA TO WANIYA AKMAL FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, Rajan Kumar Prasad S/o Shri Jai Narayan Prasad R/o 56C, Ground Floor, Sector-4, Pushp Vihar, New Delhi-110017, have changed my minor daughter's name from Anshika aged about 14 years to Aanshika Kashyawp for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sunita alias Sunita Gupta W/O Pawan Gupta R/O 13/141, Halka Madan, Nai Ki Mandi, Shahaganj, Agra, UP-282010 have changed my name and shall hereafter be known as Usha Kumari Sunita.

NAME CHANGE

I, Alok S/O Suresh Mehta R/O D-904, Orchard Avenue, Sec-93 Hayatpur Gurgaon Haryana - 122505 Have changed my name to Alok Kumar for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that Mr. Rahul Sehgal S/o Mr. Ramesh Chander Sehgal in respect of Built-up Upper Ground Floor, area measuring 84 Sq. Yds., i.e., 70.23 Sq. Mtrs., without roof rights, Built on Property bearing No. 1/5098, on Plot No. 27, out of Khasra No. 204, situated at Village Sikdarpur, in the abadi of Gali No. 4, Balbir Nagar, Illaqa Shahdara Delhi- 110032 by virtue of Family Will dated 04.07.2020, executed by Mr. Ramesh Chander Sehgal S/o Late Mr. Ram Sahai Sehgal and said property to be sold to Sunita Gupta and same to be finance by SMFG India Home Finance Co. Ltd., General public hereby informed that if anybody has any charge/interest/title in the said property or any kind of dispute kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I JESSY THOMAS W/O ARUN JOSE R/O 7/3C SECOND FLOOR, TYPE 3 QUARTERS, MANDIR MARG , OPPOSITE D T E A SCHOOL, D I Z AREA SECTOR-2 NEW DELHI - 110001, I have changed my name to JESSY ARUN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I DEEPAK S/O BRIJESH SINGH R/O 16/3 3RD FLOOR INDIRA VIKAS COLONY DR MUKHERJEE NAGAR NORTH WEST DELHI 110009 HAVE CHANGED MY NAME TO DEEPAK SINGH

NAME CHANGE

I GIRISHCHANDR THAPLIYAL S/O ANSUYA PRASAD R/O , H.NO- 153 , THIRD FLOOR E -BLOCK NEAR, INDRA PARK, SHASTRI NAGAR DELHI-110052, I have changed my name to GIRISH CHANDRA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I KAJAL ASHOK PANJWANI W/O AVINASH SABHNANI R/O H.NO 1201 A TOWER D, PIONEER PRESIDIA GOLF COURSE EXTENSION ROAD SECTOR -62 GURGAON HARYANA -122001, I have changed my name to KAJAL SABHNANI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SHAHNAZ W/O MOHD IQUBAL AHMED R/O 576 , H BLOCK J J COLONY SHAKUR PUR DELHI-110034, I have changed my name to SHAHNAZ BEGAM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I NARESH KUMAR VERMA S/O P L VERMA R/O H No-Rz-22-E, West Sagarpur, Nangal Raya, South West Delhi, Delhi-110046 have changed the name of my minor son SURYAANSH aged 16 years and he shall hereafter be known as SURYAANSH VERMA.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की, कृष्ण पाल पुत्र श्री लखमी चंद और जागृति धर्मपत्नी श्री कृष्ण पाल निवासी मकान नंबर 3, गली नो. 6/C, मोलर बंद विस्तार, बदरपुर, साउथ दिल्ली, दिल्ली -110044 ने अपने पुत्र पंकज कुमार उम्र लगभग 31 वर्ष और उसकी पत्नी डोली पंचाल उम्र लगभग 30 वर्ष को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है आज से हमारा और हमारे परिवार का उनसे किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उनसे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that Mr. Ashish Sharma S/o Mr. A.K. Sharma in respect of Plot of land area measuring 100 Sq. Yds., out of Khasra No. 301, situated at Village Kondli in the Abadi of Pandit Mohalla, Delhi by virtue of Notarized GPA, regd. SPA, ATS and Will dated 28.04.2025, executed by Mr. Shri Niwas S/o Mr. Net Ram and said property to be sold to Sudha devi and same to be finance by SMFG India Home Finance Co. Ltd., General public hereby informed that if anybody has any charge/interest/title in the said property or any kind of dispute kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I, GOSAVI SHESHABAI GUNDUGIR Mother of No-17009827W Rank-HMT Name-GOSAVI SHANKAR GUNDUGIR Presently residing at VILL-BHOSGA, PO-DASTAPUR, TEH-LOHARA, DIST-DHARASHIV, MAHARASHTRA-413602, have changed my name from GOSAVI SHESHABAI GUNDUGIR to SHASHIKALA GUNDUGIRI GOSAVI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/11/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1968 vide Affidavit dated 12/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, GOSAVI SAROJA Wife of No-17009827W Rank-HMT Name-GOSAVI SHANKAR GUNDUGIR Presently residing at VILL-BHOSGA, PO-DASTAPUR, TEH-LOHARA, DIST-DHARASHIV, MAHARASHTRA-413602, have changed my name from GOSAVI SAROJA to SAROJA SHANKAR GOSAVI for all future purposes vide Affidavit dated 12/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KULDEEP S/O SATYADEV R/o PHASE 2 SAILOK COLONY SANTA GANDHI ROAD SANTA MIL CHANDAUSI SAMBHAL UTTAR PRADESH-244412 I HAVE CHANGED MY NAME TO KULDEEP VERMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SANDEEP KHATEEK S/O SHRI RAMESH KHATEEK R/O KHATIK MOHALLA, PURANI CHHAWANI, GWALIOR, MADHYA PRADESH-474010, HAVE CHANGED MY NAME TO SANDEEP KUMAR KHATIK S/O RAMESH KHATIK FOR ALL FUTURE PURPOSES

सार्वजनिक सूचना

मेरा मुवक्किल श्री राम कुमार पुत्र श्री बसन्ता निवासी एल-119, रघुबीर नगर, नई दिल्ली-110027 ने अपने पुत्र साहिल को उसके दुराचरण व व्यवहार को देखते हुए उसको अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, और उससे अपने संबन्ध विच्छेद कर लिये हैं। अगर कोई व्यक्ति उससे किसी प्रकार का कोई लेन-देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेवार होगा। भविष्य में उसकी गतिविधियों के प्रति मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

दीपक जुनेजा, एडवोकेट
चैम्बर न0 24, वैस्टर्न विंग,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-110054

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Aditya Sablania S/O Yoginder Kumar, R/O 11647 Sat Nagar, Gali No-1, karol bagh, Central Delhi, Delhi - 110005, declare that name of my father has been wrongly written as Yoginder Kumar Sablania in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is Yoginder Kumar, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Yoginder Kumar S/O Sukh Lal, R/O 11647, Gali 1, Sat Nagar, Karol Bagh , Central Delhi, Delhi, 110005, declare that name of mine has been wrongly written as Yoginder Kumar Sablania in my minor daughter namely Rudrakshi Sablania aged 13 years in her school record. The actual name of mine is Yoginder Kumar, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, VUNGNGAIH LUN wife of No.-15684670N, Rank-HAV, Name-N DOUKHANLAL residing at VILL-BUNGMUAL, PO-NEW LAMKA, TEHSIL&DIST-CHURACHANDPUR, MANIPUR-795006, have changed my name from VUNGNGAIH LUN to VUNGNGAIHLUN for all future purposes vide Affidavit dated 12/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No.-15684670N, Rank-HAV, Name-N DOUKHANLAL residing at VILL-BUNGMUAL, PO-NEW LAMKA, TEHSIL&DIST-CHURACHANDPUR, MANIPUR-795006, have changed my minor daughter's name from JOY NUNHOIH to JOYNUNHOIH for all future purposes vide affidavit dated 12/12/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, M THANGAVEL Father of JC-314339X Rank-NB SUB Name-T KARNAN Presently residing at VILL-P SANGARALINGAPURAM, PO-T RAMANATHAPURAM, TEHSIL-PERAIYUR, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625535, have changed my name from M THANGAVEL to THANGAVEL M for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1964 instead of my correct date of birth as 15/03/1964 vide Affidavit dated 12/12/2025 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I, M GURUVAMMAL Mother of JC-314339X Rank-NB SUB Name-T KARNAN Presently residing at VILL-P SANGARALINGAPURAM, PO-T RAMANATHAPURAM, TEHSIL-PERAIYUR, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625535, have changed my name from M GURUVAMMAL to GURUVAMMAL T for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 28/07/1971 vide Affidavit dated 12/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, RAJSHREE D/O RATI KANT JHA R/O FLAT NO-G-05, BRAHMA APARTMENT,, PLOT NO-7, SECTOR-7, DWARKA, SOUTH WEST DELHI-110075,. have changed my name to RAJSHREE JHA for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल खलील खान, पुत्र बहादुर खान, निवासी A-70, खुसरो नगर, अल्वी चौक बस्ती, हजरात निजामुद्दीन, साउथ दिल्ली, दिल्ली-110013 ने अपने पुत्र नईम को पूर्व में अपने समस्त चल-अचल सम्पति से बेदखल कर सभी सम्बन्ध बिच्छेद कर लिए थे, जिसकी सूचना समाचार पत्र दिनांक 03.02.2017 को प्रकाशित की गयी थी। अब मेरे मुवक्किल उनके अच्छे व्यवहार एवं सुधार के आधार पर, उनकी बेदखली को पूर्णत: निरस्त करते है तथा उनके साथ समस्त पारिवारिक एवं अन्य सम्बन्ध पूर्ववत बहाल कर लिए गए है।

Deepak Singh Advocate
Chamber No. 310, Lawyers Block
Saket Courts Complex
New Delhi-110017
M-9999684758

NAME CHANGE

I Smt Pushpa W/o Jagdish Nirahan R/o Post Kolhua, Sitapur, Misrikh, Uttar Pradesh - 261401, have changed my name to Sarla.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SANJAY RANA S/O SANJAY RANA R/O KANDOLA, Dist-Ghaziabad Uttar Pradesh-245301 have changed my name and shall hereafter be Known as RAHUL KUMAR.

NAME CHANGE

I, Dharmendra Kumar son of Sri Rajveer Singh, r/o C-1/105. C-1 Block, Vinod Puri, Palam Village, South West Delhi-110045, have changed my name from Dharmendra Kumar to Arvind Chauhan and be known as Arvind Chauhan for all purposes.

PUBLIC NOTICE

Re: All that piece and parcel of-Property bearing No. C-3/197, area measuring 25 Sq. Yds. i.e. 20.90 Sq. Mtrs. Situated at in the abadi of Nand Nagri, Delhi. hereinafter referred as the "said property".

NOTICE is hereby given to general public that our client, Mr. Firoz Khan (hereinafter called the "owner") is the absolute owner of the said property vide Relinquishment Deed dated 06.09.2024 executed by Mrs. Nanahi Begum, Mrs. Iram Bano, Mrs. Firdosh and Mrs. Jannat. The said owner has also informed that initially Mr. Mahaveer Singh was the owner of the said property including other property which have been transferred to Mr. Munna Khan, Mr. Shabu Deen, Mr. Babu Deen, Mr. Jalaludeen and Mr. Jamaludeen on POA basis vide GPA and ATS dated 13.11.1995. Thereafter, these owners have executive partition deed among themselves and Mr. Munna Khan became the owner of the said property. But after the death of Mr. Munna Khan on 17.12.2022, leaving behind legal heirs namely Mrs. Nanahi Begum, Mrs. Iram Bano, Mrs. Firdosh, Mrs. Jannat and Mr. Firoz Khan and out of them four legal heirs relinquished their respective share of the said property in favour of Mr. Firoz Khan vide a Relinquishment Deed dated 06.09.2024. Hence, Mr. Firoz Khan has become the owner of the said property. The said owner has also informed that the said property is not mortgage anywhere and there is no dispute or any litigation pending upon the said property.

Any person including Bank/s, Financial Institution/s, relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the said property is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 07 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the owner in respect of the said property shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our client/owner, in any manner whatsoever.

Shivkant Arora Advocate
For M/s Intellective Law Offices
A-74, Lower Ground Floor,
Defence Colony, New Delhi-110024

NAME CHANGE

I Charanjeet S/O Om Prakash Add House no C - 10 Street no 6 Rajapuri Uttam nagar Delhi 110059 Changed my name to Charanjeet Budhiraja

NAME CHANGE

I, KANTA GUPTA, W/O RIPU DAMAN GUPTA, R/O H. NO. 1357, SECTOR-7, URBAN ESTATE, KARNAL, HARYANA-132001, HEREBY DECLARE THAT KAVITA GUPTA AND KANTA GUPTA REFER TO ONE AND THE SAME PERSON. HENCEFORTH, I SHALL BE KNOWN AS KAVITA GUPTA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री इरशाद आलम, उम्र लगभग 67 साल और उनकी पत्नी श्रीमती निखत परवीन पत्नी श्री इरशाद आलम, हालिया पता हाउस नंबर 27/24, ब्लॉक-A, खानपुर एक्सटेंशन, डॉ. अंबेडकर नगर, नई दिल्ली-110044 में रहते हैं, उन्होंने अपने बेटे एहतेशाम आलम पुत्र इरशाद आलम और उनकी कानूनी तौर पर शादीशुदा पत्नी खुशबू खातून पुत्री श्री कलामुद्दीन से सारे रिश्ते खत्म कर लिए हैं और उनके साथ सभी रिश्ते को उनके दुर्व्यवहार व गलत आचरण के करण अपनी समस्त चल-अचल संपत्तियों यहाँ और पूरे देश में से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिए हैं। इनके किसी कार्य, लेन-देन व व्यवहार के लिए मेरे मुवक्किल या उसके परिजन जिम्मेदार नहीं होंगे।

निश्चल शर्मा अधिवक्ता
OFF: 101, CENTRAL MARKET
DAKSHIN PURI NEW DELHI-110062

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MRS. YASMIN WIFE OF MR. NAFEES KHAN, R/O R-41, R-BLOCK, RAMESH PARK, LAXMI NAGAR, SHAKARPUR DELHI IS OWNER AND IN POSSESSION OF "ENTIRE BUILT-UP THIRD FLOOR, WITHOUT ROOF RIGHTS, PART OF BUILT-UP PROPERTY BEARING NO. F-97, LAND AREA MEASURING 127 SQ.YDS. I.E. 106.18 SQ.MTRS., OUT OF MUSTATIL NO. 54, KILLA NO. 21/20/3, SITUATED IN THE ABADI OF F-BLOCK, JAWAHAR PARK, NEAR J-EXTN., LAXMI NAGAR, IN THE AREA OF VILLAGE KHUREJI KHAS, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110092" AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE REGD. GPA DT. 28.12.2015 EXECUTED BY MRS. REHANA ALTAF (1/2 SHARE) AND SALE DEED DT. 03.07.2014 EXECUTED BY MRS. JAG ROSHINI DEVI JAIN (1/2 SHARE). NOW MOHD. FAZIL S/O MOHD. ZAKIR, R/O R-235, GALI NO. 10, RAMESH PARK, LAXMI NAGAR, DELHI IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY "ENTIRE BUILT-UP THIRD FLOOR, WITHOUT ROOF RIGHTS, PART OF BUILT-UP PROPERTY BEARING NO. F-97, LAND AREA MEASURING 127 SQ.YDS. I.E. 106.18 SQ.MTRS., OUT OF MUSTATIL NO. 54, KILLA NO. 21/20/3, SITUATED IN THE ABADI OF F-BLOCK, JAWAHAR PARK, NEAR J-EXTN., LAXMI NAGAR, IN THE AREA OF VILLAGE KHUREJI KHAS, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110092", FROM OWNER / SELLER MRS. YASMIN, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH PNB HOUSING FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

खिलाड़ियों ने गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय व प्रदेश का नाम रोशन किया : प्रो. नरसी राम बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। हाल में ही राजस्थान में हुए 'खेलो इंडिया'खेल प्रतियोगिताओं में गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इन खेलों के विजेता खिलाड़ियों ने कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई से मुलाकात की। कुलपति ने कहा कि अपने शानदार प्रदर्शन से खिलाड़ियों ने न केवल विश्वविद्यालय का बल्कि प्रदेश का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने कहा कि गुजविप्रौवि द्वारा खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा व मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जा रहा है। खेलों में गुजविप्रौवि का प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है। कुलपति ने इन खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं भी दीं। खेल विभाग के अधिष्ठाता प्रो. आशीष अग्रवाल ने बताया कि इन खेलों में देश भर के 350 चुनिंदा विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। इनमें गुजविप्रौवि ने ओवरआल 53वीं रैंक हासिल की। कुलपति से मुलाकात करने वाले खिलाड़ियों में बॉक्सिंग के स्वर्ण पदक विजेता अंकित, कुश्ती के कांस्य पदक विजेता सुमित कुमार, बॉक्सर मंदीप कुमार व साहिल के अतिरिक्त शुटिंग टीम के खिलाड़ी प्रशांत, हर्ष सिंह तथा दीपांशु शामिल थे। शूटिंग टीम ने ओवरऑल चौथा स्थान प्राप्त किया।

छत तोड़ते मजदूर की मलबे के नीचे दबने से मौत

जींद। गांव बिरौली में सुबह जर्जर लैंटर तोडने के दौरान नीचे दबने से एक मजदूर की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। श्याम नगर निवासी मोनू (28) लेबर के साथ गांव बिरौली स्थित गत्ता फैक्टरी में जर्जर लैंटर को तोडने गए थे। इसी दौरान मोनू लैंटर को तोडने का प्रयास कर रहा था, तो अचानक से लैंटर का मलबा नीचे आ गिरा। इसी मलबे के नीचे दब कर मोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। साथी मजूदरों द्वारा मोनू को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक मोनू के बड़े भाई कुलवंत ने बताया कि जब उन्होंने साथी मजदूरों से बात की तो पता चला कि लैंटर जर्जर हालात में था। जिसे मजदूर तोडने से मना कर रहे थे लेकिन ठेकेदार की जिद के चलते मजदूर लैंटर तोडने के लिए राजी हो गए और उसके भाई की लैंटर का मलबा गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिला पार्षद को हिरासत में लिया

सोनीपत। सोनीपत में जिला पार्षद संजय बड़वासनिया को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पूर्व उनके आवास से पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उन्होंने इसे लोकतंत्र का हनन बताते हुए कहा कि सरकार जानबूझकर आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि ठेका प्रथा पूरी तरह कर्मचारियों का शोषण है और इसके खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। चुनाव से पहले किए गए वायदे पूरे किए जाएं तथा ठेकाकर्मी, अनुबंधित और कच्चे कर्मचारियों को नियमित किया जाए। बड़वासनिया का कहना है कि वह मुख्यमंत्री को ठेका प्रथा समाप्त करने और समान कार्य समान वेतन लागू करने की मांग का ज्ञापन देने जा रहे थे, लेकिन प्रशासन ने इससे पहले ही उन्हें हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई में मिलने वाला 10 हजार 900 रुपये का वेतन ऊंट के मुंह में जीरे के समान है, जिससे परिवार का पालन मुश्किल है। जिला पार्षद ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी दबाव में नहीं आएंगे और कर्मचारियों के अधिकारों तथा जनता के हितों के लिए उनका संघर्ष अंतिम सांस तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को जनहित के मुद्दों पर संवेदनशील होना चाहिए तथा कर्मचारियों का शोषण रोकने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

हिसार में सीएम फ्लाइंग ने मारे दो राशन डिपो पर छापे, एक सील

हिसार। सीएम फ्लाइंग टीम ने जिले के नारनौंद क्षेत्र में दो राशन डिपो पर छापे मारकर बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का खुलासा किया। लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर की गई इस कार्रवाई में टीम ने गांव सुलचानी और धर्मखेड़ी के डिपो पर जांच की, जहां पर निर्धारित नियमों और सरकारी दिशा-निर्देशों का खुला उल्लंघन पाया गया। जांच में मिली गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए सुलचानी की डिपो धारिका के खिलाफ पुलिस में केस दर्ज करवाया गया है। टीम का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना ने किया। उनके साथ खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निरीक्षक संजीव, संदीप, उप निरीक्षक सुरेंद्र तथा पुलिस टीम के एएसआई सुरेंद्र, एचसी सुरेंद्र व विजय मौजूद रहे। सुलचानी डिपो पर भारी गड़बड़ियां, स्टॉक से ज्यादा मिजा सामान, डिपो सील सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना ने बताया कि टीम बुधवार को गांव सुलचानी पहुंची, जहां डिपो धारिका रेखा रानी के डिपो पर पीओएस मशीन और भौतिक स्टॉक की जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि लगभग 16 क्विंटल गेहूं रिकॉर्ड से अधिक रखा हुआ था तथा 3 किलोग्राम चीनी कम पाई गईं और 190 लीटर सरसों का तेल रिकॉर्ड से अधिक मिला।

सत्य, बलिदान और मानवता की अमर विरासत श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जीः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का जीवन, हमें संदेश देता है कि अत्याचार चाहे कितना ही बड़ा क्यों न हो, सत्य और धर्म की शक्ति हमेशा उससे अधिक महान होती है। धर्म केवल पूजा करने का नाम नहीं, बल्कि सत्य, स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा की रक्षा का मार्ग है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी दिवस के अवसर पर कश्मीरी हिंदू प्रकोष्ठ हरियाणा एवं श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गुरुग्राम के अपैरल हाऊस में तप से त्याग तक संगीतमय नाटक मंचन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में अभिनेता पद्म भूषण अलंकृत अनुपम खेर मुख्यतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री के ओएसडी प्रभलीन सिंह ने मंच से संगत का सत्कार किया। मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्म भूषण से सम्मानित प्रख्यात अभिनेता अनुपम खेर व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सम्मानित किया।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु साहिब का बलिदान मानवता का दिव्य पर्व है और भारत सदियों से इस आध्यात्मिक परंपरा का केंद्र रहा है। संबोधित करते हुए कहा कि तप से त्याग तक नाटक मंचन हमें याद दिलाता है कि हमारी संस्कृति का आधार त्याग है। हमारी सभ्यता की आत्मा तप है। हमारी राष्ट्रीयता की शक्ति सत्य है। उन्होंने कहा कि यह नाटक विशेषकर युवा पीढ़ी को बताता है कि बलिदान केवल इतिहास का अध्याय नहीं है, बल्कि एक चेतना है, जो राष्ट्र को जीवंत रखती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 1984 के दंगों में अपने परिजनों को खोने वाले हरियाणा के 121 सिख परिवारों के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि दिसम्बर 2022 में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की स्थापना की गई, जिससे प्रदेश के सिख समुदाय को लंबे समय से अपेक्षित स्वायत्तता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा सिख समुदाय, सिख इतिहास और गुरु परंपरा के सम्मान में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। सिरसा स्थित चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में श्री गुरु तेग बहादुर जी पर शोध के लिए चेयर की स्थापना की गई है, जो शोध परंपरा को नई दिशा प्रदान करेगी।

झज्जर शहर में चला नगर परिषद की सिलिंग का हथोड़ा

एजेंसी

झज्जर। नगर परिषद झज्जर ने टैक्स बकाया वसूली के लिए शहर में सिलिंग अभियान चलाते हुए ढाबा, दुकानों और बैंक भवन सहित आठ प्रतिष्ठानों को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट और पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। नगर परिषद झज्जर के अनुसार, जिन प्रतिष्ठानों को सील किया गया है, उन पर लाखों रुपये का हाउस टैक्स बकाया था।

कार्रवाई शुरू होते ही शहर में हड़कंप मच गया और कई बकायादार मौके पर पहुंचे व वहीं पर टैक्स जमा कराना शुरू कर दिया। कार्रवाई के दौरान एक बिल्डिंग में चल रहे बैंक पर भी ताला लगाया गया, जिस पर करीब साढ़े तीन लाख रुपये का टैक्स बकाया है। सिलिंग के कारण उसी बिल्डिंग में बने पीजी में रह रहे लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बैंक के कर्मचारी ने बताया कि जिस बिल्डिंग में उनका बैंक है उस बिल्डिंग पर करीब साढ़े तीन लाख रूपये का टैक्स नगर परिषद का बकाया हैं। परिषद ने कई बार इन्हें नोटिस दिए है। लेकिन जब टैक्स नहीं भरा गया तो आखिरकार यह सीलिंग की कार्यवाहीं परिषद को करनी पड़ी। सीलिंग के दौरान बैंक के सभी कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया गया और उसके बाद बिल्डिंग पर सील लगा दी गई।

उधर, इसी बिल्डिंग में एक पीजी में रहने वाले लोगों ने भी मीडिया के सामने अपना दर्द बयां किया। उन्होंने बताया कि सीलिंग के बाद उन्हें काफी परेशान हो रही है। नगर परिषद सचिव ने शहरवासियों से अपील की कि समय पर टैक्स जमा कराएं, ताकि उन्हें किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि टैक्स वसूली अभियान निरंतर जारी रहेगा। परिषद का कहना है कि शहर में अभी भी कई प्रतिष्ठान ऐसे हैं, जिन पर लाखों रुपये का टैक्स बकाया है और उन पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

भाई कन्हैया मानव सेवा ट्रस्ट ने डबवाली में शुरू की एंबुलेंस सेवा

एजेंसी

सिरसा। भाई कन्हैया मानव सेवा ट्रस्ट सिरसा द्वारा डबवाली में नई शाखा की शुरुआत की गई। ट्रस्ट के संचालक पद्मश्री गुरविंद्र सिंह व एसडीएम डबवाली अर्पित संगल ने एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर शाखा का शुभारंभ किया। इस मौके पर डबवाली के डीएसपी कपिल अहलावत ने कहा कि सडक़ हादसों में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने ट्रस्ट द्वारा दी जा रही निःशुल्क आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। ट्रस्ट के मुख्य सेवादार गुरविंद्र सिंह ने बताया कि 7 जून 1997 को हुए एक सडक़ हादसे में उन्हें समय पर एम्बुलेंस न मिलने का दर्द आज भी याद है। उसी अनुभव से प्रेरित होकर 2005 में ट्रस्ट की शुरुआत सरकारी अस्पताल सिरसा में निःशुल्क दूध सेवा से की गई, और 2008 में एक एम्बुलेंस के साथ निःशुल्क आपातकालीन सेवा आरंभ की गई।

गुरुग्राम में 13 व 14 दिसंबर को एक केन्द्र पर होगी यूपीएससी की परीक्षा

यूपीएससी की परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर एडिशनल लेबर कमिश्नर ने ली बैठक

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। जिला में 13 और 14 दिसंबर को संघ लोक सेवा आयोग की आयोजित होने वाली कम्बाइंड सेक्शन ऑफिसर्स (ग्रेड-बी) एलडीसीई फॉर द ईयर्स ऑफ 2025 एंड कम्बाइंड स्टेनोग्राफर्स (ग्रेड-बी/ग्रेड-1) एलडीसीई फॉर द ईयर 2019, 2020, 2021 परीक्षा को लेकर एडिशनल लेबर कमिश्नर (एएलसी) कुशल कटारिया ने बैठक ली। लघु सचिवालय में आयोजित इस बैठक में उन्होंने परीक्षा के सफल आयोजन के लिए संबंधित सेंटर सुपरवाइजर व ड्यूटी मजिस्ट्रेट को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एएलसी कुशल कटारिया ने कहा कि यह काफी संवेदनशील कार्य है जिसे सभी अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ करना है। अधिकारी सुनिश्चित करें कि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही की गुंजाइश ना हो। परीक्षा के लिए संघ लोक सेवा आयोग ने जो नियम निर्धारित किए हैं, उनका दृढ़ता से पालन किया जाएगा। किसी भी अधिकारी को कोई शंका हो तो उसे समय रहते दूर कर ले। उन्होंने बताया कि 13 दिसंबर को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा 2 शिफ्ट, जबकि 14 दिसंबर को एक शिफ्ट में परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इसके लिए जिला में एक केंद्र बनाया गया हैं। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाएगी। पहला चरण सुबह 10 बजे से 12 बजे तक, दूसरा चरण दोपहर 02:30 बजे से 04:30 बजे तक व तीसरा चरण 14 दिसंबर सुबह 10 बजे से 1 बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि 13 और 14 दिसंबर को होने वाली लिखित परीक्षा के लिए एक केन्द्र पर 47 विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

कॉलेज का नाम खुशी लेकिन व्यवस्था जेल के कमरों से भी खराब : रेनू भाटिया

एजेंसी

हिसार। जिले के गांव कागसर में खुशी नर्सिंग कॉलेज में छात्राओं की फीस बढ़ाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया भी कॉलेज पहुंची और छात्राओं से बातचीत कर हॉस्टल की चेकिंग की।

कॉलेज में सुविधाओं के नाम पर वह नाराज नजर आई। बोली इस कॉलेज का नाम खुशी जरूर है लेकिन जेल में रहने वाली महिलाओं के कमरे भी इस हॉस्टल के कमरों से अच्छे हैं। कॉलेज की छात्राएं और कॉलेज की मैनेजमेंट को हिसार बुलाया गया है। नारनौंद क्षेत्र के गांव कागसर के खुशी नर्सिंग कॉलेज का विवाद महिला आयोग में चला गया है। आयोग की तरफ से नोटिस जारी करके हिसार में पेश होने के लिए आदेश दिए गए थे लेकिन उससे एक दिन पहले ही महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया अचानक से कॉलेज में पहुंच गई। सबसे पहले उन्होंने कॉलेज की सभी छात्राओं से बातचीत की। उसके बाद कॉलेज के एक बड़े हाल में छात्राओं को बैठाया और प्रशासन के अलावा सभी को वहां से बाहर भेज दिया गया। करीब एक घंटे तक उनकी शिकायतें सुनी और उसके बाद हॉस्टल का अन्य महिला अधिकारियों के साथ दौरा कर एक-एक चीज को बारीकी से देखा। उन्होंने बताया कि कॉलेज में छात्राओं को कोई सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई जा रही। के कमरों से अच्छे हैं। शौचालय में नल नहीं है पानी की कमी है। गर्म पानी की सुवधा भी चार दिन पहले ही उपलब्ध करवाई गई है। पीने का पानी भी साफ नहीं है। कॉलेज में रिपेयरिंग का कार्य शुरू है और जो मिस्त्री लगे हुए हैं वहां से लड़कियों के बाथरूम साफ देखे जा सकते हैं। यह बड़ी खामी है। फीमेल हॉस्टल वार्डन की आज्ञा के बिना कोई भी हॉस्टल में प्रवेश नहीं कर सकता। खाना भी सही तरीके नहीं बनाया जाता। लड़कियों ने कुछ वीडियो दिखाई है जिसमें पार्टी के नाम पर बिना मतबल के आने के लिए कहा जाता था। रेनू भाटिया ने बताया कि लड़कियों की समस्या सुन ली गई है। हिसार बुलाया गया है, जो भी लड़कियां आना चाहोगी उनके लिए ट्रांसपोर्ट भी उपलब्ध करवाई जाएगी। जो इस मामले में सही होगा वह सही है और जो गलत होगा वह गलत है। निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई की जाएगी।

प्रशिक्षण महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाने व स्वावलंबन की दिशा में मजबूत कदम : डॉ. यशपाल शर्मा

एजेंसी

हिसार। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्था के निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा ने कहा है कि मनुष्य अपनी प्रतिभा के बल पर जीवन में कोई भी लक्ष्य हासिल कर सकता है। हर व्यक्ति में प्रतिभा होती है, वह अपनी प्रतिभा को निखारे और जीवन में सफलता प्राप्त कर देश व समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर करे।

डॉ यशपाल शर्मा लुदास गांव में चल रहे 15 दिवसीय सिलाई एवं कटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों व ग्रामीणों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षण में भाग लेने वाली महिलाओं की सराहना की और कहा कि यह प्रशिक्षण उनमें न केवल कौशल विकास का अवसर है, बल्कि आत्मविश्वास बढ़ाने और स्वावलंबन की दिशा में मजबूत कदम भी है। इस प्रशिक्षण की प्रतिभागी अपने अनुभव का उपयोग अपने करियर एवं व्यवसाय को प्रगति देकर आत्मनिर्भर बनें ताकि वे अपनी सामाजिक व आर्थिक स्थिति को बेहतर कर सकें। इस सिलाई एवं कटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पंजाब नैशनल बैंक कृषक प्रशिक्षण केंद्र सच्चाखेड़ा जींद द्वारा सीआईआरबी हिसार की वित्तीय सहयोग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पीएनबीएफटीसी, सच्चा खेड़ा निदेशक हितेश कालरा ने कहा कि इस कार्यक्रम में गांव की 30 अनुसूचित जाति की महिलाओं ने भाग लिया कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं युवतियोंको रोजगारमूलक कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाना तथा जागरूक करना था। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपना स्वरोजगार शुरू कर सकती हैं और अपनी आय में वृद्धि कर सकती हैं।

अमित शाह 24 दिसंबर को आएंगे हरियाणा : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

5000 पुलिस जवानों की पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि होंगे अमित शाह

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिसंबर के अंतिम सप्ताह में हरियाणा आएंगे। 24 दिसंबर को वे हरियाणा पुलिस के नव नियुक्त 5,000 जवानों की पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह जानकारी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद पत्रकारों को दी।नायब सिंह सैनी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री को धन्यवाद देने आए हैं। हरियाणा में हमारे दो बड़े कार्यक्रम थे। पहला श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस और दूसरा अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती उत्सव। दोनों कार्यक्रमों मे प्रधानमंत्री के पधारने से हरियाणा का गौरव बढ़ा है। इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया है।पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष केवल दुष्प्रचार करता है और देश को गुमराह करने का काम करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कहने के लिए कुछ नहीं है। इनके पास एक भी योजना ऐसी नहीं है, जो भ्रष्टाचार के दल-दल में न फंसी हो। योजना धरातल पर नहीं उतरती थी। कांग्रेस अपना विजन देश के सामने रखे, विकास की बात करे। आप वोट चोरी की बात करते हैं तो लोग इन पर हंसते हैं। लोग इनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेते। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब व्यक्ति का विकास हुआ है। गरीब व्यक्ति को आज कोई आस जगी है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जगी है। आज लोग सोचते हैं कि आजादी के बाद यदि किसी व्यक्ति ने गरीब की सुध ली है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है। कांग्रेस ने कभी आम आदमी के लिए कुछ नहीं किया। आम जनता का भला किसी ने किया है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

हसनपुर उप-तहसील नए भवन में शिफ्ट,सुविधाएं बढ़ी

एजेंसी

पलवल। पलवल जिले की उप-तहसील हसनपुर अपने नए भवन में शिफ्ट हो गई। नवनिर्मित भवन में उप-तहसील के संचालन का शुभारंभ होडल के विधायक हरेंद्र सिंह ने हवन-यज्ञ, पूजा-अर्चना और विधिविधान के साथ रिबन काटकर किया। नए भवन में उप-तहसील के शुरुआत होते ही ग्रामीणों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में होडल एसडीएम बलीना, प्रशासनिक अधिकारी और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि उप-तहसील भवन का वर्चुअल उद्घाटन इस वर्ष मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा किया गया था। विधायक हरेंद्र सिंह ने ग्रामीणों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए भवन में अब राजस्व विभाग से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पहले ग्रामीणों को जमीन की फर्द, रिहायशी प्रमाण पत्र या जमीनी दस्तावेजों के सत्यापन के लिए पटवार घर तक जाना पड़ता था, लेकिन अब ये सभी सुविधाएं उप-तहसील कार्यालय में ही मिलेंगी। इससे ग्रामीणों का समय बचेगा और कार्य भी तेजी से होंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की समग्र प्रगति के लिए ग्रामीण विकास सबसे महत्वपूर्ण है। सरकार इसी मूलमंत्र के साथ देश और प्रदेश में विकास की दिशा तय कर रही है। 'विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार करने में गांवों की भूमिका सबसे अहम है, क्योंकि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना के साथ गांव के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

509 गरीब परिवारों को मकान आवंटित किए जाएंगे: नायब सैनी

ज्योति दर्पण

सोनीपत। सोनीपत के सुभाष स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय अंत्योदय परिवार उत्थान मेला मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंक्ति में अंतिम खड़े व्यक्ति को ऊपर उठाना हमारी सरकार की मूल भावना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में शुरू हुई यह योजना गरीब परिवारों को समान अवसर, कौशल विकास, रोजगार और जीवन स्तर सुधारने की समग्र कोशिश है। पहले चरण में 166 स्थानों पर मेले हुए थे और अब दूसरे चरण के इस बड़े आयोजन को सोनीपत की ऐतिहासिक धरती पर शुरू करना गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बहनों के लिए लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की जा चुकी है और इसकी दो किस्तें भी जारी हो चुकी हैं। सरकार का संकल्प है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि 509 गरीब परिवारों को मकान आवंटन की प्रक्रिया भी पूरी की। गरीबों के सशक्तिकरण और मजबूती के लिए सरकार तेज गति से काम कर रही है। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत और पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय विचार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की टीम पूरी निष्ठा से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय मेले सरकार और जनता को सेवाभाव के साथ जोड़ने वाला मजबूत माध्यम बन रहे हैं। हरियाणा अब केवल विकास नहीं, बल्कि मानवता के उत्थान की राह पर तेजी से आगे है। उन्होंने कहा कि योजनाएं तभी सार्थक होती हैं जब वे फाइलों में नहीं, बल्कि धरातल पर गरीब तक सम्मानपूर्वक पहुंचे। डा. शर्मा ने कहा कि पूरे देश में गरीब कल्याण, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में मिली नई गति के अनुरूप हरियाणा में भी अंत्योदय मेलों को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जा रहा है। लाडो लक्ष्मी योजना सहित 50 संकल्प पूरे होना जनता के विश्वास का प्रमाण है। गरीब परिवार उत्थान के संकल्प का बड़ा संदेश है। अंत्योदय का मार्ग ही सच्चे विकास की दिशा दिखाता है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को उनके अधिकार और अवसर एक ही मंच पर देना सरकार की प्राथमिकता है।

रोहतक के आईजी ने मृतक रोहित धनखड़ के परिजनों को दिया कार्रवाई का भरोसा

एजेंसी

रोहतक। बॉडी बिल्डर रोहित धनखड़ हत्याकांड के मामले में आईजी सिमरदीप सिंह गांव हमायुंपुर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। आईजी ने परिजनों को आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस मामले में पुलिस की अलग-अलग पांच टीम जांच में जुटी है और कई संदिग्ध युवकों से भी पूछताछ की जा चुकी है। दो दिन पहले खाप प्रतिनिधियों ने डीजीपी ओपी सिंह से इस मामले में मुलाकात की थी। राष्ट्रीय धनखड़ खाप, क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों और रोहित धनखड़ के परिवार के सदस्यों ने मामले में तेजी लाने, असली अपराधियों को शीघ्र पकड़े जाने और जांच को मजबूत करने की मांग रखी थी।

परिवार और खाप प्रतिनिधियों की बात सुनने के बाद डीजीपी ने तत्काल रेंज के आईजी समरदीप सिंह को आदेश दिए कि वे स्वयं रोहित धनखड़ के घर जाकर उनकी मां और परिवार से मिलें, जांच की अभी तक की स्थिति बताएं। डीजीपी के निर्देशों के चलते वीरवार सुबह 11 बजे आईजी समरदीप सिंह रोहित धनखड़ के आवास पर पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों व रोहित की मां से मुलाकात कर पूरे मामले के बारे में पता किया। आईजी ने परिवार को भरोसा दिलाते हुए कहा कि पुलिस की टीमें लगातार अपराधियों के करीब पहुंच रही हैं और नामजद आरोपी सहित सभी संदिग्धों पर कड़ी निगरानी और दबिश जारी है। परिजनों ने बताया कि आईजी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि पुलिस तय समय सीमा के भीतर ही नहीं, बल्कि संभावना है कि उससे पहले भी अपराधियों को गिरफ्तार कर सकती है। आईजी समरदीप सिंह ने परिवार को बताया कि पुलिस इस मामले को अत्यंत गंभीरता से ले रही है और पूरा विभाग परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि न्याय प्रक्रिया में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी और अपराधियों को कानून के कठघरे में लाने के लिए पुलिस पूरी तत्परता से काम कर रही है।

सेबी ने प्रतिभूति बाजार के लिए नामांकन ढांचे का तीसरा चरण स्थगित किया

- यह चरण 15 दिसंबर से लागू होने वाला था, नई लागू तिथि बाद में घोषित की जाएगी

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रतिभूति बाजार के लिए नामांकन ढांचे के तीसरे चरण के कार्यान्वयन को स्थगित कर दिया है। यह चरण पहले 15 दिसंबर से प्रभावी होने वाला था। सेबी ने कहा कि नई तिथि बाद में घोषित की जाएगी। स्थगन का कारण डिपॉजिटरी और अन्य हितधारकों को परिचालन संबंधी चुनौतियों का सामना करना बताया गया है। सेबी ने रीट और इनविट की परिभाषा में संशोधन करते हुए यह स्पष्ट किया कि योग्य संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) अब रणनीतिक निवेशक के रूप में आवेदन कर सकते हैं। इस श्रेणी में सरकारी वित्तीय संस्थान, पेंशन एवं भविष्य निधि, वैकल्पिक निवेश निधि, राज्य औद्योगिक विकास निगम, पारिवारिक ट्रस्ट और 500 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति वाले पंजीकृत मध्यस्थ शामिल हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का 10,000 करोड़ रुपये का आईपीओ शुक्रवार से खुलने वाला है। इससे पहले ही 4,815 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है।

इसमें प्रमुख निवेशक झुनझुनवाला परिवार, मधुसूदन केला सहित कुल 26 निवेशक शामिल हैं। कंपनी ने 22,240,841 इक्विटी शेयरों का निजी प्लेसमेंट 2,165 रुपये प्रति शेयर की दर से किया। इसमें अबुधाबी की लुनेट कैपिटल, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के रीजेंट्स, आईआईएफएल एसेट मैनेजमेंट, 3पी इंडिया इक्विटी फंड (प्रशांत जैन प्रबंधित), डीएसपी इंडिया फंड, व्हाइटओक कैपिटल इंडिया अपॉर्चुनिटीज फंड, एचसीएल कैपिटल और प्रमुख बीमा कंपनियां जैसे एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, कोटक लाइफ, आदित्य बिरला सन लाइफ और गो डिजिट शामिल हैं।

आईडीबीआई बैंक की खरीद में फेयरफैक्स आगे, कोटक महिंद्रा भी दौड़ में

नई दिल्ली ।

टोरंटो स्थित फेयरफैक्स फाइनेंशियल आईडीबीआई बैंक के अधिग्रहण की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)से बैंक की 60.72 फीसदी नियंत्रणकारी हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक ऑल-कैश ऑफर देने पर विचार कर रही है। मौजूदा बाजार मूल्य के आधार पर इस हिस्सेदारी की कीमत करीब 7 अरब डॉलर, यानी लगभग 63 हजार करोड़ रुपये आंकी गई है। आईडीबीआई बैंक का वर्तमान बाजार पूंजीकरण लगभग 1.02 लाख करोड़ रुपए है और वर्ष 2025 में इसके शेयर अब तक 25 फीसदी चढ़ चुके हैं। बैंक में नियंत्रणकारी हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में कोटक महिंद्रा बैंक भी शामिल है, जो नकद और शेयरों के मिश्रित ऑफर की तैयारी कर रहा है।

बोली आवेदन इस महीने के अंत तक जमा किए जा सकते हैं, हालांकि डेडलाइन बढ़ने की संभावना भी है। पहले एमिरेट्स एनबीडी ने भी रुचि दिखाई थी, लेकिन हाल ही में आरबीएल बैंक में नियंत्रणकारी हिस्सेदारी खरीदने के समझौते के बाद उसके दौड़ से हटने की अटकलें हैं। फेयरफैक्स, कोटक और एमिरेट्स एनबीडी ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार किया है।

इंडिगो की उड़ानें निरस्त होने से 1,800 करोड़ का नुकसान

– कुल 2,686 करोड़ रुपए तक बढ़ सकता है वित्तीय दबाव

नई दिल्ली ।

एयरलाइन कंपनी इंडिगो को वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में भारी वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। लगातार फ्लाइट कैंसिलेशन के कारण अब तक कंपनी को लगभग 1,800 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

शुरुआती चरण में ही 9 दिसंबर तक रिफंड के रूप में 900 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व नुकसान हुआ। यदि नियामक एजेंसियां मुआवजे का आदेश देती हैं, तो यह वित्तीय बोझ और बढ़ सकता है। एविएशन मिनिस्ट्री के पैसेंजर चार्टर के अनुसार, अगर उड़ान 2 घंटे से अधिक देरी या कैंसिल होती है और यात्रियों को 24 घंटे पहले सूचित नहीं किया जाता, तो एयरलाइन को 10,000 या बेसिक किराया प्लस फ्यूल चार्ज (जो कम हो) के बराबर मुआवजा देना होगा। 1 से 9 दिसंबर के बीच 8.86 लाख पीएनआर कैंसिल होने के कारण इंडिगो पर लगभग 886 करोड़ रुपए का मुआवजा भुगतान बन सकता है।

अगर यह रिफंड के साथ दिया गया, तो कंपनी का कुल वित्तीय दबाव 2,686 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। इंडिगो ने ऑपरेशनल स्थिति में सुधार की दिशा में कदम उठाए हैं। 3 से 5 दिसंबर के बीच कैंसिल या लंबी देरी से प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपए का ट्रैवल वाउचर दिया गया है। यह वाउचर अगले 12 महीनों में किसी भी उड़ान की बुकिंग में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड ने 50,000 करोड़ एयूएम क्लब में किया प्रवेश

- 3 साल में 18 और 5 साल में 22 फीसदी से ज्यादा दिया रिटर्न

नई दिल्ली ।

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड ने पिछले पांच वर्षों में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। तीन साल में इसने 18.46 फीसदी और पांच साल में 22.43 फीसदी का रिटर्न दिया, जिससे यह अन्य प्रमुख लार्ज कैप फंड्स जैसे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और इन्वेस्को इंडिया के मुकाबले आगे निकल गया।

लार्ज कैप फंड नए और जोखिम से बचने वाले निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प माने जाते हैं। इन फंड्स का पोर्टफोलियो ब्लू-चिप कंपनियों में निवेश करता है, जिससे बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद स्थिरता बनी रहती है। निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड ने 50,000 करोड़ रुपये के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) क्लब में प्रवेश कर लिया है। यह उपलब्धि कम निवेश के बावजूद हासिल हुई है, क्योंकि हालिया बाजार तेजी, मुनाफावसूली और त्योहारी सीजन के दौरान तरलता की जरूरतें बढ़ी हैं। फंड का प्रदर्शन इंडेक्सिंग पर नहीं, बल्कि सक्रिय निवेश और गहन शोध पर आधारित है। फंड मैनेजर बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं, जिससे उचित मूल्य पर वृद्धि होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्ज कैप म्यूचुअल फंड म्यूचुअल फंड निवेश की रीढ़ हैं।

लंबी अवधि में ये स्थिर और निरंतर रिटर्न देने के साथ संभावित लाभांश भी प्रदान करते हैं, जो निवेशकों को आकर्षित करता है।

पहली बार चांदी 2 लाख रुपये प्रति किलो के ऊपर पहुंची , सोना भी उछला

नई दिल्ली ।

पहली बार चांदी 2 लाख रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गई है। फेडरल रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती और मांग बढ़ने के बाद मल्टी कमोडिटी मार्केट (एमसीएक्सा) पर चांदी में ये उछाल आया है। चांदी 1600 रुपये उछलकर 2,00,510 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही है। वहीं सोने में भी रिकॉर्ड तेजी रही।

एमसीएक्स पर सोना आज करीब 2500 रुपये चढ़कर 1,34,966 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, ये इसका रिकॉर्ड ऊंचा स्तर है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव लगभग 1,32,700 रुपए और चांदी के भाव 1,97,850 रुपए के आसपास कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के फरवरी कॉन्ट्रेक्ट की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ 1,32,442 रुपए पर हुई, जबकि पिछला बंद भाव 1,32,469 रुपए था। शुरुआती कमजोरी के बाद सोने में खरीदारी बढ़ी और यह कॉन्ट्रेक्ट 1,32,673 रुपए पर पहुंच गया, जो लगभग 204 रुपए की तेजी दर्शाता है। दिन के दौरान सोना 1,32,764 रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंचा, जबकि 1,32,400 रुपए इसका दिन का निचला स्तर रहा। इसके विपरीत, चांदी के मार्च कॉन्ट्रेक्ट की शुरुआत

सुस्त रही और पिछले बंद 1,98,942 रुपए से करीब 1,984 रुपए की गिरावट के साथ 1,96,958 रुपए पर खुला, यानी कारोबार के दौरान चांदी में दबाव बना रहा और यह 1,97,878 रुपए तक फिसल गई।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 90.52 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबार में रुपया 24 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.56 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता एवं विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी निवेशकों की भावना प्रभावित होने से रुपया दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कीमती धातुओं की वैश्विक कीमतों में उछाल के बीच आयातकों द्वारा डॉलर की आक्रामक खरीद से भी रुपया पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी विनिमय मुद्रा बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.43 पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 90.56 पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 38 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 90.32 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 98.37 पर रहा।

इंडिगो सीसीआई की जांच के घेरे में

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) आंतरिक रूप से यह देख रहा है कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन किया है या नहीं। अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है और जांच स्वतः संज्ञान के आधार पर की जा रही है। इंडिगो घरेलू बाजार में 65 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी रखती है। जांच में कंपनी के प्रभुत्व, विशेष मार्गों पर नियंत्रण और इसका दुरुपयोग-शोषणकारी या बहिष्करणकारी- जांचने पर ध्यान दिया जाएगा। प्रभुत्व में होना अपने आप में अपराध नहीं है, केवल इसका दुरुपयोग ही नियमों का उल्लंघन माना जाता है। 2 दिसंबर से इंडिगो ने सैकड़ों उड़ानें रद्द कीं, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। नए उड़ान 'ड्यूटी' नियमों को लागू करने में योजना की कमी को प्रमुख कारण माना जा रहा है। डीजीसीए भी एयरलाइन के संचालन की निगरानी बढ़ा रहा है। सीसीआई का उद्देश्य बाजार में प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं को रोकना और निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देना है। इसके अधिकारों में जांच, जुर्माना और निषेधाज्ञा जारी करना शामिल है।

मेटा इंडिया में अमन जैन बने सार्वजनिक नीति प्रमुख

नई दिल्ली । मेटा इंडिया ने अमन जैन को सार्वजनिक नीति का नया प्रमुख नियुक्त किया है। जैन अगले साल की शुरुआत में कंपनी में शामिल होंगे और एपीएसी के नीति उपाध्यक्ष साइमन मिलनर के अधीन काम करेंगे। उनके पास अमेज़न, गूगल, भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में 20 वर्षों का अनुभव है। मेटा का उद्देश्य भारत में समावेशी, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार इंटरनेट बनाना है। जैन की नियुक्ति से कंपनी को नीति निर्माण और उद्योग हितधारकों के साथ बेहतर साझेदारी में मदद मिलेगी।

एनपीएस को सोने-चांदी ईटीएफ में निवेश की अनुमति

- लगभग 1.7 बिलियन डॉलर निवेश के अवसर मिलेंगे

नई दिल्ली । नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) अब अपने फंड का एक फीसदी सोने और चांदी के एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेश कर सकता है। यह पहली बार है जब भारतीय नियामक ने पेंशन फंडों को कीमती धातुओं में निवेश की अनुमति दी। इस पहल से लगभग 1.7 बिलियन डॉलर के निवेश के अवसर खुलते हैं। सोने और चांदी ने इस साल क्रमशः 61 फीसदी और 114 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। ईटीएफ के जरिए निवेशकों को धातुओं में सीधी हिस्सेदारी लेने का आधुनिक तरीका मिल गया है। एक शोध` विशेषज्ञ के मुतो बिक यह कदम सोने को एक प्रभावी पोर्टफोलियो डाइवर्सिफ़ायर के रूप में स्थापित करता है। एनपीएस पिछले दो दशकों से संचालित है और 177 बिलियन डॉन्लर के टैक्स-इफिशिएंट रिटायरमेंट फंड्स का प्रबंधन करता है। भारत दुनिया के शीर्ष सोने उपभोक्ताओं में है। ईटीएफ ने सोने और चांदी में निवेश को आधुनिक और सुरक्षित विकल्प बना दिया है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री नवंबर में 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । सोसायटी ऑफ़ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बताया कि नवंबर 2025 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 18.7 फीसदी बढ़कर 4,12,405 इकाइयों तक पहुंच गई। इसी तरह, दोपहिया वाहनों की बिक्री भी 21 फीसदी की वृद्धि के साथ 19,44,475 इकाइयों तक पहुंची। सियाम ने कहा कि त्योहारों के बाद भी मजबूत मांग ने इस वृद्धि में योगदान दिया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह उपभोक्ता विश्वास और वाहन बाजार की स्थिर रिकवरी का संकेत है।

नवंबर में रूसी तेल निर्यात में अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव से भारी गिरावट

- मॉस्को का राजस्व घटकर 11 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बताया कि अमेरिकी प्रतिबंधों और उनके संभावित प्रभावों के डर से नवंबर में रूसी तेल निर्यात में भारी गिरावट आई। कुल निर्यात लगभग 6.9 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गया, जो पिछले महीने की तुलना में 420,000 बैरल प्रति दिन कम है। इस गिरावट के चलते रूस का तेल राजस्व 11 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की तुलना में 3.6 अरब डॉलर कम है। रूस के यूराल कच्चे तेल की कीमतें 43.52 डॉलर प्रे ति बैरल तक गिर गईं, यानी 8.2 डॉलर प्रे ति बैरल की कमी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाए हैं, जैसे भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क, जिससे खरीदारों पर दबाव और बढ़ा। आईईए के अनुसार नवंबर में वैश्विक तेल आपूर्ति में 610,000 बैरल प्रति दिन की गिरावट दर्ज की गई। गिरावट में मुख्य योगदान ओपेक देशों (80 फीसदी) का रहा, जबकि अमेरिका, ब्राजील और जैव ईंधन उत्पादकों ने भी आपूर्ति कम करने में भूमिका निभाई। ईरान का उत्पादन 1.9 मिलियन बैरल प्रे ति दिन स्थिर रहा। आईईए ने भविष्यवाणी की है कि 2025 में वैश्विक तेल आपूर्ति 3 मिलियन बैरल प्रे ति दिन बढ़ेगी और 2026 में यह वृद्धि 2.4 मिलियन बैरल प्रे ति दिन होगी। 2026 में वैश्विक मांग 860,000 बैरल प्रे ति दिन रहने का अनुमान है। मांग में वृद्धि का आधा हिस्सा गैसोलीन और जेट या केरोसिन से आएगा, जबकि ईंधन तेल की मांग घटती रहेगी। रूसी तेल पर यूरोपीय संघ के आगामी प्रतिबंधों और रिफाइनरी ठप होने की वजह से उत्पाद क्रैक और रिफाइनिंग मार्जिन तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 449, निफ्टी 148 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार उछाल के साथ बंद हुआ था। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिना बाजार में ये तेजी एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 449.53 अंक बढ़कर 85,267.66 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 148.40 अंक उछलकर 26,046.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान धातु और संपत्ति शेयरों में तेजी से बाजार उछला।

निफ्टी मेटल 2.63 फीसदी और निफ्टी रियल्टी 1.53 फीसदी ऊपर आये। निफ्टी ऑटो 0.58 फीसदी , निफ्टी आईटी 0.47 फीसदी , निफ्टी एनर्जी 0.83 फीसदी , निफ्टी इन्फ्रा 1.18 फीसदी उछले। वहीं निफ्टी एफएमसीजी 0.24 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.05 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। बाजार में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों के कारण तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 705.25 अंक बढ़कर 60,283.30 और

निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 161.90 अंक उडलकर 17,389.15 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, टाइटन और टीसीएस के शेयरों को लाभ हुआ जबकि एचयूएल, सन फार्मा, आईटीसी, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा, इन्फोसिस और एसबीआई के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार की अच्छी शुरुआत रही। सेंसेक्स 85,051 अंकों पर मजबूती के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में इसमें तेजी जारी रही और 302.71 अंक की बढ़त के साथ 85,120.84 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 25,971 अंकों पर खुला। कुछ ही समय में यह 26,000 के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर गया।

एसआईपी के जरिए छोटी बचत से बड़े सपने पूरे करें

- 5,000 की एसआईपी करके 18 महीनों में बन जाएं लखपति

नई दिल्ली । आज के दौर में म्यूचुअल फंड में सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ने निवेशकों के लिए रास्ता आसान बना दिया है। एसआईपी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आप केवल 5,000 रुपए जैसी छोटी राशि से भी निवेश शुरू कर सकते हैं और लंबी अवधि में अच्छा-खासा फंड तैयार कर सकते हैं। जो लोग निवेश की शुरुआत करते हैं, उनका पहला लक्ष्य अक्सर लखपति बनना होता है। पारंपरिक निवेश के तरीकों की तुलना में एसआईपी में रिटर्न ज्यादा होने के कारण यह लक्ष्य जल्दी हासिल किया जा सकता है। उदाहरण के तौर पर, अगर आप हर महीने 5,000 निवेश करते हैं और अनुमानित सालाना रिटर्न 12 फीसदी रहता है, तो 18 महीनों में आपका कुल फंड लगभग 1 लाख रुपए तक पहुंच सकता है। हालांकि म्यूचुअल फंड का वास्तविक रिटर्न बाजार की चाल पर निर्भर करता है। इक्विटी फंड में रिटर्न अधिक होता है, लेकिन जोखिम भी ज्यादा होता है। कम जोखिम वाले फंड में रिटर्न थोड़ी कम होती है, इसलिए लक्ष्य समय के हिसाब से मासिक निवेश बढ़ाना पड़ सकता है। एसआईपी का असली फायदा तब दिखता है जब निवेशक धैर्य रखते हैं और लंबी अवधि तक निवेश जारी रखते हैं। नियमित मासिक निवेश और सही फंड चयन से छोटी बचत भी बड़ा फंड बना सकती है।

नवंबर में रूसी तेल निर्यात में अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव से भारी गिरावट

मॉस्को का राजस्व घटकर 11 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बताया कि अमेरिकी प्रतिबंधों और उनके संभावित प्रभावों के डर से नवंबर में रूसी तेल निर्यात में भारी गिरावट आई। कुल निर्यात लगभग 6.9 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गया, जो पिछले महीने की तुलना में 420,000 बैरल प्रति दिन कम है। इस गिरावट के चलते रूस का तेल राजस्व 11 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की तुलना में 3.6 अरब डॉलर कम है। रूस के यूराल कच्चे तेल की कीमतें 43.52 डॉलर प्रे ति बैरल तक गिर गईं, यानी 8.2 डॉलर प्रे ति बैरल की कमी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाए हैं, जैसे भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क, जिससे खरीदारों पर दबाव और बढ़ा। आईईए के अनुसार नवंबर में वैश्विक तेल आपूर्ति में 610,000 बैरल प्रति दिन की गिरावट दर्ज की गई। गिरावट में मुख्य योगदान ओपेक देशों (80 फीसदी) का रहा, जबकि अमेरिका, ब्राजील और जैव ईंधन उत्पादकों ने भी आपूर्ति कम करने में भूमिका निभाई। ईरान का उत्पादन 1.9 मिलियन बैरल प्रे ति दिन स्थिर रहा। आईईए ने भविष्यवाणी की है कि 2025 में वैश्विक तेल आपूर्ति 3 मिलियन बैरल प्रे ति दिन बढ़ेगी और 2026 में यह वृद्धि 2.4 मिलियन बैरल प्रे ति दिन होगी।

2026 में वैश्विक मांग 860,000 बैरल प्रे ति दिन रहने का अनुमान है। मांग में वृद्धि का आधा हिस्सा गैसोलीन और जेट या केरोसिन से आएगा, जबकि ईंधन तेल की मांग घटती रहेगी। रूसी तेल पर यूरोपीय संघ के आगामी प्रतिबंधों और रिफाइनरी ठप होने की वजह से उत्पाद क्रैक और रिफाइनिंग मार्जिन तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं।

डिजिटल अरेस्ट ठगी से लाखों परिवारों के जीवन में अंधकार

मनोज कुमार अग्रवाल

आपको बता दें कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर गंभीर चिंता जताते हुए सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह अन्य साइबर अपराधों की जांच बाद में करें, डिजिटल अरेस्ट की जांच को अपनी प्राथमिकता बनाए। कोर्ट ने केंद्रीय बैंक से पूछा है कि क्या एआई की मदद से साइबर ठगों के खाते फ्रीज हो सकते हैं? कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि यदि किसी गंभीर डिजिटल अपराध का दायरा भारत से बाहर को सीमा में हो तो वह इंटरपोल की मदद ले सकती है।

लाखों लोगों व परिवारों के जीवन भर की कमाई को डिजिटल अरेस्ट के जरिए लूट कर उनके जीवन में अंधेरा कर दिया गया। यह कैसी विडंबना है कि जब तक देश में कथित डिजिटल अरेस्ट के नाम पर अनुमानित तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक ठगी की जा चुकी है, कई लोग अपनी जान गवां चुके हैं, की साल से यह सिलसिला जारी है तब सरकार और जिम्मेदार सिस्टम की नींद खुली है और अपराधियों पर शिकंजा कसने की बड़ी मुहिम शुरू हो पा रही है। वह भी सरकार के बजाय शीर्ष अदालत की पहल पर।

इन दिनों देश में डिजिटल अरेस्ट के कई मामले लगातार सामने आ रहे हैं. सरकार के तमाम प्रयास के बावजूद डिजिटल अरेस्ट के कारण बुजुर्गों बड़ी संख्या में ठगी का शिकार हो रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डिजिटल अरेस्ट मामलों पर सुनवाई करते हुए सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि इस मामले में अदालत जरूरी निर्देश जारी करेगी. न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जयमाला बागची की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि हर हैरानी की बात है कि देश में पीड़ितों से लगभग 3000 करोड़ रुपये डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगे जा चुके हैं. यह सब हमारे देश में ही हो रहा है. अगर हम इस मामले में ठोस और सख्त आदेश नहीं देंगे तो समस्या और गंभीर हो जाएगी.

आपको बता दें कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर गंभीर चिंता जताते हुए सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह अन्य साइबर अपराधों की जांच बाद में करें, डिजिटल अरेस्ट की जांच को अपनी प्राथमिकता बनाए। कोर्ट ने केंद्रीय बैंक से पूछा है कि क्या एआई की मदद से साइबर ठगों के खाते फ्रीज हो सकते हैं? कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि यदि किसी गंभीर डिजिटल अपराध का दायरा भारत से बाहर को सीमा में हो तो वह इंटरपोल की मदद ले सकती है। दुखद है कि साइबर अरेस्ट के मामलों में सबसे अधिक निशाना बुजुर्गों को ही बनाया जाता है, जिन्हें डिजिटल लेन-देन को गंभीर जानकारी नहीं होती। बुजुर्गों को निशाना बनाने का यह प्रतिशत 78 से 82 फीसदी बताया जाता है। कई जगह यह प्रतिशत 99 फीसदी तक है। वहीं जनवरी से अप्रैल 2024 में साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट के 46 फीसदी मामलों के तार म्यांमार, कंबोडिया और लाओस जैसे दक्षिण पूर्व एशिया के देशों से जुड़े रहे हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में डिजिटल गिरफ्तारी साइबर अपराध के सबसे कुटिल रूप में बनकर उभरी है। यह अपराध न केवल देश की वित्तीय सुरक्षा और स्थिरता के लिये, बल्कि कानून प्रवर्तन तंत्र में जनता के विश्वास के लिये भी बड़ा खतरा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि इन घोटालों की देशव्यापी जांच सीबीआई को सौंपने का सर्वोच्य न्यायालय का निर्णय समय के अनुरूप सार्थक हस्तक्षेप है। इसी क्रम में कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में अपराधों की जांच के लिये सीबीआई को सहमति दें। दरअसल, न्यायालय ने इस हकीकत को स्वीकार किया है कि साइबर अपराधी राज्यों की सीमाओं का लाभ उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर टुकड़ों-टुकड़ों में जांच सीमा पार के साइबर अपराधियों के नेटवर्क को बढ़ावा देती है दरअसल, साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट के जरिये भोले-भाले लोगों व बुजुर्गों को निशाना बनाते हैं। वे कानून प्रवर्तन अधिकारी पुलिस और जज बनकर मोटी रकम देने के लिये उन्हें ब्लेकमेल और आतंकित करते हैं।हालांकि अदालत ने कहा कि इस मामले से निपटने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी हो गया है. सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि गृह मंत्रालय ने एक अलग यूनिट की स्थापना की है और इस मामले से निपटने के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बनाया जा रहा है. साथ ही डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए कई अन्य कदम उठाए गए हैं. डिजिटल अरेस्ट को लेकर हुई सुनवाई को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय और सीबीआई ने सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट सौंपी. केंद्र सरकार की ओर से पेश दलील के सुनने के बाद अदालत ने कहा कि मामला काफी गंभीर है और इस मामले में अदालत उचित आदेश पारित करेगी. मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी. गौरतलब है कि एक वरिष्ठ नागरिक दंपति ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट के पत्र लिखकर बताया था कि 1 से 16 सितंबर के बीच उनसे 1.5 करोड़ रुपए की ठगी सीबीआई, इंटेलिजेंस ब्यूरो तो कभी न्यायपालिका के अधिकारी बनकर की गयी. धोखेबाजों ने फोन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संपर्क किया और गिरफ्तारी का डर दिखाकर पैसे वसूलने का काम किया. इतना ही नहीं उन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश दिखाए. मामला सामने आने के बाद अंबाला में दो एफआईआर दर्ज की गयी. जांच में पाया गया कि वरिष्ठ नागरिकों को ठगी का शिकार बनाने के लिए संगठित गिरोह काम कर रहा है. अदालत ने 17 अक्टूबर को इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई शुरू की और केंद्र सरकार और सीबीआई से जवाब देने को कहा. अदालत ने इस मामले में अटार्नी जनरल से भी सुझाव लेने का आदेश दिया.

उल्लेखनीय है कि हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति से एक करोड़ रुपये कीठगी के बाद अदालत ने इस व्यापक समस्या का स्वतः संज्ञान लिया। उन्हें धमकाने के लिये सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेशों का इस्तेमाल किया गया। यह बेहद परेशान करने वाली स्थिति है कि साइबर अपराधी सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति लोगों के विश्वास को खतरे में डाल रहे हैं।तभी शीर्ष अदालत ने महसूस किया कि अब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा है, देश की केंद्रीय एजेंसी को इस मामले की तह तक तुरंत पहुंचना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट के मामलों में एफआईआर दर्ज करने और धोखाधड़ी से जुड़े बैंक खातों को फ्रीज करने की पूरी छूट दी गई है। साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत बैंक अधिकारियों की कथित मिलीभगत की जांच का अधिकार भी दिया गया। इसके अलावा दूरसंचार विभाग को भी सिम कार्ड के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिये कहा गया है। निश्चित रूप से कोर्ट की सार्थक पहल के बाद यदि ये सभी उपाय सिरे चढ़ते हैं तो इस गंभीर अपराध के खिलाफ एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया दे पाना संभव होगा। कोर्ट ने विश्वास जताया है कि केंद्रीय एजेंसी बिना किसी भय या पक्षपात के जिम्मेदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेगी। इसमें राज्य सरकारों की सक्रियता व सजगता भी सीबीआई को अपराध की तह तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकती है। यह भी जरूरी है कि एजेंसी की कार्रवाई में लालफीताशाही और राजनीतिक हस्तक्षेप न हो। इसके साथ ही नागरिकों को भी ऐसे अपराधों के प्रति सजग रहना होगा। जागरूकता सतर्कता उन्हें अपराधियों के चंगुल में फंसने से बचा सकती है। ऐसी किसी कॉल के आने पर उन्हें रुककर विचार करना चाहिए और हड़बड़ी में बैंक से जुड़ी कोई जानकारी देने से बचना चाहिए। ठग खुद को केंद्रीय एजेंसियों या पुलिस विभाग का अधिकारी बताकर पीड़ितों को फर्जी आरोपों में फंसाने की धमकी देते थे। इसके बाद डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर उनसे बैंक खातों से बड़ी रकम ट्रांसफर कराई जाती थी। साइबर सेल और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अब तक 35 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ये आरोपी गुजरात, उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से पकड़े गए हैं। राजनांदगांव की 79 वर्षीय शीला सुवाल को आरोपितों ने सीबीआई अधिकारी और जज बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से डराया। मनी लॉंडिंग केस में फांसाने की धमकी दी। निर्दोष साबित करने रकम जज के खाते में ट्रांसफर करने को कहा। महिला ने उगों के बताए गए विभिन्न खातों में 79,69,047 रुपये ट्रांसफर कर दिए। एक अन्य मामले में ठगों ने फारेक्स व ट्रेडिंग विशेषज्ञ बताकर व्यापारी को फर्जी ऑनलाइन ट्रेडिंग साइट का लिंक भेजा। पहले 15 हजार का छोटा मुनाफा देकर व्यापारी का विश्वास हासिल किया, फिर बड़े मुनाफे का लालच देकर 1,21,53,590 रुपये निवेश के नाम पर जमा कराए। दोनों मामलों में तीन आरापितों को पकड़ा गया है। पुलिस का कहना है कि अधिकांश मामलों में उप विदेशी कॉल सेंटरों की तरह काम करते हुए इंटरनेट कालिंग और फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करते थे। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी संदिग्ध काल या डिजिटल अरेस्ट जैसी धमकियों पर विश्वास न करें और तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन को देशभर से सामने आए डिजिटल अरेस्ट के मामलों की पैन इंडिया जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सीजेआई ने सभी राज्यों को डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच में सीबीआई की मदद करने के भी निर्देश दिए। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा- डिजिटल अरेस्ट तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम है। इसमें ठग खुद को पुलिस, कोर्ट या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो ऑडियो कॉल के जरिए पीड़ितों, खासकर सीनियर सिटिजन को धमकाते हैं और उनसे पैसे वसूलते हैं। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर पूछा कि साइबर ठगी में उपयोग हो रहे बैंक खातों को तुरंत ट्रैक और फ्रीज करने के लिए एआई और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा। इससे पहले 3 नवंबर की सुनवाई में एससी ने कहा था कि डिजिटल अरेस्ट मामलों में लगभग 3 का पता चला है।

अभी तक डिजिटल अरेस्ट कर कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है आज भी लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रहीं हैं जिनमे लोगों को मोबाइल काल पर तरह तरह से धमका कर पैसा ठगी किया जा रहा है लोग जीवन भर की खून पसीने की कमाई चंद मिनटों में गंवा कर सुसाइड करने के लिए विवश हो रहे हैं। सरकार को ऐसे अपरोक्ष हत्यारों ठगों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

भारत और रूस की दोस्ती असीमित

कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? उधर रूस और चीन के हित एक दूसरे के संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। नई दिल्ली आने से ठीक पहले व्लादीमीर पुतिन ने भारत- रूस के संबंध के बारे में अपना टेम्पलेट सामने रखा है। उन्होंने संदेश दिया कि वे भारत से वैसी ही 'असीमित दोस्तीइ चाहते हैं, जैसी उन्होंने चीन के स्थापित की है। पुतिन ने कहा- ह्यचीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हमने आर्थिक मुद्दों पर ठोस वार्ता कायम की है। भारत यात्रा के दौरान हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इन मुद्दों पर विस्तार से बातचीत करेंगे। इनमें रूसी बाजार में भारतीय उत्पादों का आयात बढ़ाना भी शामिल है।

यही संदेश देने के लिए क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भारतीय पत्रकारों से ऑनलाइन बातचीत की। उन्होंने कहा- 'हमारा चीन के साथ असीमित सहयोग बना है। भारत के बारे में भी हमारा वही रुख है। रूस वहां तक जाने को राजी है, जहां तक भारत तैयार हो। पेस्कोव ने संकेतों में यह भी कहा कि भारत को रूस से अपने संबंध तय करने में अमेरिकी हस्तक्षेप का ख्याल नहीं करना चाहिए। उन्होंने एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली और सुखोई-57 लड़ाकू विमान भारत को बेचने की पेशकश की। उम्मीद जताई भारत रूस से कच्चा तेल खरीदता रहेगा। मगर भारत में चिंता यह है कि ये रूसी मंशाएं पूरी हुईं, तो उसका खराब असर अमेरिका से रिश्तों पर पड़ेगा। फिर बढ़ते व्यापार घाटे की भारत की अपनी चिंताएं भी हैं।

भारत इस समय रूस को जितना निर्यात करता है, उससे लगभग 17 गुना ज्यादा आयात कर रहा है। इसके अलावा अप्रैल 2000 से सितंबर 2025 तक भारत में प्रत्यक्ष रूसी निवेश महज 1.33 बिलियन डॉलर का हुआ, जबकि रूस में 12.8 बिलियन डॉलर का भारतीय निवेश हुआ है। तो कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? दरअसल, रूस और चीन के हित संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। इस कारण भारत- चीन विवाद में रूस निष्पक्ष रुख लेने की स्थिति में नहीं रह गया है। ये सारे वो पेच हैं, जिन्हें खोले बिना भारत और रूस की दोस्ती शायद असीमित रूप ना ले पाए।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ा दरिद्र

सिंहगढ़ राज्य की सीमा के पास एक गांव सोनपुर में एक महात्मा अपने दो शिष्यों के साथ आ पहुंचे। वहां की शांति और हरियाली देख कुछ दिन वे वहीं ठहर गए। एक दिन महात्मा जी जब भिक्षा मांगने जा रहे थे, सड़क पर एक सिक्का दिखा, जिसे उठाकर उन्होंने झोली में रख लिया। दोनों शिष्य इससे हैरान थे। वे मन में सोच रहे थे कि काश सिक्का उन्हें मिलता, तो वे बाजार से मिठाई ले आते। महात्मा जी भांप गए। बोले-यह साधारण सिक्का नहीं है, मैं इसे किसी सुपात्र को दूंगा। पर कई दिन बीत जाने के बाद भी उन्होंने सिक्का किसी को नहीं दिया। एक दिन महात्मा जी को खबर मिली कि सिंहगढ़ के महाराज अपनी विशाल सेना के साथ उधर से गुजर रहे हैं। महात्मा जी ने शिष्यों से कहा, वत्स! सोनपुर छोड़ने की घड़ी आ गई। शिष्यों के साथ महात्मा जी चल पड़े। तभी राजा की सवारी आ गई। मंत्री ने राजा को बताया कि ये महात्मा जा रहे हैं। बड़े ज्ञानी हैं। राजा ने हाथी से उतर कर महात्मा जी को प्रणाम किया और कहा, कृपया मुझे आशीर्वाद दें। महात्मा जी ने झोले से सिक्का निकाला और राजा की हथेली पर उसे रखते हुए कहा, हे सिंहगढ़ नरेश, तुम्हारा राज्य धन-धान्य से संपन्न है। फिर भी तुम्हारे लालच का अंत नहीं है। तुम और पाने की लालसा में युद्ध करने जा रहे हो। मेरे विचार में तुम सबसे बड़े दरिद हो। इसलिए मैंने तुम्हें यह सिक्का दिया है। राजा इस बात का मतलब समझ गए। उन्होंने सेना को वापस चलने आदेश दिया।

पोक्सो मामलों की बढ़ती लंबितता भारत के समक्ष बढ़ता गंभीर संकट

कांतिलाल मांडोत

भारत एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और नैतिक मूल्यों वाला देश माना जाता है जहाँ बच्चों को देवतुल्य समझने की परंपरा रही है। किंतु यह अत्यंत पीड़ादायक सत्य है कि आज इसी देश में नाबालिगों के खिलाफ अपराधों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और उससे भी बड़ी चिंता का विषय यह है कि इन मामलों का निपटारा वर्षों तक अधर में लटका रहता है। पोक्सो यानी लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम का उद्देश्य बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, लेकिन वर्तमान स्थिति इसके ठीक विपरीत तस्वीर पेश करती है। आंकड़े बताते हैं कि देश में पोक्सो के 35 हजार से अधिक मामले वर्षों से लंबित चल रहे हैं और न्याय की प्रक्रिया पीड़ितों व उनके परिवारों के लिए एक असहनीय इंतजार बन गई है।2023 तक लंबित मामलों का जो विवरण सामने आया है, वह किसी भी समाज और शासन के लिए चिंता का गंभीर संकेत है। उत्तर प्रदेश में 10,556 मामले लंबित हैं जो देश में सबसे अधिक हैं। महाराष्ट्र 7,962 लंबित मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। तमिलनाडु में 1,910, मध्यप्रदेश में 1,736, छत्तीसगढ़ में 375 और राजस्थान में 224 मामले अभी भी न्याय की प्रतीक्षा में हैं। बिहार में 1,079, झारखंड में 415, पंजाब में 152, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश दोनों में 101, चंडीगढ़ में 16 और उत्तराखंड में 374 मामलों की लंबितता भी यही सिद्ध करती है कि न्यायिक प्रक्रिया के बोझ ने पीड़ितों के लिए न्याय की राह लंबी और कठिन बना दी है। यह स्थिति बताती है कि देश में पोक्सो कानून का उद्देश्य जितनी तेजी से पूरा होना चाहिए था, उससे बहुत दूर है।

केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनलाल मेघवाल ने बताया है कि देश में कुल 773 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट कार्यरत हैं जिनमें से 400 कोर्ट विशेष रूप से पोक्सो मामलों के लिए बनाए गए हैं। इन अदालतों ने अब तक 3.5 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया है जो निश्चित रूप से एक उपलब्धि है, लेकिन उसके बावजूद हजारों मामले अभी भी अधूरे पड़े हैं। यह दशार्ता है कि केवल अदालतों की संख्या बढ़ा देना समाधान नहीं है। न्याय प्रक्रिया में पुलिस, अभियोजन, मेडिकल रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच, गवाही और साक्ष्य संकलन जैसे कई चरण होते हैं और इनमें होने वाली देरी पोक्सो मामलों की लंबितता को बढ़ाती रहती है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार देश में हर तीन मिनट में एक बच्चा अपराध का शिकार बनता है और हर आठ मिनट में एक पोक्सो का मामला दर्ज होता है। इन आंकड़ों में बीते दो वर्षों के भीतर ही तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है जो सामाजिक व प्रशासनिक दोनों स्तरों पर चेतावनी का इशारा है। 2021 से 2025 के बीच कुल 1,31,692 पोक्सो मामले दर्ज किए गए। वहीं सबसे कम मामले मिजोरम, नागालैंड, लद्दाख और अंडमान निकोबार जैसे क्षेत्रों में सामने आए हैं।

एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि कई मामलों में अपराध की प्रकृति इतनी संवेदनशील होती है कि बच्चे मानसिक रूप से टूट जाते हैं। उदाहरण के तौर पर बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया जिसमें कहा गया कि किसी नाबालिग लड़की का हाथ पकड़ना और उसे पैसे देकर यौन संबंध का प्रस्ताव देना भी पोक्सो एक्ट के तहत दंडनीय अपराध है। यह फैसला यवतमाल जिले की घटना पर आया जिसमें एक 13 वर्षीय बच्ची से आरोपी ने दो बार यौन इरादे से संपर्क किया था। अदालत ने आरोपी को सश्रम कैद की सजा सुनाई। यह फैसला स्पष्ट करता है कि अदालतें कानून की भावना के अनुरूप सख्त दृष्टिकोण अपना रही हैं, लेकिन मामलों की संख्या में निरंतर वृद्धि और उनके निपटारे में देरी स्थिति को गंभीर बनाती जा रही है। लंबित मामलों का सबसे बड़ा कारण पुलिस जांच की धीमी गति, मेडिकल व फोरेंसिक रिपोर्ट में देर, गवाहों का न मिल पाना, पीड़ित परिवारों का दबाव में आ जाना और अदालतों में पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। कई बार परिवार सामाजिक भय के कारण बयान देने से पीछे हट जाते हैं। ग्रामीण इलाकों में यह समस्या और अधिक गंभीर होती है जहाँ पीड़ितों को न्याय पाने के लिए सामाजिक प्रताड़ना भी सहनी पड़ती है।

कर्ज, कर और कुशासन का त्रिकोण!

सोनम लववंशी

हिमाचल प्रदेश की राजनीति और प्रशासनिक दिशा जिस मोड़ पर खड़ी है, वहाँ पिछले तीन वर्षों की सरकारी कार्यशैली राज्य की पीढ़ियों पर गहरा असर छोड़ती दिखाई देती है। 11 दिसंबर 2025 को सुक्खू सरकार अपने तीन वर्ष पूरे कर रही है, किंतु इस दौरान एक पहले से संतुलित और स्थिर राज्य ऐसा ढलान महसूस कर रहा है जिसकी कल्पना भी हिमाचल जैसे शांत प्रदेश के लोगों ने न की थी। वित्तीय संकट, अव्यवस्थित नीतियाँ, ध्वस्त प्रशासनिक ढांचा, बढ़ती बेरोजगारी, आपदा प्रबंधन की विफलता और उद्योगों का पलायन। इन सभी ने मिलकर हलचल भरी स्थिति पैदा कर दी है जिस पर अब न केवल विपक्ष, बल्कि आम नागरिक भी गंभीर सवाल उठा रहे हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार बेरोजगारी दर 4.4 फीसदी तक पहुँच चुकी है, जबकि 15-29 आयु वर्ग में स्थिति भयावह दिखती है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सर्वेक्षण के मुताबिक राज्य का हर तीसरा युवा नौकरी से वंचित है। अप्रैल-जून 2025 की तिमाही मां युवा बेरोजगारी 29.6 प्रतिशत दर्ज की गई जो राष्ट्रीय औसत 14.6 प्रतिशत से दुगुनी रही। यह आँकड़ा सिर्फ बेरोजगारी नहीं दशार्ता, बल्कि यह उस टूटते विश्वास का दस्तावेज बनता जा रहा है जिसके सहारे युवाओं ने '5 लाख नौकरियों' जैसी घोषणाओं को एक उम्मीद की तरह स्वीकार किया था। राजनीतिक आश्वासन जितनी आसानी से दिए गए, उतनी ही तेजी से खोखले साबित हुए और अब इन्हें युवा पीढ़ी राजनीतिक भाषणों की एक औपचारिक रस्म के रूप में देखने लगी है।

दरअसल राज्य की औद्योगिक स्थिति भी लगातार कमजोर हो रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पिछले तीन वर्षों में बिजली दरों में तेज वृद्धि देखने को मिली। ऐसी फैक्ट्रियों का बिजली बिल जो पहले लगभग 25 लाख रुपये आता था, अब 50 लाख रुपये से भी ऊपर पहुँच गया है। ऊर्जा लागत में इस असंतुलन ने उद्योगपतियों का मनोबल तोड़ दिया है और वे क्रमशः अन्य राज्यों का रुख कर रहे हैं जहाँ नीतियाँ स्थिर और उद्योग-अनुकूल मानी जाती हैं। यह पलायन हिमाचल की अर्थव्यवस्था पर दोहरा प्रहार कर रहा है। रोजगार घट रहा है और राजस्व में गिरावट आ रही है। पर्यटन और कृषि पर अधिक निर्भर रह चुके हिमाचल ने बीते वर्षों में औद्योगिकीकरण की दिशा में एक स्थिर आधार बनाने की कोशिश की थी, किंतु वर्तमान परिस्थितियों ने उस बनती संरचना को लगभग ध्वस्त कर दिया है। वित्तीय अव्यवस्था का हाल यह है कि सरकार अपनी कर्ज सीमा पूरी कर चुकी है। वर्ष 2025 में पहले से लिए गए 7,200 करोड़ रुपए के भारी कर्ज के बाद और 350 करोड़ रुपए की माँग नई दिशा दिखाने के बजाय इस बात का प्रतीक बनती है कि विकास योजनाएँ ठप हैं और पूरा ढांचा कर्ज पर निर्भर होता जा रहा है। करोड़ों की पुनरावृत्ति जिस सहजता से हो रही है, उससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि सरकार के पास राजस्व बढ़ाने की ठोस रणनीति नहीं है। नीतिगत अनिर्णय ने राज्य की आर्थिक रीढ़ कमजोर कर दी है और जनता पर टैक्स बढ़ाकर बोझ डाला जा रहा है। दूध पर 0.10 पैसे का सेस, बिजली पर पर्यावरण सेस, डीजल की ऊँची कीमतें और 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना का समाप्त होना। इन सबने मध्यवर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है।

चुनावी वादों का हश्र भी जनता के सामने खुल चुका है। महिलाओं के लिए 1,500 रुपए मासिक भत्ता, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 5 लाख नौकरियों जैसे वादे अब तक लागू न हो सके। स्वयं सूबे की सरकार के मंत्रियों ने स्वीकार किया कि 'फंड उपलब्ध नहीं है,' जो यह दशार्ता है कि गारंटियाँ बिना वित्तीय विश्लेषण और बिना दीर्घकालिक योजना के घोषित की गई थीं। इस स्वीकारोक्ति के बाद हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार की राजनीतिक विश्वसनीयता को गंभीर चोट पहुँची है। इतना ही नहीं इन तीन वर्षों में अपराध और नशा तस्करी की स्थिति तेजी से बिगड़ी है। हिमाचल का शांत पहाड़ी क्षेत्र अब 'ड्रग कॉरिडोर' के रूप में चर्चा में आ रहा है। पिछले तीन वर्षों में 5,000 से अधिक नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनपीडीएस) के मामले दर्ज हुए, जबकि पूरे प्रदेश में केवल 5 नशामुक्ति केंद्र हैं। यह संख्या समस्या की गंभीरता की तुलना में अत्यंत कम है। नशे का विस्तार न केवल कानून व्यवस्था की कमजोरी दिखाता है, बल्कि यह युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य, सामाजिक ढाँचे और परिवारों की स्थिरता को गहरी क्षति पहुँचा रहा है। सूबे की आपदा प्रबंधन की स्थिति भी किसी परीक्षा में असफल छात्र जैसी दिखती है। 2025 में कमजोर पहाड़ियों पर अवैध निर्माण, न्यायालयों की चेतावनियों की अनदेखी और खराब प्रशासनिक योजना के कारण 300 से अधिक लोगों की जान गई और लगभग 2,600 करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ। केंद्र सरकार द्वारा जारी 2,006 करोड़ रुपए की राहत राशि का उपयोग भी सुस्त प्रशासनिक कार्रवाइयों के चलते प्रभावी ढंग से नहीं हो सका। राहत वितरण, पुनर्वास, सड़क और पुलों की मरम्मत, सब कुछ कागजी फाइलों तक सीमित रह गया और जनता अपनी पीड़ा में अकेली खड़ी रही।

इन सबके बीच राज्य का राजनीतिक नेतृत्व एक-दूसरे पर आरोप मढ़ने में व्यस्त रहा। इस टकराव ने प्रशासन में ठहराव पैदा किया, जिसके चलते सरकारी मशीनरी जमी हुई दिखी। एक मजबूत और स्थिर शासन मॉडल पर आधारित हिमाचल, जिसे कभी शांतिपूर्ण, स्वच्छ और व्यवस्थित प्रशासन के लिए जाना जाता था, आज देश के उन प्रदेशों की सूची में शामिल हो रहा है जो आर्थिक और प्रशासनिक अव्यवस्था से जूझ रहे हैं। इन तीन वर्षों की तुलना जब पूर्ववर्ती शासन से की जाती है, तो कई नागरिक खुलकर कहने लगे हैं कि राज्य बेहतर स्थिति में था। बुनियादी ढाँचे से लेकर वित्तीय अनुशासन तक, अनेक मोर्चों पर वह एक व्यवस्थित दिशा में बढ़ रहा था। आज की स्थिति में लोग यह महसूस कर रहे हैं कि घोषणाओं और वास्तविक क्रियान्वयन के बीच खाई बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश पिछले 11 वर्षों से विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। केंद्र का विकास-केन्द्रित दृष्टिकोण, युवा-उन्मुख कार्यक्रम और बुनियादी ढाँचे में तेज सुधार राष्ट्र को नई ऊँचाइयों की ओर ले जा रहे हैं। ऐसे समय में हिमाचल की वर्तमान अव्यवस्थित स्थिति और भी स्पष्ट रूप से सामने आती है क्योंकि राष्ट्रीय प्रगति के बीच राज्य पीछे जा रहा है।

हिमाचल के लोगों ने 2022 में विश्वास के साथ कांग्रेस की गारंटियों को स्वीकार किया था। उन्हें लगा था कि राज्य विकास, रोजगार और स्थिरता की नई दिशा पाएगा। तीन वर्षों की यह यात्रा अब उन्हें ऐसी वास्तविकता दिखा रही है जहां आर्थिक संकट, बढ़ती बेरोजगारी, अपराध, कर्ज और अव्यवस्था ने उम्मीदों को निचोड़ कर रख दिया है। फलस्वरूप हिमाचल आज देश के सबसे कमजोर और सबसे खराब तरीके से संचालित राज्यों की श्रेणी में गिना जा रहा है। राजनीति का अंतिम लक्ष्य जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति होता है। यदि शासन जनता के जीवन को सरल बनाने के बजाय बोझ बढ़ाए, वादों को अधूरा छोड़े, युवाओं को बेरोजगारी में धकेले और संसाधनों का दुरुपयोग करे, तो ऐसी सरकार जनता के लिए बोझ बन जाती है। हिमाचल के नागरिक आज उसी बोझ का अनुभव कर रहे हैं। इसके अलावा राज्य की वर्तमान स्थिति केवल राजनीतिक विफलताओं का दस्तावेज नहीं है, यह भविष्य के लिए चेतावनी है। ऐसे में समय आ गया है कि हिमाचल अपनी दिशा सुधारे, शासन सुधार की ओर लौटे और उन मूल्यों को पुनर्जीवित करे जिनकी वजह से यह प्रदेश हमेशा उच्च मानकों वाला माना जाता रहा है।

संक्षिप्त समाचार

रूसी विदेश मंत्री ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को सराहा

मास्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को भारत की स्वतंत्र और बहु-आयामी विदेश नीति की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, भारत वैश्विक मंच पर अपनी नीति स्वयं तय करने वाला देश है और सभी प्रमुख देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रख अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। रूस की संसद का उच्च सदन फेडरेशन काउंसिल को संबोधित करते हुए लावरोव ने कहा, वैश्विक दक्षिण के कई देश ऐसी नीति अपना रहे हैं और हमारे अच्छे मित्र भारत ने इसे बेहतरीन तरीके से लागू किया है। भारत सभी पक्षों के साथ संबंध रखता है और यह उसकी मजबूत, स्वतंत्र विदेश नीति का संकेत है। लावरोव ने कहा, रूस अपनी विदेश नीति का मुख्य उद्देश्य घरेलू विकास को बढ़ावा देना मानता है और यह लक्ष्य भारत की रणनीतिक सोच से मेल खाता है। उन्होंने बताया, दोनों देशों के उद्देश्यों व आकलनों की समानता हाल ही में राष्ट्रपति पुतिन की नई दिल्ली यात्रा के दौरान फिर स्पष्ट हुई। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक ले जाने के लिए व्यापक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम तैयार किया है।

ऑस्ट्रेलिया- हत्यारोपी भारतवंशी को 25 साल की जेल की सजा सुनाई गई

क्वींसलैंड , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के एक समुद्र तट पर 24 वर्षीय महिला की हत्या के आरोप में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 25 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। यह घटना 2018 में हुई थी। केर्न्स स्थित सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व नर्स राजविंदर सिंह (41) को टोया कॉर्डिंगली की हत्या का दोषी पाया। न्यायमूर्ति लिंकन क्रॉली ने कहा, सिंह का हत्या का मकसद अज्ञात था और इसे अवसरवादी हत्या करार दिया। सिंह ने यह हत्या उस वक्त की जब कॉर्डिंगली अपने कुत्ते को टहला रही थी। कॉर्डिंगली पोर्ट डगलस में एक स्वास्थ्य खाद्य और फार्मेसी स्टोर में काम करती थीं और एक पशु आश्रय में स्वयंसेवा भी करती थी। हत्या के बाद सिंह भारत भाग गया और ऑस्ट्रेलिया में अपनी पत्नी, बच्चों और माता-पिता को छोड़ गया। जज ने कहा, उसने अपनी पत्नी, माता-पिता और बच्चों को ठीक से बात किए बिना ही देश छोड़ दिया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उसकी एकमात्र चिंता अपने परिवार के लिए परिणामों की परवाह किए बिना अपनी जान बचाना थी।

थाईलैंड व कंबोडिया सीमा पर लड़ाई थमने के संकेत नहीं, लाखों विस्थापित

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर फिर से शुरू हुई लड़ाई थमने के बुधवार को भी कोई संकेत नहीं दिखे, बल्कि कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हन सेन ने भीषण युद्ध का संकल्प लिया। इस तनाव से दोनों देशों में लाखों विस्थापित लोग अस्थाई आश्रयों में शरण लेने के कारण दयनीय परिस्थितियों में आ गए हैं। थाई सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल सुरासंत कोंगसिरी ने बुधवार को बताया कि थाईलैंड के युद्ध प्रभावित क्षेत्रों से लगभग चार लाख लोगों को निकाला गया है और चार सीमावर्ती प्रांतों में लड़ाई जारी रहने के दौरान लगभग 700 स्कूल बंद कर दिए गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा, कंबोडिया ने भी 1.27 लाख से अधिक ग्रामीणों को निकाला है और सैकड़ों स्कूल बंद कर दिए हैं। थाईलैंड की सेना ने कहा, इस सप्ताह हताहतों में पांच सैनिक शामिल हैं। कंबोडिया में 7 लोग मरे और 20 अन्य घायल हुए हैं। हालांकि उसने बुधवार को आंकड़े अपडेट नहीं किए। इस बीच कंबोडिया ने थाईलैंड में मंगलवार से शुरू हुए 33वें दक्षिण पूर्व एशियाई खेलों से अपनी पूरी टीम को वापस बुला लिया है।

प्रतिनिधि सभा से रक्षा विधेयक पारित, सैनिकों का वेतन बढ़ाने और हथियार खरीद प्रक्रिया बदलने का प्रावधान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक अहम रक्षा नीति विधेयक को पारित किया। इस विधेयक में 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रमों को मंजूरी देने की बात कही गई है। इसमें सैनिकों की तनख्वाह बढ़ाने और रक्षा मंत्रालय द्वारा हथियारों की खरीद के तरीके में सुधार करने का प्रावधान शामिल है। यह बिल ऐसे समय में आया है, जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस (संसद) और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच सैन्य प्रबंधन को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं। इस विधेयक का नाम 'राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम' (एनडीएए) है। इस विधेयक को दोनों राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है और व्हाइट हाउस ने भी यह कहते हुए इसका मजबूती से समर्थन किया है कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के अनुरूप है। फिर भी इस तीन हजार से अधिक पन्नों वाले विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान भी हैं, जो रक्षा मंत्रालय पर नियंत्रण बढ़ाने के उद्देश्य से हैं। इनमें कैरिबिया में नावों पर हमलों पर अधिक जानकारी मांग, यूरोप में यूक्रेन जैसे सहयोगियों को समर्थन देने जैसे प्रावधान भी हैं।

नेपाल में संविधान संशोधन की तैयारी, चुनाव सुधारों के लिए सरकार और 'जेन-जी' में हुआ 10 सूत्रीय समझौता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम सरकार मौजूदा संविधान में संशोधन की दिशा में कदम उठाएगी। इन संशोधनों का मकसद आबादी के आधार पर पूरी तरह इसके अनुरूप और समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना व प्रमुख सरकारी पदों पर चुने गए अधिकारियों के लिए कार्यकाल की सीमा तय करना है। 'जेन-जी' प्रतिनिधियों और सरकार के बीच बुधवार रात को हुए 10 सूत्रीय समझौते के अनुसार एक उच्चस्तरीय संविधान संशोधन सिफारिश आयोग का गठन किया जाएगा, जिसमें संबंधित हितधारक, स्वतंत्र विशेषज्ञ और 'जेन-जी' प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस आयोग को प्रगतिशील संवैधानिक बदलावों के लिए सिफारिशों के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा जाएगा, जो 'जेन-जी' प्रदर्शनकारियों की आकांक्षाओं के अनुरूप होगी, जिन्होंने पिछली केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार को गिराया था। इसके बाद नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बनाई गई। आयोग किसी खास समुदाय की आबादी के आधार पर पूरी तरह से अनुरूप और समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए चुनावी प्रणाली में जरूरी सुधारों की सिफारिश करेगा। फिलहाल, नेपाल का संविधान प्रतिनिधि सभा और प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्यों को चुनने के लिए एक मिश्रित चुनावी प्रणाली (फर्स्ट पास्ट द पोस्ट) और आनुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) का

प्रावधान करता है। 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट' प्रणाली के तहत, 60 प्रतिशत प्रतिनिधियों को चुना जाता है, जबकि बाकी 40 प्रतिशत को आनुपातिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से चुना जाता है। समझौते के अनुसार आयोग राज्य के प्रमुख, तीनों स्तरों (संघीय, प्रांतीय और स्थानीय) के प्रमुखों और कार्यकारी निकायों के सदस्यों के लिए अधिकतम दो कार्यकाल (कुल 10 वर्ष से अधिक नहीं) की कार्यकाल सीमा की सिफारिश भी करेगा। फिलहाल कार्यकाल की सीमा सिर्फ राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और स्थानीय सरकारों के प्रमुखों पर लागू होती है। संघीय या प्रांतीय सरकारों के प्रमुखों के लिए कोई कार्यकाल सीमा नहीं है। बैठक में ये भी चर्चा हुई कि राजनीतिक नेता बार-बार सत्ता में आते रहे और कोई नतीजा नहीं दिया, जिसे 'म्यूजिकल चेयर्स' जैसा खेल बताया गया। इसी से नेपाली युवाओं में भारी असंतोष पैदा हुआ। यह गुस्सा इस साल सितंबर में हुए 'जेन-जी' प्रदर्शनों में स्पष्ट रूप से दिखा। 'जेन-जी' आंदोलन से पहले नेपाल में वर्षों तक नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के केपी शर्मा ओली और नई गठित नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' समेत शीर्ष नेताओं ने बार-बार सरकार की बागडोर संभाली। सितंबर में 'जेन-जी' प्रदर्शनकारियों के निशाने पर राजनीतिक दलों के कई नेता आए। प्रतिनिधि सभा आयोग, प्रांतीय सभा और स्थानीय स्तर के चुने हुए पदों के लिए उम्मीदवारी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष करने के प्रस्ताव का भी अध्ययन करेगी। अभी संघीय संसद और प्रांतीय सभाओं में चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 25 साल है, जबकि स्थानीय स्तर के चुने हुए पदों के लिए उम्र 21 साल है। राज्य निकायों में राजनीतिक वफादारी और आर्थिक हितों के आधार पर नियुक्तियों की बढ़ती प्रवृत्ति को देखते हुए आयोग ऐसी नियुक्तियों के लिए जिम्मेदार मौजूदा संरचनाओं में जरूरी सुधारों की जांच करेगा। जुलाई 2024 में केपी शर्मा ओली सरकार बनने पर उसके दो गठबंधन साझेदारों- नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (यूएमएल) ने राजनीतिक स्थिरता के लिए संविधान संशोधन का वादा किया था। दोनों पार्टियों के नेताओं ने यह राय व्यक्त की थी कि आनुपातिक चुनावी प्रणाली को खत्म कर देना चाहिए, ताकि एक ही पार्टी सरकार बनाने के लिए पर्याप्त सीटें हासिल कर सके। हालांकि सितंबर में 'जेन-जी' विरोध प्रदर्शनों के बाद उस सरकार के गिरने से पहले संविधान में संशोधन के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया था।

क्या फिर गृहयुद्ध की दल-दल में फंसा यमन? यूएई समर्थित एसटीसी ने तेल-समृद्ध इलाकों पर किया कब्जा

सना, एजेंसी। यमन में कई साल से चल रही अशांति बीच दक्षिणी हिस्से में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) समर्थित अलगाववादी संगठन सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) ने देश के तेल-समृद्ध इलाकों हदरामौत और महरा के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इससे अब तक बनी हुई हाल की शांति टूट गई है और क्षेत्र में नए तनाव बढ़ने लगे हैं। देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों से यमन में लड़ाई कुछ कम हो गई थी, क्योंकि सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच एक तरह का समझौता हो गया था। लेकिन एसटीसी की इस नई कार्रवाई से हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं।

एसटीसी दक्षिण यमन को अलग देश बनाने की मांग करने वाला बड़ा संगठन है। इसे यूएई का राजनीतिक और सैन्य समर्थन मिलता है। यह संगठन 2017 में बना था और दक्षिणी यमन के बड़े हिस्से में इसकी पकड़ मजबूत है। एसटीसी के प्रमुख ऐदारूस अल-जुबैदी देश की राष्ट्रपति परिषद के उपाध्यक्ष भी हैं।

अब समझिए कैसे शुरू हुआ यमन का संकट : बता दें कि 2014 में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को देश छोड़ना पड़ा। एक साल बाद 2015 में सऊदी अरब और यूएई इस युद्ध में सरकार की

मदद के लिए शामिल हुए। हालांकि तब से यमन दो हिस्सों में बंट चुका था। एक तरफ उत्तरी इलाके में हूतियों के कब्जें में और दूसरी ओर दक्षिणी हिस्से सरकार व उसके समर्थक समूहों के नियंत्रण में था।

तेल क्षेत्रों पर कब्जे से मामला कैसे बढ़ा : दरसअल इसी महीने एसचीसी ने अचानक हदरामौत में मार्च करते हुए बड़े तेल प्रतिष्ठानों पर कब्ज़ा कर लिया, जिनमें यमन की सबसे बड़ी तेल कंपनी पेट्रोमसीला भी शामिल है। इससे पहले सऊदी समर्थित स्थानीय कबीलों ने तेल राजस्व में हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग करते हुए इस इलाके पर कुछ समय के लिए कब्जा किया था।

ऐसे में एसटीसी ने इसी को मौका बनाकर अपनी ताकत बढ़ाई और इलाके पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। इसके बाद एसटीसी ने पड़ोसी प्रांत महरा में भी प्रवेश किया और ओमान सीमा पर स्थित एक महत्वपूर्ण चेकपोस्ट पर कब्जा कर लिया। अदन में उन्होंने राष्ट्रपति भवन पर भी नियंत्रण कर लिया, जहां सरकारी नेतृत्व बैठता है।

मोरक्को के एक शहर में दो इमारतें गिरीं, 22 की मौत; दरारों की अनदेखी बन गई मौत की वजह

रबात, एजेंसी। मोरक्को के ऐतिहासिक शहर फेज में बुधवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। पुराने इलाके में दो चार-मंजिला इमारतें अचानक ढह गईं, जिसमें कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। यह घटना उस क्षेत्र में हुई, जहां इमारतों के खराब हालात की शिकायतें पहले से थीं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई परिवार मलबे में दब गए। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, अल-मुस्तक़बल इलाके में स्थित दोनों इमारतों में आठ परिवार रहते थे। रात के समय ये इमारतें अचानक भरभराकर गिर पड़ीं। सरकारी एजेंसी के अनुसार, दोनों इमारतों में लंबे समय से दरारें थीं, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जैसे ही प्रशासन को घटना की जानकारी मिली, पुलिस, स्थानीय अधिकारी और सिविल प्रोटेक्शन टीमें मौके पर पहुंचीं और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। सरकारी मीडिया वेबसाइट एसएनआरटी ने बताया कि दोनों इमारतों में काफी समय से दरारें दिख रही थीं। लोगों ने इस बारे में चिंता भी जताई थी, लेकिन कोई प्रभावी उपाय नहीं किए गए। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि अचानक गिरने का कारण क्या था, लेकिन माना जा रहा है कि संरचनात्मक कमजोरी ही मुख्य वजह बनी। हालांकि अमर उजाला इसकी पुष्टि नहीं करता है। फेज मोरक्को का तीसरा सबसे बड़ा शहर और पुराना राजधानी शहर है, जिसकी स्थापना आठवीं सदी में हुई थी। कुछ समय पहले यह शहर सरकार के खिलाफ बढ़ते असंतोष के कारण सुर्खियों में रहा था। लोगों ने खराब जीवन स्तर, महंगाई और कमजोर सार्वजनिक सेवाओं के खिलाफ बड़े प्रदर्शन किए थे। यह गुस्सा इतना बढ़ गया था कि कुछ जगहों पर आंदोलन हिंसा में बदल गया। मोरक्को के बड़े शहर और आर्थिक केंद्र देश के उत्तर-पश्चिम हिस्से में हैं, जबकि बाकी इलाकों की अर्थव्यवस्था अब भी खेती, मछली पालन और पर्यटन पर निर्भर है। सरकार बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और वर्ल्ड कप 2030 से पहले स्टेडियम निर्माण पर जोर दे रही है। लेकिन इसी बीच ग्रामीण और छोटे शहरों में गरीबी और मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण लोगों में नाराजगी बढ़ी है।

डेमोक्रेट्स ने उठाए ट्रंप की नीतियों पर सवाल, चेताया- ज्यादा टैरिफ से भारत को खो देगा अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से जुड़े फैसलों को लेकर डेमोक्रेट्स ने उन्हें चेताया है। उनका कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ सिस्टम और नई दिल्ली के प्रति टकराव वाला रवैया सही नहीं है। यह अमेरिका के सबसे अहम साझेदारों में से एक को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकता है। हाउस फॉरेन अफेयर्स सब-कमेटी ऑन साउथ एंड सेंट्रल एशिया की यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप पर कांग्रेस की सुनवाई के दौरान डेमोक्रेटिक रैंकिंग मेंबर सिडनी कामलेगर-डोव ने ट्रंप पर दशकों की द्विदलीय प्रगति को खत्म करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बाइडेन प्रशासन ने ट्रंप को एक अच्छा द्विपक्षीय संबंध सौंपा था। इसमें एक फिर से सक्रिय क्वाड, एक उभरती हुई रक्षा तकनीक

साझेदारी और एक भरोसेमंद सप्लाई चेन पार्टनर का हवाला दिया गया था, लेकिन ट्रंप ने उसे पूरी तरह से बर्बाद कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इतिहास ट्रंप को कड़ा सबक सिखा सकता है, जब तक वह अपना रास्ता नहीं बदलते। ऐसी सूरत में ट्रंप वह अमेरिकी राष्ट्रपति होंगे, जिन्होंने भारत को खो दिया। डेमोक्रेट्स ने कहा, 'आप (ट्रंप) रणनीतिक साझेदारों को अपने दुश्मनों की गोद में धकेलकर नोबेल शांति पुरस्कार नहीं जीत सकते। मामला ट्रंप के 25 प्रतिशत 'लिबरेशन डे टैरिफ' का था। भारत के रूसी तेल के आयात से नाराज अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था और भारत पर टैरिफ का कुल 50 प्रतिशत बोझ आ गया। उन्होंने ट्रंप की नीति को आत्मघाती बताते हुए कहा कि भारत पर लगाया गया टैरिफ वर्तमान में चीन पर लगाए गए टैरिफ से अधिक है। डेमोक्रेट्स ने ट्रंप पर एच-1बी वीजा पर 100,000 डॉलर की फीस लगाकर लोगों के बीच संबंधों पर हमला करने का भी आरोप लगाया, जिसमें से 70 प्रतिशत भारतीयों के पास हैं। उन्होंने इसे यूएस में भारतीयों के अविश्वसनीय योगदान का अपमान बताया। भारत के प्रमुख थिंक टैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अमेरिकी सहयोगी ओआरएफ अमेरिका के ध्रुव जयशंकर ने कहा कि व्यापार वार्ता 13 फरवरी से पहले शुरू हुई थी और जुलाई तक, दोनों पक्ष एक समझौते के काफी करीब पहुंच गए थे। भारत सक्रिय रूप से मुक्त व्यापार सौदों पर काम कर रहा है और अगर वाशिंगटन में राजनीतिक इच्छाशक्ति है तो एक समाधान हाथ में है। यह भी चेतावनी दी गई कि टैरिफ की वजह से चीन का मुकाबला करने और सप्लाई चेन को स्थिर करने सहित जरूरी रणनीतिक प्राथमिकताओं पर खतरा मंडरा सकता है।

अंटार्कटिका के नीचे रोबोटिक मिशन ने गर्म धाराओं का रहस्य किया उजागर, वैश्विक जलवायु चिंताओं को बढ़ाया

अंटार्कटिका, एजेंसी। अंटार्कटिका की डॉटसन आइस शेल्फ के नीचे पहली बार किए गए रोबोटिक सर्वे ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया है कि गर्म और खारा गहरा समुद्री जल बर्फ के बिल्कुल निचले हिस्सों तक बिना किसी बड़े मिश्रण के क्षैतिज रूप से बहते हुए सीधे ग्राउंडिंग लाइन तक पहुंच रहा है। वह संवेदनशील इलाका है जहां ग्लेशियर समुद्र तल को छोड़कर तैरना शुरू करता है। यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के नेतृत्व में हुए इस अध्ययन ने पिघलन की वास्तविक प्रक्रिया को समझने की दिशा में बड़ा मोड़ दिया है और समुद्र-स्तर में भविष्य की वृद्धि के अनुमानों को लेकर वैज्ञानिक समुदाय को नए सिरे से सोचने पर मजबूर किया है। यूईए के वैज्ञानिकों ने 2022 में बोटी मैकबोटफेस नामक पानी के भीतर चलने वाले उन्नत स्वायत्त रोबोट की मदद से अमुंडसेन सागर में स्थित डॉटसन आइस शेल्फ के नीचे लगभग 100 किलोमीटर लंबा पहला गहन सर्वेक्षण संचालित किया। मिशन ने समुद्री तल से करीब 100 मीटर ऊपर रहकर तापमान, लवणता, ऑक्सीजन स्तर, धारा की रफ्तार और जल मिश्रण के आंकड़े जुटाए जो अब तक अंटार्कटिका की कठिन परिस्थितियों में लगभग असंभव माने जाते थे।डॉटसन विश्व के उन क्षेत्रों में गिना जाता है जहां ग्लेशियर सबसे तेजी से पिघल रहे हैं और समुद्र की गहराइयों से आने वाली गर्मी को इसका प्रमुख कारण बताया जाता है। लेकिन अब इस शोध ने दिखाया कि गर्मी किस तरह बर्फ के आधार तक पहुंचती है, यह हमारी कल्पना से कहीं ज्यादा जटिल है।

गर्म पानी ऊपर नहीं उठता, सीधे ग्राउंडिंग लाइन की ओर बहता है : सबसे बड़ा खुलासा यह है कि गर्म, गहरा और अधिक खारा पानी पारंपरिक धारणा के विपरीत ऊपर की ओर मिलकर पिघलन नहीं बढ़ाता, बल्कि क्षैतिज दिशा में तेजी से बहते हुए सीधे ग्राउंडिंग लाइन तक पहुंचता है। इसका मतलब है ग्लेशियर नीचे से अधिक पिघलते हैं। उनकी संरचना तेजी से कमजोर होती है तथा पीछे हटने की रफ्तार बढ़ती है और समुद्र में बर्फ का नुकसान कई गुना बढ़ता है। यह प्रक्रिया वैश्विक समुद्र-स्तर बढ़ोतरी में बड़ा योगदान देती है, क्योंकि अमुंडसेन सागर बेसिन में होने वाला बर्फ-नुकसान अकेले पृथ्वी के भविष्य का समुद्र-स्तर तय करने में निर्णायक भूमिका निभाता है। रोबोट ने 5-10 सेंटीमीटर प्रति सेकंड की समुद्री धारा दर्ज की। वैज्ञानिकों का अनुमान था कि तेज धारा ही पानी के मिश्रण को नियंत्रित करती है, लेकिन निष्कर्ष इसके बिल्कुल विपरीत निकले। समुद्र तल की ढलान कभी-कभी 45 डिग्री तक ही गर्म पानी को ऊपर धकेलने या नीचे रोके रहने का वास्तविक कारक है। जहां ढलान तीव्र है, वहां गर्म पानी कुछ ऊंचाई तक मिश्रित होता है।

चुनाव को लेकर ट्रंप ने फिर से जेलेंस्की को लताड़ा, यूक्रेनी राष्ट्रपति ने भी दिया जवाब

कीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति समझौते पर जेलेंस्की की असहमति के बाद ट्रंप ने एक बार फिर से कीव में चुनाव का मुद्दा उठाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के लोकतंत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि जेलेंस्की पद पर बने रहने के लिए युद्ध का बहाना बना रहे हैं... जेलेंस्की को युद्ध को लेकर यथार्थवादी होना होगा और सोचना होगा कि वह अगला चुनाव कब करवा रहे हैं। इससे पहले ट्रंप के इसी तरह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जेलेंस्की ने कहा था कि यदि सहयोगी देश युद्धकाल में सुरक्षित मतदान की गारंटी दें और यदि यूक्रेन के चुनावी कानून में संशोधन किया जा सके तो यूक्रेन तीन महीने के भीतर चुनाव करा सकता है। ट्रंप ने मीडिया से बात करते जेलेंस्की के ऊपर सत्ता से चिपके रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'वहाँ लंबे समय से चुनाव नहीं हुए हैं। आप जानते हैं, वे लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन एक समय ऐसा आता है जब यह लोकतंत्र नहीं रह जाता।' इस पर जेलेंस्की ने कहा ने कहा कि वह चुनाव के लिए तैयार हैं। लेकिन मतदान के लिए उन्हें यूरोप और अमेरिका की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन सुरक्षित होता है तो वह 60 से 90 दिनों के भीतर मतदान कराने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'चुनाव कराने के लिए दो मुद्दों पर ध्यान देना आवश्यक है जिनमें पहला है सुरक्षा- चुनाव कैसे कराए जाएं, हमलों और मिसाइल हमलों के बीच चुनाव कैसे कराए जाएं और दूसरा, हमारी सेना से संबंधित प्रश्न- वे कैसे मतदान करेंगे। और दूसरा मुद्दा चुनावों की वैधता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक विधायी ढांचा है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के सांसदों से ऐसे विधायी प्रस्ताव तैयार करने को कहा है जो यूक्रेन में मार्शल लॉ लागू होने के दौरान चुनाव कराने की अनुमति देने वाला हो। आपको बता दें, जेलेंस्की का कार्यकाल 2019 से शुरू हुआ था, जो कि अब समाप्त हो चुका है। हालांकि, युद्ध के चलते उनके कार्यकाल को लगातार बढ़ाया जाता रहा है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी जेलेंस्की के कार्यकाल संबंधी इस मुद्दे को कई बार उठा चुके हैं।

11 माह बाद सामने आई मारिया मचाडो, क्यों देश छोड़ने पर हुई मजबूर

ओस्लो, एजेंसी। वेनेजुएला की प्रमुख विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो करीब 11 महीने बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दीं। वह नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में एक होटल की बालकनी पर नजर आईं, जहां उनकी बेटी ने उनकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार किया। मचाडो होटल की बालकनी पर समर्थकों को हाथ हिलाकर अभिवादन करती दिखीं। इस दौरान बाहर लोग 'फ्रीडम, फ्रीडम' और 'धन्यवाद' के नारे लगा रहे थे। बाद में वह होटल से बाहर आकर समर्थकों से मिलीं, जहां उनके साथ परिवार और उनके करीबी सहयोगी भी थे।

क्यों छिपी हुई थी मचाडो : बता दें कि जनवरी 2024 में कराकास में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्हें थोड़ी देर के लिए हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उनकी सुरक्षा को खतरा होने के कारण वे छिपकर रह रही थीं। उनकी उम्मीद थी कि वे ख़ुद पुरस्कार लेने पहुंच पाएंगी, लेकिन वे समय पर नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने एक फोन कॉल में कहा कि कई लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी यात्रा को संभव बनाने की कोशिश की। उनकी बेटी एना कोरीना सोसा ने पुरस्कार लेते हुए कहा कि मेरी मां एक आजाद वेनेजुएला में जीना चाहती हैं और कभी हार नहीं मानेंगी।

माचाडो ने बनाई थी ये योजना : माचाडो ने पिछले साल मादुरो को चुनौती देने की योजना बनाई थी, लेकिन उन्हें चुनाव लड़ने से रोका गया। इसके कारण उन्होंने सेवानिवृत्त कूटनीतिज्ञ एडमंडो गोंजालेज का समर्थन किया। चुनाव से पहले और बाद में कई लोगों ने माचाडो का समर्थन इसलिए किया क्योंकि उन्होंने देश छोड़कर निर्वासन नहीं लिया।

वेनेजुएला के लोगों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं : वहीं माचाडो के विदेश जाने को लेकर वेनेजुएला में लोगों की प्रतिक्रिया मिली-ज़ुली रही। कैराकस की एक

कर्मचारी जोसफिना पाज ने कहा कि अगर उन्होंने देश छोड़ा है, तो ठीक है। इस महिला ने लोकतंत्र के लिए कई बलिदान दिए हैं। अब उन्हें अपने परिवार और बच्चों के पास जाना चाहिए और विदेश से संघर्ष जारी रखना चाहिए। वहीं, दुकानदार जोसे हर्टाडो ने उन्हें देशद्रोही कहा, क्योंकि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वेनेजुएला नीति का समर्थन करती हैं।

नोबेल समिति ने क्या कहा : वहीं नोबेल समिति के प्रमुख ने कहा कि मचाडो ने बहुत खतरनाक हालात के बावजूद ओस्लो आने की पूरी कोशिश की और वे सुरक्षित हैं। गौरतलब है कि वेनेजुएला लंबे समय से राजनीतिक संकट और दमन का सामना कर रहा है। मचाडो ने पिछले साल विपक्षी प्राइमरी जीती थी और राष्ट्रपति चुनाव लड़ना चाहती थीं, लेकिन मादुरो सरकार ने उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया। उनकी जगह विपक्ष ने एडमुडो गोंजालेज को उतारा, जिन्हें बाद में गिरफ्तारी वारंट के कारण स्पेन में शरण लेनी पड़ी। चुनाव से पहले और बाद में दमन, गिरफ्तारियों और मानवाधिकार उल्लंघनों की कई शिकायतें हुईं।

पुरस्कार समारोह में लैटिन अमेरिकी नेताओं की मौजूदगी : कार्यक्रम में अर्जेंटीना, इक्वाडोर, पनामा और पराग्वे के राष्ट्रपति भी मचाडो के समर्थन में पहुंचे। नोबेल समिति ने मचाडो को 'असाधारण साहस की मिसाल' बताया और कहा कि वेनेजुएला 'क्रूर निरंकुश शासन' में बदल चुका है।

मचाडो की बेटी ने बढ़कर सुनाया उनका संदेश : उनके भाषण को उनकी बेटी ने पढ़कर सुनाया। इसमें कहा गया कि यह सम्मान पूरे वेनेजुएला के लोगों का है, और वे जल्द ही अपने परिवार और देशवासियों से मिलने के लिए उत्सुक हैं। संदेश में यह कहा कि लोकतंत्र पाने के लिए हमें स्वतंत्रता के लिए लड़ने की हिम्मत रखनी होगी।

जानकारी

कमजोरी दूर करेगा यह प्रोटीन पाउडर

जानें घर पर प्रोटीन पाउडर बनाने का तरीका

आमतौर पर प्रोटीन पाउडर का इस्तेमाल जिम जाने वाले लोग और एथलीट्स ही ज्यादा करते हैं। इसका कारण ये है कि प्रोटीन मसल्स को बढ़ाते हैं और शरीर को गठीला बनाते हैं। मगर प्रोटीन की जरूरत तो हर किसी को होती है। सर्दी के मौसम में अगर आप रोजाना सुबह एक ग्लास दूध के साथ 2 चम्मच प्रोटीन पाउडर मिलाकर पीएं, तो आप दिनभर एनर्जी से भरे रहेंगे और आपकी सेहत भी दुरुस्त रहेगी। प्रोटीन हार्ट और लंग्स को भी स्वस्थ रखते हैं। इसके अलावा ये शरीर के पीएच स्तर को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। बाजार में उपलब्ध अधिकांश प्रोटीन पाउडर्स बहुत महंगे होते हैं और इनमें कई हानिकारक तत्वों के मिले होने के भी मामले पाए गए हैं। इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं घर पर ही अपने और परिवार के सभी सदस्यों के लिए टेस्टी, सुरक्षित, शाकाहारी और हेल्दी प्रोटीन पाउडर बनाने का आसान तरीका।

1 ग्लास दूध में 2 चम्मच मिलाकर पीने से मिलेगा कमजोरी से छुटकारा

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए जरूरी सामग्री

- प्रोटीन बेस
- पौधों और फलों से प्राप्त प्रोटीन वाले बीज
- एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स के लिए नट्स
- फ्लेवर के लिए आपका मनपसंद भारतीय मसाला
- प्रोटीन बेस

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए आपको सबसे पहले प्रोटीन बेस की जरूरत होगी, जो आपको लोकल मार्केट या ऑनलाइन स्टोर पर आसानी से मिल जाएगा। सबसे सेफ और नैचुरल प्रोटीन बेस वो होते हैं, जिन्हें पौधों से प्राप्त किया जाता है। इसके लिए आप 2 में से कोई एक प्रोटीन पाउडर बेस चुन सकते हैं-

स्पिरुलिना से बना प्रोटीन बेस: इसमें 2 चम्मच स्पिरुलिना पाउडर में 8 ग्राम

न्यूट्रीशनल यीस्ट प्रोटीन बेस: इसमें भी 2 चम्मच बेस में लगभग 8 ग्राम प्रोटीन होता है।

बेस के बाद अब आपको कुछ अन्य चीजें इसमें मिलानी हैं।

प्रोटीन से भरे बीज चुनें

बाजार में ऐसे ढेर सारे बीज उपलब्ध हैं, जिनमें प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है। प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए बीजों का इस्तेमाल करना बहुत अच्छा होता है। चूंकि बीज पौधों से प्राप्त होते हैं और पूरी तरह प्राकृतिक होते हैं, इसलिए ये पाउडर आपके घर के हर सदस्य के लिए सुरक्षित होता है। प्रोटीन पाउडर के लिए आप नीचे बताए गए बीजों में से 1 या 1 से ज्यादा बीज चुन सकते हैं। आमतौर पर 4-5 चम्मच बीज काफी होते हैं।

- सूरजमुखी के बीज
- चिया बीज
- अलसी का बीज
- कद्दू के बीज
- ब्राउन राइस पाउडर

नट्स से बढ़ाएं प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स की पावर

अपने प्रोटीन पाउडर को ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें नट्स को भी मिला सकते हैं। सभी नट्स जैसे- काजू, बादाम, अखरोट, पिस्ता, मूंगफली आदि में ढेर सारे एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स होते हैं, जो आपके शरीर को बीमारियों से बचाते हैं और हेल्दी रखते हैं। प्रोटीन पाउडर में आप अपने मनपसंद नट्स का पाउडर बनाकर मिला सकते हैं।

अपना मनपसंद फ्लेवर मिलाएं

प्रोटीन पाउडर को टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें अपना मनपसंद फ्लेवर भी मिला सकते हैं। मगर यहां अगर आप अच्छा और हेल्दी प्रोटीन पाउडर चाहते हैं तो आपको आर्टिफिशियल फ्लेवर नहीं, बल्कि घर पर ही मसालों और ड्राई फ्रूट्स से बने फ्लेवर्स मिलाने चाहिए, जैसे- तुलसी के सूखी पत्तियों का पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च का पाउडर, आर्गेनो पाउडर या हल्दी पाउडर आदि। ऊपर बताई गई सभी चीजों को मिलाएं और बस आपका प्रोटीन पाउडर तैयार है। इस प्रोटीन पाउडर को आप 3 साल के बच्चों से लेकर किसी भी उम्र तक के बुजुर्ग को दे सकते हैं। पौधों से प्राप्त चीजों से बना होने के कारण ये पूरी तरह सुरक्षित है।

डॉक्टर अक्सर कहते हैं कि बीमारियां उन लोगों को ज्यादा निशाना बनाती हैं, जिनकी रोगों से लड़ने की ताकत कमजोर होती है। विज्ञान की भाषा में इसे रोग प्रतिरोधक क्षमता घटना या इम्यून सिस्टम कमजोर होना कहते हैं। व्यक्ति ऊपर से तंदुरुस्त नजर आ सकता है, फिर भी उसकी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो सकती है। इसके उलट, किसी दुबले-पतले इन्सान का इम्यून सिस्टम मजबूत हो सकता है।

दरअसल, खून को शरीर में दौड़ाने वाली कोशिकाएं अन्य अंगों के साथ मिलकर बीमारियों से लड़ने की यह क्षमता (रोग प्रतिरोधक) हासिल करती हैं। शरीर में पैदा होने वाले कई हालात के साथ ही बाहरी कारण इस प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं। किसी बच्चे में जन्म से ऐसा हो सकता है या वो हवा-पानी (पर्यावरण) में पल-बढ़ रहा है, उसके बुरे असर के कारण भी ऐसा हो सकता है।

डॉ. आयुष पाण्डे के अनुसार, जिन बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है, वे बार-बार संक्रमण (इन्फेक्शन) का शिकार होते हैं और ये संक्रमण जल्दी दूर नहीं होते। यह रोगों से लड़ने की क्षमता ही है जिसके कारण कुछ बच्चों में सर्दी जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी दूर हो जाती हैं और कुछ बच्चों में, यहां तक कि बड़ों में भी, लंबे समय तक बनी रहती है।

इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ने के संकेत

- भूख न लगना, पेट में दर्द होना, ऐंठन, बार-बार दस्त आना
- बच्चों का सही शारीरिक विकास न हो पाना
- बच्चों का दिमाग न चलना
- शरीर में अंदरूनी सूजन
- एनीमिया यानी खून की कमी होना

रोगों से लड़ने की ताकत कम होने के कारण

- एचआईवी, जिस वायरस से एड्स होता है
- कुछ प्रकार के कैंसर
- कुपोषण यानी भोजन में पोषक तत्वों की कमी
- वायरल हेपेटाइटिस
- कभी-कभी दवाओं के असर से भी यह ताकत कम हो जाती है।

ऐसे बढ़ाई जा सकती है रोगों से लड़ने की ताकत

- इम्यून सिस्टम सर्दी और फ्लू का कारण बनने वाले वायरस से बचाव करता है। ये आठ कदम आपके इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। यह आपको उन वायरस से लड़ने के लिए तैयार करते हैं।
- खूब फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाइए।
- सप्ताह में जितने ज्यादा दिन हो सके, कम से कम 30 मिनट का कसरत करें।
- पर्याप्त नींद लें।
- जब-जब भी जरूरत हो, हाथ जरूर धोएं।
- टीकाकरण कराएं। छोटे बच्चों को हर साल फ्लू का टीका लगवाना चाहिए।
- अपना वजन कंट्रोल रखें।
- सिगरेट-शराब न पीएं।

भोजन की थाली में छुपी है अच्छी सेहत

इम्यून सिस्टम (रोगों से लड़ने की ताकत) मजबूत करने का सबसे अच्छा और प्राकृतिक स्रोत है भोजन। आपकी थाली में सब्जियां और फल ज्यादा होने चाहिए। भारत में सरकार ने अपने 'मायप्लेट' प्रोग्राम के तहत दिशा-निर्देश जारी किए हैं और बताया है कि भोजन की आदर्श थाली कैसी होती है।

शरीर में किसी तरह की कमजोरी या असहजता महसूस होती है तो डॉक्टर को बताना चाहिए और उनसे यह भी जानना चाहिए कि क्या मरीज वह भोजन कर रहा है जिसमें उसके लिए जरूरी विटामिन और खनिज हो। अधिक खुराक न लें। बहुत ज्यादा सोना बुरा हो सकता है।

तनाव कम करने की कोशिश करें

आज हर व्यक्ति को तरह-तरह के तनाव से जूझना पड़ रहा है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि इम्यून सिस्टम यानी रोगों से लड़ने की यही क्षमता तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। इसलिए तनाव कम लें, खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रखें।

तनाव दूर करने के लिए उठाएं ये कदम

- पर्याप्त नींद लें।
- खुद को रिलेक्स रखें यानी हर वक्त तनाव में न रहें। बीच-बीच में कुछ ऐसे काम करते रहें, जिसने सुकून महसूस हो जैसे कोई शॉर्ट फिल्म देखना या संगीत सुनना।
- व्यायाम जरूर करें।
- अपने लिए समय निकालें।
- उन लोगों से मिलते-जुलते रहें, जिन्हें आप अपनी समस्याएं बताते हैं और सही समाधान मिलता है।
- तनाव ज्यादा बढ़ जाए तो परेशान बने रहने के बजाए डॉक्टर से मिलें। काउंसिलिंग से कई तरह के तनाव दूर हो सकते हैं।

डॉ. गगन अग्रवाल बताते हैं कि जो मां अपने बच्चे को स्तनपान कराती है, उस बच्चे में रोगों से लड़ने की ताकत ज्यादा होती है। जिस घर में छोटे बच्चे हों, वहां साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखा जाना चाहिए। बच्चों को बाहर की चीजें खिलाने के बजाए घर की बनी पौष्टिक चीजें खिलाएं।

सेहत

87 प्रतिशत बच्चे बहुत ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं मोबाइल

आंखों पर पड़ रहा है असर

बच्चों में स्क्रीन का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। पर सबसे खतरनाक बात ये है कि हमारे नवजात शिशु भी कंप्यूटर और मोबाइल जैसे उपकरणों के आदी हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार, आज बच्चे टीवी देखने या कंप्यूटर और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करने में बहुत अधिक समय खर्च कर रहे हैं। ऐसा उन बच्चों में ज्यादा है, जो प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादा स्क्रीन से चिपकी रहती थीं। एक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 12 महीने की उम्र के बच्चे औसतन रोज 53 मिनट स्क्रीन पर खर्च कर रहे हैं, वहीं 3 साल की उम्र और इससे ज्यादा के बच्चे लगभग 150 मिनट से अधिक फोन और कंप्यूटर के इस्तेमाल पर खर्च कर रहे हैं। अध्ययन के अनुसार इस तरह इन बच्चों में आगे चलकर कुछ बड़ी बीमारियों के शिकार होने की संभावनाएं ज्यादा है। आइए जानते हैं इस अध्ययन के बारे में-

शोधकर्ताओं ने उल्लेख किया कि 8 वर्ष की आयु तक, बच्चों द्वारा किसी न किसी प्रकार के स्क्रीन पर समय बिताने की सबसे अधिक डाटा पाए गए हैं, जो इस बात का संकेत करते हैं कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संकट में है। अध्ययन में अमेरिका की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (NIH) की वरिष्ठ लेखिका एडविना येंग ने कहा, 'हमारे नतीजे बताते हैं कि स्क्रीन की आदतें जल्दी शुरू होती हैं।' अल्बनी और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगोन मेडिकल सेंटर के विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने, अपस्टैट किड्स स्टडी के आंकड़ों का विश्लेषण किया है, जो मूल रूप से बांझपन के उपचार के बाद विकसित बच्चों के विकास के क्रम की जांच करना था।

अनुसंधान में कदम

अध्ययन में हिस्सा लेने वाले लगभग 4,000 बच्चों की माताओं ने 12, 18, 24, 30 और 36 महीने की उम्र में अपने बच्चों की मीडिया की आदतों पर पूछे गए सवालों के जवाब दिए। उन्होंने इसी तरह के सवालों का जवाब दिया, जब बच्चे 7 और 8 साल के थे। अध्ययन ने जन्म के रिकॉर्ड और अन्य सर्वेक्षणों से माताओं और बच्चों पर अतिरिक्त जनसांख्यिकीय जानकारी संकलित की। वहीं इस शोध में अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजिटल मीडिया एक्सपोजर से बचने की सिफारिश की। जहां ये संस्था बताती है कि 18 से 24 महीने के बच्चों को धीरे-धीरे स्क्रीन मीडिया की आदत ज्यादा जल्दी लग रही है, वहीं 2 से 5 साल की उम्र के बच्चों के लिए दिन में एक घंटे स्क्रीन पर खेलने के समय को कम करने की कोशिश करनी होगी।

वर्तमान अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने पाया कि कुल मिलाकर 87 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं, जिनमें ये स्क्रीन का इस्तेमाल धीरे-धीरे बढ़ रहा है। हालांकि, जबकि स्क्रीनिंग समय 7 और 8 साल की उम्र तक के बच्चों में प्रति दिन 1.5 घंटे से कम है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह कमी स्कूल से संबंधित गतिविधियों के समय से संबंधित है। शोधकर्ताओं ने बच्चों को दो समूहों में वर्गीकृत किया जो इस बात पर आधारित था कि उनकी औसत दैनिक स्क्रीन का समय 1 वर्ष से 3 वर्ष की आयु तक बढ़ गया है।

पहला समूह, जिसमें 73 प्रतिशत बच्चे औसतन 51 मिनट एक दिन का स्क्रीन पर बिताते थे। वहीं दूसरे समूह, जिसमें 27 प्रतिशत बच्चे दिन में लगभग 4 घंटे स्क्रीन पर खर्च करते हैं। वहीं माता-पिता की शिक्षा के उच्च स्तर दूसरे समूह में शामिल किए जाने की कम बाधाओं से जुड़े थे। यानी जिन बच्चों के मां-बाप जितने ज्यादा पढ़े-लिखे थे उतना ही उनके बच्चे स्क्रीन डिवाइस का इस्तेमाल कर रहे थे। वहीं कम पढ़े-लिखे मां-बाप के बच्चे इसका इस्तेमाल कम कर रहे थे। वहीं शोधकर्ताओं की मानें, तो लड़कों की तुलना में लड़कियों में स्क्रीन पर बिताने का समय कम था। वहीं इस तरह इन बच्चों को देखते हुए शोधकर्ताओं का कहना है कि मां-बार ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों को स्क्रीन से दूर रखें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2675

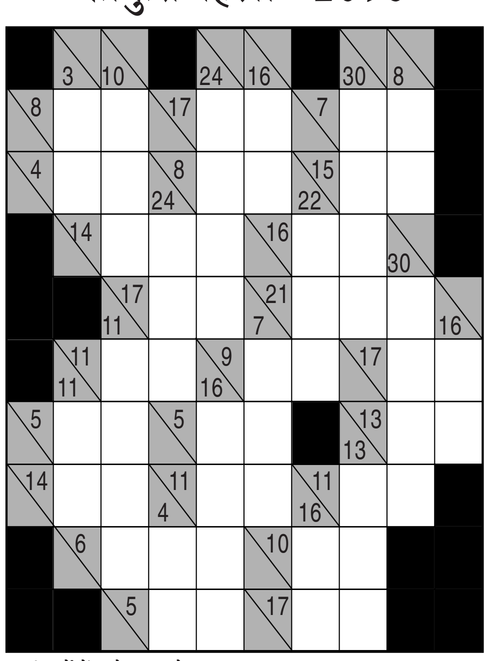

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

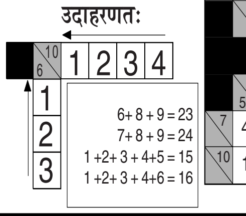

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2674 का हल

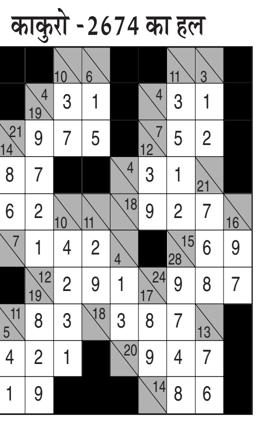

हंसी के फूव्वारें

एक कंजूस अपने खेत में जा रहा था. अचानक उसे कांटा चुभ गया. वह बड़ी बहादुरी से कांटा निकालते हुए बोला, 'ईश्वर तेरा लाख-लाख धन्यवाद है कि मैं जूते पहनकर नहीं आया वरना मेरे अच्छे जूते में सूराख हो जाता.'

एक किरायेदार ने मकान मालिक से शिकायत की कि 'जनाब ये आपका मकान कैसा है? दिन-रात चूहों की भागदौड़ देखने को मिलती है.'

मकान मालिक ने कहा- 'तो क्या आप दस रुपये में घुड़दौड़ देखना चाहते हैं?'

मालकिन: कितनी बार कहा है कि सुबह छह बजे दूध दिया करो.

दूधवाला: हम छह बजे दूध नहीं ला सकते. छह बजे नल में पानी भी नहीं आता.

एक साहब को खाने के बाद उंगलियां चाटने की आदत थी. एक बार एक दावत में उन्होंने उंगलियां चाटनी शुरू कर दीं, बाजू वाले साहब ने भी अपना हाथ आगे करके कहा- जरा इसे भी साफ कर दो.

जज जेबकतरे से- अच्छा बताओ तुमने भलाई का कोई काम किया?

जेबकतरे ने जवाब दिया- सर, हमीं लोगों के कारण पुलिस विभाग और अदालत में हजारों लोगों को राजी-रोटी का सहारा मिला है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2675

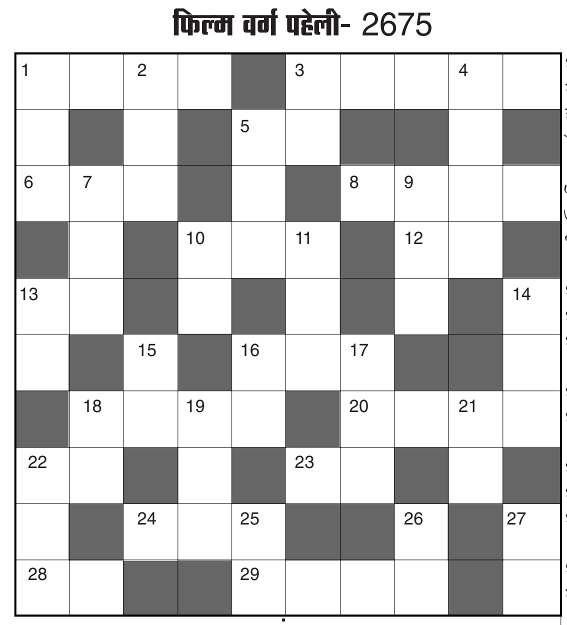

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2674

सूडोकु -2675

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2674 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 2675

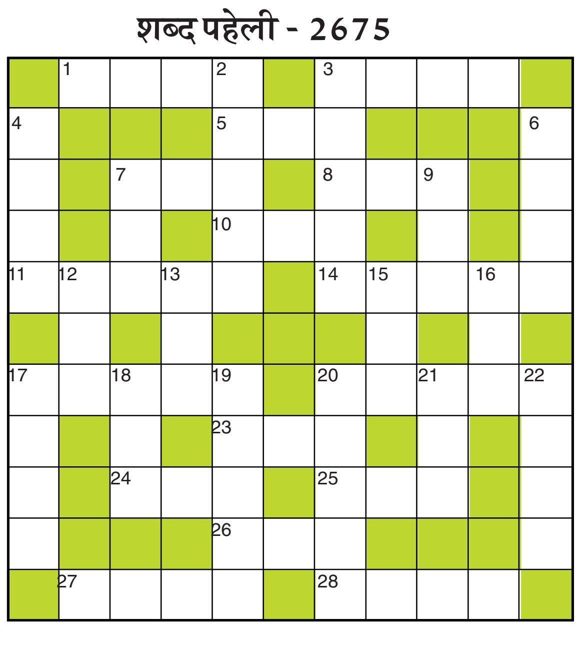

बाएँ से दाएँ

1. छुट्टी, रजा-4
3. वध, आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल, अनूठा-3
8. अनाथ, बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार, सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में, दौरान-3
24. खुश, आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना, परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2. मयखाना, मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना, वचन तोड़ना-4
7. फिजूल, व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह, भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग, गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश, मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 2674 का हल

योगी सरकार के नेतृत्व में लखनऊ में सर्वाधिक रूफटॉप सोलर किया गया स्थापित

एजेंसी
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (PMSGY) के तहत लखनऊ में अब तक 62,271 रूफटॉप सोलर (RTS) इंस्टॉलेशन पूरे हो चुके हैं। यह राज्य के किसी भी जिले से सबसे अधिक है। लखनऊ की इस अगुवाई ने पूरे उत्तर प्रदेश को 3 लाख से अधिक इंस्टॉलेशन के मुकाम छू लिया है, जो योगी सरकार की कुशल मॉनिटरिंग और जनकेंद्रित नीतियों का जीता-जागता प्रमाण है।

राजधानी बनी टॉपर: योगी सरकार के निर्देश पर लखनऊ जिला प्रशासन, यूपीनेडा और डिस्कॉम की टीम ने दिन-रात मेहनत कर 62,271 इंस्टॉलेशन पूरे किए। लखनऊ की यह सफलता अन्य जिलों के लिए प्रेरणा बन रही है और सौर ऊर्जा को घर-घर पहुंचाने में मील का पत्थर साबित हो रही है।

अन्य प्रमुख जिलों ने भी दिखाई ताकतः लखनऊ के बाद वाराणसी ने 26,208, कानपुर नगर ने 18,562, बरेली ने 12,952 और आगरा ने 11,033 इंस्टॉलेशन कर शानदार प्रदर्शन किया। प्रयागराज (9,719), रायबरेली (8,616), झांसी (7,674), बाराबंकी (6,477) और गोरखपुर (6,262) जैसे जिलों ने भी योगी सरकार की योजना को मजबूती प्रदान की। सभी 75 जिलों में क्ल नियुक्त कर और 23 जिलों की मासिक दर दोगुनी करने से समावेशी विकास सुनिश्चित हुआ।

दिसंबर के अंतिम सप्ताह में आईआईटी दिल्ली में लाइव शोकेस और मूल्यांकन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा : सिरसा

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अपने इनोवेशन चैलेंज को अगले महत्वपूर्ण चरण में ले जा रही है। दिसंबर के अंतिम सप्ताह में आईआईटी दिल्ली में लाइव शोकेस और मूल्यांकन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जहां देशभर से चुनी गई सर्वश्रेष्ठ टीमों को अपने समाधान जनता के सामने पेश करने का अवसर मिलेगा।यह कार्यक्रम इन्टरनल टेक्निकल इवैल्यूएशन कमेटी (आईटीईसी) द्वारा संचालित होगा। इस कमेटी में प्रमुख वैज्ञानिक, प्रोफेसर और पर्यावरण विशेषज्ञ शामिल हैं, जिनका लक्ष्य है ऐसी तकनीकों को पहचानना जो दिल्ली की हवा को साफ करने में व्यावहारिक, किफायती और तुरंत लागू की जा सकें। प्रारंभिक स्क्रीनिंग में करीब 300 एंट्रीज की गहन जांच हुई। अब उन बेहतरीन प्रविष्टियों को बैचवाइज आईटीईसी के सामने

लाइव पिच के लिए बुलाया जा रहा है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आज एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि यह वह चरण है 'जहां आइडिया को हकीकत में बदला जाएगा ', क्योंकि अब प्रतिभागियों को दिखाना होगा कि उनका मॉडल जमीन पर कैसे काम करेगा और पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) को कितनी प्रभावी तरह कम कर सकता है।

इनोवेशन चैलेंज दो मुख्य श्रेणियों पर केंद्रित है :

(A) बीएस-IV या इससे नीचे वाले वाहनों से निकलने वाले पीएम 2.5 और पीएम 10 को कम/कैप्चर करने वाली तकनीकें।

(B) वातावरण में मौजूद पीएम2.5 और पीएम10 को कम/कैप्चर करने वाले समाधान। हर चयनित प्रतिभागी को संरचित प्रस्तुति देनी होगी और अपना प्रोटोटाइप, डिवाइस या उपकरण के रूप में दिखाना होगा। सिरसा ने कहा कि सरकार केवल कागज पर बने मॉडल नहीं बल्कि जमीन पर असर दिखाने वाली तकनीकों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि हम वह समाधान चाहते हैं जो पायलट से आगे बढ़कर सीधे सड़क, डिपो या हॉटस्पॉट पर लग सकें और तुरंत परिणाम दें।

शोकेस का प्रारूप: आईआईटी दिल्ली का यह आयोजन 'ओपन-प्रेजेंटेशन फॉर्मेट' में होगा, जहां इनोवेटर्स विशेषज्ञों के सामने पिच करेंगे, तकनीकी सवालों के जवाब देंगे और तत्काल प्रतिक्रिया प्राप्त करेंगे। सत्र कई दिनों तक चलेंगे और कुल 3-4 राउंड होंगे। दर्शकों में सरकारी अधिकारी, डीपीसीसी टीमें, आईआईटी दिल्ली के छात्र-एलुमनाइ और आम नागरिक शामिल होंगे। सिरसा ने कहा कि लोगों को यह जानने का अधिकार है कि सरकार साफ-हवा तकनीकों पर फैसला कैसे लेती है, कौन-सी तकनीक चुनी जा रही है।

बेटियों की सुरक्षा को लेकर उठाया कदम, स्कूलों की छुट्टी के समय पुलिसकर्मियों की रहेगी तैनाती

एजेंसी
नई दिल्ली। पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र में बेटियों की सुरक्षा को नई मजबूती देने के लिए एक अहम पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई है। स्थानीय विधायक रविंद्र नेगी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देशन में तैयार की गई इस पहल के तहत स्कूलों की छुट्टी के समय अब पुलिसकर्मियों की मौजूदगी और पीसीआर वैन की नियमित तैनाती रहेगी। रविंद्र नेगी ने एक्स पोस्ट में कहा कि यह कदम उन हालात को और सुरक्षित बनाएगा जहां हमारी बेटियां निश्चिंत होकर घर लौट सकें। यह वही परंपरा है जिसे पीढ़ियां संभालती आई हैं। जहां समाज अपनी बेटियों को सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास का साथ देता है और आज हम उसे और मजबूत कर रहे हैं। इससे पहले विधायक ने पूर्वी स्कूल ब्लॉक मंडावली में सड़क और नाली निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस मौके पर निगम पार्षद शशि चांदना मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि यह निर्माण कार्य क्षेत्रवासियों के दैनिक जीवन में नई सुविधा, सुरक्षा और सुगमता लेकर आएगा।

किसान पाठशाला का शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। योगी सरकार 29 दिसंबर तक उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में किसान पाठशाला का आयोजन करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रबी मौसम की किसान पाठशाला का शुभारंभ पद्मश्री किसान रामशरण वर्मा के गांव दौलतपुर के खेत से करेंगे। मुख्यमंत्री प्रगति किसान सम्मेलन के जरिए किसानों से संवाद करेंगे। साथ ही प्रगतिशील किसानों का सम्मान और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी किसानों को चेक व स्वीकृति पत्र वितरित करेंगे। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख भी रहेंगे। सरकार 'किसान की बात किसान के द्वार' की संकल्पना पर किसानों को प्रोत्साहित करेगी। कृषि विभाग ने किसानों ने अनुरोध किया है कि अपने जनपद की किसान पाठशाला में प्रतिभाग कर योगी सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजना (60 प्रतिशत अनुदान पर सोलर पम्प, 40 से 50 प्रतिशत पर कृषि यंत्र आदि) के जरिए खेती की नई तकनीक, नवीन प्रजाति, पशुपालन, बागवानी, रेशम पालन एवं मधुमक्खी पालन की जानकारी प्राप्त कर कृषि उत्पादन एवं आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

माघ मेले के आयोजन के इतिहास में पहली बार जारी हुआ माघ मेले का प्रतीक चिन्ह, सीएम के स्तर पर किया गया जारी

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ-2025 के दिव्य और भव्य आयोजन के बाद अब उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अब माघ मेला-2026 को भी अभूतपूर्व स्वरूप देने की तैयारी में है । इसी क्रम में माघ मेले के दर्शन तत्व को उद्घाटित करता माघ मेले का प्रतीक चिन्ह जारी हुआ है। मुख्यमंत्री के स्तर से माघ मेले का यह लोगो जारी किया गया है।

माघ के माहात्म्य और ज्योतिषीय तत्वों का संयोजन

जारी किए गए लोगो में माघ मास में संगम किनारे जप,तप साधना और कल्पवास की महत्ता के साथ इस अवधि नक्षत्रों की अवस्थिति के आधार पर सप्त ऊर्जा चक्रों को स्थान दिया गया है। लोगो में अक्षय पुण्य का संचय साक्षी अक्षयवट, सूर्य देव और चंद्र देव की 27 नक्षत्रों के साथ की ब्रह्मांडीय यात्रा, श्री लेटे हुए हनुमान जी का दर्शन बोध कराता बड़े हनुमान जी का मंदिर, सनातन के विस्तार की प्रतीक सनातन पताका और संगम पर साइबेरियन पक्षियों की कलरव को ध्वनित करने वाला पर्यावरण बोध सभी का इसमें समावेश है। लोगो पर श्लोक 'माघे निमज्जनं यत्र पापं परिहरेत् ततः' माघ के महीने में स्नान करने से सभी पाप मुक्ति का शंखनाद कर रहा है।

अहमदाबाद कैंप में 195 लोगों को भारतीय नागरिकता दी गई

अहमदाबाद। अहमदाबाद जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक विशेष नागरिकता सर्टिफिकेशन कैंप में उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी और शहरी विकास राज्य मंत्री दर्शन वाघेला की मौजूदगी में 195 लोगों को भारतीय नागरिकता दी गई। कैंप में सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) के तहत एप्लिकेंट के साथ-साथ कलेक्टर ऑफिस में पहले से रजिस्टर्ड केस भी शामिल थे। वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए संघवी ने इमोशनल होकर लोगों का स्वागत किया और कहा, 'मुस्कुराइए! अब आप सब भारत के नागरिक हैं। इतनी बड़ी संख्या में लोगों को एक साथ सिटिजनशिप मिलना किसी दूसरे राज्य में बहुत कम देखने को मिलता है। ' उन्होंने कहा, 'बहुत सारे लोग जो सालों पहले बहुत तकलीफों के बाद भारत आए थे, उन्होंने चुपचाप हमारे देश की तरक्की में योगदान दिया है।

भाषा कोई बाधा नहीं, बल्कि सेतु है जो तमिलनाडु और काशी को एक परिवार की तरह जोड़ता है: जयंत चौधरी

एजेंसी
वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में चल रहे काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण में गुरूवार को केंद्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने भी भागीदारी की। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के पं. ओंकारनाथ ठाकुर ऑडिटोरियम में आयोजित शैक्षणिक सत्र में केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि हम भले अलग भाषाएँ बोलें और हमारे विचार भिन्न हों, परंतु हमारा साझा मूल्य-तंत्र और संविधान हमें एक सूत्र में बाँधता है। भाषा कोई बाधा नहीं, बल्कि वह सेतु है, जो तमिलनाडु और काशी को एक परिवार की तरह जोड़ती है। केन्द्रीय मंत्री ने काशी तमिल संगमम की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन देश की दो प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को अद्भुत रूप से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मंच है। केन्द्रीय मंत्री ने काशी नगरी के अध्यात्म और प्राचीनता का उल्लेख कर कहा कि कौन बनारस आना नहीं चाहता? यह शहर स्वयं लोगों को अपनी ओर खींच लेता है। उन्होंने बीएचयू को मात्र एक शिक्षण स्थल नहीं बल्कि एक सशक्त सामाजिक संस्थान बताया। मार्क ट्वेन के एक उद्धरण का जिक्र कर जयंत चौधरी ने कहा कि बनारस इतिहास, परंपराओं और किंवदंतियों से भी अधिक प्राचीन है। बदलते वैश्विक परिवेश का उल्लेख कर उन्होंने कहा

कि आज परिवर्तन की गति वर्षों में नहीं, बल्कि क्षणों में मापी जाती है। ऐसे समय में बीएचयू से यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स, नवीन शोध और पेटेंट जैसे उपलब्धियों की अपेक्षा स्वाभाविक है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी बहुभाषी, संवेदनशील और वैश्विक दृष्टिकोण रखने वाली है, और उन्होंने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय भाषाएँ सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। सत्र में बीएचयू कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि काशी और तमिलनाडु के बीच आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ज्ञानपरंपरा पर आधारित संबंध सदियों से स्थापित हैं। शैव-वैष्णव परंपराएं, मठ-पीठ, संत-विद्वान तथा तीर्थयात्राएं इन दोनों प्रदेशों को एक अदृश्य सेतु से जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि काशी तमिल संगमम कोई नया संबंध नहीं रचता, बल्कि एक प्राचीन बंधन को नई पीढ़ियों के लिए पुनर्जीवित करता है। उन्होंने बताया कि वाराणसी के विभिन्न विद्यालयों में लगभग 50 तमिल भाषा शिक्षक कार्यरत हैं, जो इस सांस्कृतिक आदान-प्रदान की जीवंत मिसाल है।

सत्र में बीएचयू प्रबंध शास्त्र संस्थान के निदेशक प्रो. आशीष बाजपेयी ने अतिथियों का स्वागत कर कहा कि काशी की प्रत्येक गली, घाट और शिखर में सदियों का ज्ञान, प्रेम और भक्ति गुंजित है, और आज यह पावन नगरी तमिलनाडु के प्रतिनिधियों का हृदय से स्वागत कर रही है। सत्र में तमिल पेशेवरों,शिल्पकारों के साथ उद्योग जगत के प्रतिभागियों ने भी पूरे उत्साह से भागीदारी की।

कोचीन शिपयार्ड में बना है भारत का पहला हाइड्रोजन चालित जलयान

एजेंसी
वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में देश की पहले हाइड्रोजन चालित जलयान गंगा नदी में गुरूवार से विधिवत चलने लगा है। इस जलयान को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में निर्मित किया गया है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार शहरी परिवहन के लिए डिज़ाइन की गई 24 मीटर लंबा यह कैटामरान वातानुकूलित केबिन में 50 यात्रियों को ले जा सकती है और 6.5 समुद्री मील की गति से चलती है। इसकी हाइब्रिड ऊर्जा प्रणाली में हाइड्रोजन ईंधन सेल, बैटरी और सौर ऊर्जा का संयोजन है, जिससे एक बार हाइड्रोजन भरने पर यह आठ घंटे तक चल सकती है। यह जलयान इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग द्वारा प्रमाणित है। हाइड्रोजन ईंधन चालित जलयान की वाणिज्यिक सेवा की शुरुआत स्वच्छ और अधिक टिकाऊ समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में भारत के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री सर्बानन्द सोनोवाल के नेतृत्व में, आईडब्ल्यूएआई मेरीटाइम इंडिया विजन 2030 और मेरीटाइम अमृत काल विजन 2047 के अंतर्गत उन्नत हरित प्रौद्योगिकियों और के लिए, आईडब्ल्यूएआई, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और इनलैंड एंड कोस्टल शिपिंग लिमिटेड ने तकनीकी सहायता, संचालन और निगरानी को रेखांकित करते हुए एक त्रिपक्षीय समझौता किया है। इस समझौते में

वैकल्पिक ईंधनों को अपनाने को बढ़ावा दे रहा है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के स्वामित्व वाला यह जलयान 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की केन्द्र सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है और भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों में स्वच्छ, टिकाऊ ईंधन को बढ़ावा देने के लिए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के प्रयासों का समर्थन करती है। पायलट जलयान एफसीवी पायलट-01 को चालू करने वित्तीय शर्तें, सुरक्षा प्रक्रियाएं, निगरानी तंत्र और पायलट चरण के दौरान आवधिक निरीक्षण के प्रावधान शामिल हैं। वाराणसी में शुरू हाइड्रोजन ईंधन चालित जलयान शहरी जल परिवहन को कई महत्वपूर्ण लाभ पहुंचाता है, जिनमें यात्रियों और तीर्थयात्रियों के लिए शोर-मुक्त यात्रा, केवल जल उत्सर्जन धुआं मुक्त, प्रदूषण मुक्त, और जलमार्गों के माध्यम से तेज आवागमन से सड़क पर भीड़भाड़ में कमी शामिल है।

टीईटी अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर प्राथमिक शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

एजेंसी
नई दिल्ली। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ (एआईपीटीएफ) ने जंतर-मंतर पर देशभर से आए हजारों शिक्षकों के साथ विशाल धरना प्रदर्शन कर केंद्र सरकार का ध्यान उनकी प्रमुख मांगों की ओर आकर्षित किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में आन्दोलन किया गया।

इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा अधिकार अधिनियम लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों पर टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) की अनिवार्यता थोपना अनुचित है। उन्होंने कहा कि सेवा में कार्यरत शिक्षकों से दोबारा पात्रता परीक्षा की मांग करना व्यावहारिक नहीं और इससे लाखों शिक्षक मानसिक तनाव में हैं। उच्चतम न्यायालय द्वारा मात्र पांच वर्ष सेवा शेष रहने वालों को

आंशिक छूट देने और पदोन्नति के लिए टीईटी अनिवार्य रखने पर भी उन्होंने आपत्ति जताई। विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारियों ने निर्णय की उन शर्तों पर भी आक्रोश जताया, जिनमें बाकी सभी कार्यरत शिक्षकों को दो वर्ष के भीतर टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया है और असफल रहने पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति की बात कही गई है। शिक्षकों का कहना है कि टीईटी एक भर्ती परीक्षा है, न कि कार्यरत शिक्षकों की पात्रता जांचने का आधार। शिक्षक नेताओं ने स्पष्ट कहा कि 23 अगस्त, 2010 के आरटीई नोटिफिकेशन से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की योग्यता नियुक्ति समय के नियमों के अनुरूप है, इसलिए टीईटी अनिवार्यता को तत्काल समाप्त किया जाए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामवतार पाण्डेय और घनश्याम प्रसाद यादव ने सरकार से हस्तक्षेप कर शिक्षा कानून में आवश्यक संशोधन करने की मांग दोहराई। अन्य नेताओं ने समान कार्य के लिए समान वेतन, पुरानी पेंशन बहाली, अनुबंध व संविदा शिक्षकों के नियमितीकरण तथा नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक-विरोधी प्रावधानों को हटाने की मांग की।

इस आंदोलन को रेलवे संगठनों ने भी खुल कर समर्थन किया। रेलवे कर्मचारी संघ के महासचिव शिव गोपाल मिश्र ने चेतावनी दी कि यदि शिक्षकों की मांगें नहीं मानी गईं तो रेलवे यूनियन भी कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन तेज करेगी। इस आंदोलन में देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए। इनमें प्रमुख रूप से एएफपीए अध्यक्ष सुधीर शर्मा, मिथलेश शर्मा, राष्ट्रीय सचिव मनोज कुमार, ठाकुरदास यादव, आलोक मिश्रा, डॉ. अनुज त्यागी, बिपिन दुबे, उज्ज्वल तिवारी सहित अन्य कई प्रतिनिधि और रेलवे कर्मचारी नेता भी मौजूद रहे।

'हमारा शौचालय, हमारा भविष्य' अभियान के दौरान एक लाख से अधिक शौचालयों की मरम्मत

एजेंसी
नई दिल्ली। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) और जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 19 नवंबर से 10 दिसंबर चलाए गए 'हमारा शौचालय, हमारा भविष्य' अभियान में एक लाख से अधिक व्यक्तिगत शौचालयों (आईएचएचएल) और 5,500 से ज्यादा सामुदायिक शौचालयों (सीएससी) की मरम्मत और सौंदर्यीकरण किया गया। इस अभियान में 33 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अनुसार, अभियान के दौरान सभी राज्यों में 49 हजार से अधिक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 32.70 लाख लोग शामिल हुए। इसमें तमिलनाडु और गुजरात राज्यों में सर्वाधिक लोग शामिल हुए। अभियान के दौरान 10,800 से अधिक सत्रों के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन और रेट्रोफिटिंग पर लोगों को जागरूक किया गया। इसके अलावा 9800 स्कूलों में सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 6.8 लाख विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अभियान के दौरान स्वच्छता और शौचालयों की देखभाल के प्रति जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए 5,600 चौपालें और 3,800 दीवार चित्रकला गतिविधियों का आयोजन किया गया।

बाबा लाट भैरव दरबार में तंत्र साधकों ने नवाया शीश, पौष कालाष्टमी पर अद्भुत तांत्रिक अनुष्ठान

एजेंसी
वाराणसी। कज्जाकपुरा स्थित अनादिकालेश्वर बाबा श्री लाट भैरव मंदिर में पौष कालाष्टमी के अवसर पर विशेष तांत्रिक अनुष्ठान एवं त्रिगुणात्मक श्रृंगार का आयोजन किया गया। काशी के न्यायाधीश माने जाने वाले बाबा लाट भैरव के दरबार में देशभर से आए प्रकांड तंत्र साधकों ने शीश नवाकर सतमर्यादा से युक्त साधना संपन्न की। सात्विक, राजसिक और तामसिक–तीनों विधियों द्वारा पूजन-अर्चन कर विश्व कल्याण की कामना की गई।

भूत, प्रेत, पिशाचादि के नायक माने जाने वाले और स्वयं भूतभावन भगवान शिव के प्रतिरूप बाबा कपाल भैरव के समक्ष पंचमकार पूजन विधिवत आयोजित किया गया।

तांत्रिक परंपराओं के अनुरूप शाम से यज्ञ वेदी पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियों का क्रम प्रारंभ हुआ, जो देर रात्रि तक चलता रहा। मंदिर प्रांगण भक्तों की जुटान और जयघोषों से देर रात तक गुलजार रहा।

बाबा लाट भैरव का दिव्य श्रृंगार और मुखौटे का अभिषेक

अनुष्ठान के दौरान बाबा के भव्य मुखौटे का स्नान, अभिषेक तथा वस्त्र-श्रृंगार किया गया। रजत मुंडमाला, काला गण्डा, नवीन वस्त्र तथा गेंदा, गुलाब सहित विभिन्न पुष्पमालाओं से बाबा को अलंकृत किया गया। गर्भगृह में अष्ट भैरव, माता काली और प्रथम पूज्य देव गणेश की प्रतिमाओं का भी विशेष श्रृंगार किया गया, जिसने मंदिर परिसर की दिव्यता को और प्रखर बना दिया।

तांत्रिक साधना ने बढ़ाई गरिमा, बटुक भैरव महंत ने की साधना

परंपरागत रूप से बटुक भैरव के महंत राकेश पुरी ने बाबा के समक्ष तंत्रोक्त पूजन-विधान किया और विश्व शांति की कामना की। काशी के प्रसिद्ध तंत्र साधकों की उपस्थिति ने अनुष्ठान की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक ऊंचा किया। साधकों के मंत्रोच्चार, ध्यान और साधना से पूरा वातावरण तांत्रिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा।

चूड़ा-मटर और गाजर हलवा का भोग, हजार दीपों से मध्यरात्रि की आरती

अनुष्ठान में बाबा को मौसमी व्यंजनों–चूड़ा-मटर और गाजर के हलवे–का भोग लगाया गया। भोग के उपरांत भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। मध्यरात्रि में हजारों दीपों की लौ से भव्य आरती संपन्न हुई, जिसने मंदिर परिसर को स्वर्गिक प्रकाश से आलोकित कर दिया। भक्तों की जय-जयकार से पूरा प्रांगण गुंजायमान हो उठा।

अनुष्ठान में सम्मिलित रहे पदाधिकारी एवं श्रद्धालु

अनुष्ठान के मुख्य यजमान हैदराबाद के ध्रुपद रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री कपाल भैरव अथवा लाट भैरव प्रबंध समिति द्वारा किया गया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष रोहित जायसवाल (पार्षद), उपाध्यक्ष बसंत सिंह राठौर, मंत्री मुन्ना लाल यादव, विक्रम सिंह राठौर, मीडिया प्रभारी शिवम अग्रहरि सहित नंदलाल प्रजापति, बच्चेलाल, आशीष कुशवाहा, निक्की जायसवाल, हिमांशु, सुशील, धीरज आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ आएंगे

एजेंसी
रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। वे कल रात करीब 10 बजे रायपुर के माना एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां से सीधे एक निजी रिसॉर्ट के लिए रवाना होंगे और वहीं रात्रि विश्राम करेंगे। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री शनिवार को दोपहर 1:30 बजे माना एयरपोर्ट से जगदलपुर के लिए उड़ान भरेंगे। अमित शाह दोपहर 2:45 बजे जगदलपुर पहुंचेंगे और 2:45 से 4:45 बजे तक बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वे जगदलपुर से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

लोकसभा में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' विधेयकों की जांच कर रही समिति का कार्यकाल बढ़ाया गया

एजेंसी
नई दिल्ली । लोकसभा ने उस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के कार्यकाल को बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जो लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों को एक साथ आयोजित करने से जुड़े विधेयकों की जांच कर रही है। जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने संविधान के 129वें संशोधन विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की जांच अवधि को 2026 के बजट सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक बढ़ाने का प्रस्ताव सदन में रखा। लोकसभा ने इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। पिछले वर्ष दिसंबर में गठित इस समिति ने अब तक कई दौर की बैठकों में संवैधानिक विशेषज्ञों, अर्थशास्त्रियों और विधि आयोग के अध्यक्ष दिनेश महेश्वरी सहित कई विशेषज्ञों से सुझाव लिए हैं।

पीपी चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में भाजपा सांसद संबित पात्रा, अनुराग ठाकुर, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी, सुखदेव भगत, और समाजवादी

पार्टी सांसद धर्मेंद्र यादव शामिल हुए। इस बैठक में राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने भी समिति के सामने अपनी राय रखी। सिब्बल ने कथित तौर पर 'वन नेशन, वन इलेक्शन' प्रणाली का विरोध किया और कहा कि यह मॉडल संविधान की मूल संरचना को प्रभावित करेगा, संघीय ढांचे को कमजोर करेगा और राज्यों के अधिकारों का हनन कर सकता है। क्योंकि संसदीय समिति की कार्यवाही गोपनीय होती है, इसलिए बैठक में हुई चर्चाओं का विस्तृत विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया।

पीपी चौधरी ने बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सिब्बल ने कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब दिए और बहुत रचनात्मक चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि समिति की अगली बैठक 17 दिसंबर को होगी।

चौधरी ने कहा, 'यह एक बड़ा चुनाव सुधार है। वन नेशन, वन इलेक्शन पर सभी हितधारकों को सुनना जरूरी है। समिति का हर सदस्य देशहित में काम कर रहा है। 'दोनों विधेयक, जिन्हें केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिसंबर 2024 में पेश किया था, बाद में संसदीय समिति को भेज दिए गए थे। इनका मुख्य उद्देश्य लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव चक्र को एकसाथ लाना है। इसके लिए उन विधानसभा कार्यकालों को छोटा किया जा सकता है जो एक विशेष लोकसभा अवधि के बाद चुनी जाती हैं ताकि दोनों का कार्यकाल एक साथ समाप्त हो सके।

आईआईटी खड़गपुर के बुधादित्य मुखर्जी को मिला ईएमबीओ वैश्विक अन्वेषक सम्मान

एजेंसी
खड़गपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय (एसएमएसटी) के वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. बुधादित्य मुखर्जी को यूरोपीय आणविक जीव विज्ञान संगठन (ईएमबीओ) ने वैश्विक अन्वेषक (ग्लोबल इन्वेस्टिगेटर) के रूप में चुना है। विश्व के विभिन्न देशों से चुने गए 12 प्रमुख वैज्ञानिकों में डॉ. मुखर्जी का चयन भारत के जीवन-विज्ञान अनुसंधान की अंतरराष्ट्रीय पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करता है। औषधीय दबाव संक्रमित मेजबान में लीशमेनिया की अनुकूलन क्षमता को बढ़ाता है और उसके संक्रमण-रुझान को बदलता है – यह स्पष्ट करता है कि किस प्रकार दवाओं का दबाव लीशमेनिया परजीवी की क्षमता, स्वरूप और संक्रमण की दिशा को प्रभावित करता है। यह अध्ययन औषधि-प्रतिरोध तथा रोगजनक - मेजबान अंतःक्रिया की वैज्ञानिक समझ

को और गहराई प्रदान करेगा।

ईएमबीओ वैश्विक अन्वेषक तंत्र विश्व भर में उभरते हुए उत्कृष्ट शोध-नेताओं को सम्मानित करने वाला प्रतिष्ठित मंच है। इस वर्ष चिली, भारत, नाइजीरिया, सिंगापुर और ताइवान के वैज्ञानिकों का चयन किया गया है, जिनके शोध क्षेत्र कृषि में सूखा-सहिष्णुता से लेकर समुद्री जीव शैल-कोरल (स्टोनी कोरल) के जीन नियमन तक फैले हैं। वैश्विक अन्वेषक के रूप में डॉ. मुखर्जी को विश्व के 800 से अधिक प्रमुख वैज्ञानिकों के अंतरराष्ट्रीय सहयोग तंत्र, संस्थानों के बीच संयुक्त कार्यक्रमों, प्रशिक्षण अवसरों और शोध यात्राओं के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता का लाभ मिलेगा। ईएमबीओ की निदेशक फियोना वॉट के अनुसार, चयनित वैज्ञानिकों की नवोन्मेषी दृष्टि वैश्विक जीवन-विज्ञान समुदाय को नई ऊर्जा प्रदान करेगी। आईआईटी खड़गपुर के निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती ने कहा कि डॉ. बुधादित्य मुखर्जी का ईएमबीओ वैश्विक अन्वेषक के रूप में चयन संस्थान के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। संक्रामक रोग जीवविज्ञान के क्षेत्र में उनका अभिनव कार्य वैश्विक वैज्ञानिक प्राथमिकताओं के अनुरूप है। मुझे विश्वास है कि उनका शोध भारत की अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक उपस्थिति को और सुदृढ़ करेगा।

अंडर 19 एशिया कप में रविवार को होगा भारत-पाकिस्तान मुकाबला

वैभव पर रहेंगी नजरें, हाथ नहीं मिलने को लेकर जारी गतिरोध टूटेगा !

दुबई (एजेंसी)। अंडर 19 एशिया कप क्रिकेट में रविवार को होने वाली भारत और पाकिस्तान मैच को लेकर प्रशंसकों में उत्साह चरम पर है। इस मैच में सभी की नजरें वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव ने जिस प्रकार यूएई के खिलाफ मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी की है। उससे तय है कि वह पाक के खिलाफ भी उसी अंदाज में उतरेंगे। विश्वकप में ये देखना होगा कि भारतीय टीम के खिलाड़ी पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाते हैं या नहीं।

माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टीम का इस मैच में हाथ मिलाने से नहीं रोकेगी। इसका कारण है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अंडर-19 स्तर पर खेलभावना को मजबूत करने पर उसका ध्यान रहेगा।

वहीं आईसीसी ने कहा है कि अगर भारतीय खिलाड़ी हाथ नहीं मिलाते, तो इसकी जानकारी पहले से मैच रेफरी को देनी होगी।

आईसीसी का प्रयास है कि जूनियर क्रिकेट में सही संदेश जाए और किसी प्रकार का विवाद खड़ा ना हो। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें, ग्रुप एक से सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि अन्य टीमें मलेशिया और काफी कमजोर हैं। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि वैभव सूर्यवंशी अच्छी फॉर्म में हैं। वहीं कप्तान आयुष म्हात्रे ने हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था। म्हात्रे ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। वहीं वैभव ने सबसे कम उम्र में शतक लगाया था। इस प्रकार के इनके प्रदर्शन को देखते हुए माना जा रहा है कि भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

अंडर-19 एशिया कप की टीमें

ग्रुप एः भारत, पाकिस्तान, मलेशिया, यूएई

ग्रुप बीः बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, नेपाल

भारतीय टीमः आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उप-कप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह (फिटनेस के अधीन), उधव मोहन और एरॉन जॉज.'

स्टैंडबाय खिलाड़ीः राहुल कुमार, जे हेमचूडेशन, बीके किशोर और आदित्य रावत।

मुश्ताक अली ट्रॉफी : नीतीश की हैट्रिक बेकार गयी, मध्य प्रदेश ने आंध्र को हराया

पुणे (एजेंसी)। मध्य प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग स्टेज के अपने पहले मैच में आंध्र प्रदेश को चार विकेट से हरा दिया। इस मैच में आंध्र के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने हैट्रिक लगायी पर इसके बाद भी वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। मध्य प्रदेश ने इस मैच में खराब शुरुआत से उबरकर 113 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। रेड्डी ने तीसरे ओवर में हर्ष गवली, हरप्रीत भाटिया और रजत पाटीदार के विकेट लिए।

वेंकटेश अय्यर के आउट होने के तुरंत बाद मध्य प्रदेश का स्कोर चार विकेट पर 37 रन हो गया। ऐसे में आंध्र की जीत की उम्मीदें बनीं पर ऋषभ चौहान और राहुल बाथम ने पांचवें विकेट के लिए 73 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को संभाल लिया। चौहान ने 43 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 47 रन बनाए जबकि बाथम 32 गेंदों पर 35 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे मध्य प्रदेश ने 15 गेंद बाकी रहते जीत हासिल करने के साथ ही चार जरूरी अंक प्राप्त किये।

वहीं इससे पहले रेड्डी ने विकेटकीपर-बल्लेबाज केएस भरत के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन बनाये। भरत ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए जिससे आंध्र की टीम 19.1 ओवर में 112 रन तक पहुंची। मध्य प्रदेश की ओर से शिवम शुक्ला ने 4 जबकि त्रिपुरेश सिंह ने 3 विकेट लिए। वहीं बाथम ने 2 खिलाड़ियों को आउट किया।

सूर्यकुमार ने हार की जिम्मेदारी ली, अक्षर को पहले भेजे जाने के फैसला का भी बचाव किया

मुल्लांपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में हार पर निराशा जताते हुए इसकी जिम्मेदारी ली है। सूर्यकुमार ने कहा कि उन्हें इस मैच में जिम्मेदारी लेनी थी पर वह उसमें सफल नहीं हो पाये। इस मैच में भारतीय टीम 214 रनों के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी थी। इस मैच में ऑलराउंडर अक्षर पटेल को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजने के फैसले का भी सूर्या ने बचाव करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय में उसने शुरआत में उतारने पर बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसको देखते हुए उसे इस बार अवसर दिया गया। अक्षर को पहले भेजने के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर के फैसलों पर भी सवाल उठे थे। सूर्यकुमार ने कहा कि अक्षर ने एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट में अच्छी बल्लेबाजी की है हालांकि वह इस मैच में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। कप्तान ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए आगामी मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की बात कही।

सूर्यकुमार ने कहा, हमने पहले गेंदबाजी करके भी गलती की जबकि हमें बल्लेबाजी करनी चाहिये थी पर कहा कि टीम को इससे सीखने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि हमें दूसरी योजना भी लेकर चलनी चाहिये थी पर हमने ऐसा नहीं किया। हमने दूसरी पारी में विरोधी टीम की गेंदबाजी देखकर सबक लिया है। अब हम अगले मैच में उसी के अनुसार गेंदबाजी करना चाहेंगे।

सूर्यकुमार ने कहा, हम हर मैच में अभिषेक शर्मा पर आधारित नहीं रह सकते। मुझे और शुभमन गिल को अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी पर हम ऐसा नहीं कर पाये। शुभमन पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे। इसके बाद मुझे लंबी पारी खेलते हुए मैच आगे ले जाना चाहिये था पर मैं ऐसा नहीं कर पाया।

डिकॉक का अर्धशतक, भारत को 51 रन से हराकर दक्षिण अफ्रीका ने श्रृंखला 1-1 से बराबर की

मुल्लांपुर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (90 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बृहस्पतिवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को 51 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। अब तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा।

पहले मैच में महज 74 रन पर आउट होने वाली दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 213 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया जिसमें डिकॉक की 46 गेंद की पारी में सात छक्के और पांच चौके जड़े थे। डिकॉक ने कप्तान एडन मारक्रम (29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 83 रन की भागीदारी निभाई।

डोनोवन फरेरा ने नाबाद 30 रन और डेविड मिलर ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। भारत ने पारी में 16 वाइड गेंद डाली और 22 अतिरिक्त रन दिए जबकि दक्षिण अफ्रीका ने केवल पांच अतिरिक्त रन दिए। इस तरह भारत ने अंतिम 10 ओवर में 123 रन लुटाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरूआत काफी खराब रही जिससे टीम उबर नहीं सकी और तिलक वर्मा (62 रन) के अर्धशतक के बावजूद 19.1 ओवर में 162 रन पर आउट हो गई।

विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने 27 रन, अक्षर पटेल ने 21 रन और हार्दिक पंड्या ने 20 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए आटेनील बार्टमैन सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने चार ओवर में 24 रन देकर चार विकेट झटके जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन और लुथे सिपमाला को दो दो विकेट मिले।

भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में शुभमन गिल का विकेट गंवा दिया जो खाता भी नहीं खोल सके। इस तरह खेल के इस प्रारूप में उनकी फॉर्म पर चिंता बरकरार है। एनगिडी की गेंद को डिफेंड करने की कोशिश में वह पहली स्लिप में खड़े हेंड्रिक्स को कैच दे बैठे।

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दो छक्के से आठ गेंद में 17 रन बनाकर तेज शुरूआत की लेकिन यानसन की गेंद पर आउट हो गए। गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर सीधे विकेटकीपर डिकॉक के हाथों में समां गई।

चौथे ओवर में कप्तान सूर्यकुमार यादव के आउट होने से स्कोर तीन विकेट पर 32 रन हो गया। दिलचस्प है कि यानसन की गेंद सूर्यकुमार के बल्ले को छूकर विकेटकीपर के हाथों में गई लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। मारक्रम ने क्षेत्ररक्षकों से पूछने के बाद रिव्यू लेने का फैसला जबकि दो सेकेंड ही बचे थे। और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा और निराश सूर्यकुमार के पवेलियन लौटते हुए मैदान पर खामोशी छा गई। तिलक वर्मा ने पांचवें ओवर में सिपमाला पर एक चौका और एक छक्का जमाया। इससे पावरप्ले में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 51 रन था। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारे गए अक्षर पटेल (21 गेंद में 21 रन) ने जैसे ही तेज खेलना शुरू किया, वह बार्टमैन की गेंद पर हेंड्रिक्स के हाथों कैच आउट हो गए। तिलक और पंड्या ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 41 गेंद में 51 रन जोड़े लेकिन तब तक जरूरी रन रेट काफी बढ़ चुका था।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कायक्रम में हुआ बदलाव , 31 दिसंबर की जगह 4 जनवरी से शुरु होंगे मुकाबले

नई दिल्ली । ग्रेटर नोएडा इस माह के अंत में शुरु होने वाले एलीट पुरुष और महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। सरकार द्वारा लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए अब ये चैम्पियनशिप 31 दिसंबर की जगह पर 4 जनवरी से शुरु होगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कहा, ''सरकार द्वारा अनिवार्य प्रदूषण नियंत्रण उपायों के 31 दिसंबर 2025 तक प्रभावी होने के कारण अब ये चैंपियनशिप पर चार से 10 जनवरी 2026 तक खेली जाएगी।'' इससे पहले दिल्ली सरकार ने निर्देश जारी किए कि एनसीआर राज्य सरकारें और दिल्ली प्रशासन क्षेत्र में उच्च स्तर के वायु प्रदूषण को देखते हुए ऐसे आयोजनों को टालने के लिए तत्काल कदम उठाएं। राष्ट्रीय महासंघों और केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और खेल संघों से भी इस आदेश का पालन करने को कहा गया था। माना जा रहा है कि उसी को देखते हुए मुक्केबाजी चैम्पियनशिप आगे बढ़ायी गयी है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण जीतना है पहलवान रवि दहिया का लक्ष्य

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे ।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था ।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

विनेश ने संन्यास का फैसला वापस लिया, लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलना है लक्ष्य

चंडीगढ़ (एजेंसी)। ओलंपियन महिला पहलवान विनेश फोगाट ने अचानक ही संन्यास से वापसी की घोषणा कर सबको हैरान कर दिया है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक फाइनल के ठीक पहले अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित किये जाने के बाद हताशा में खेल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। अब विनेश ने अपने संन्यास के फैसले को वापस लेने की घोषणा करते हुए कहा कि वह 2028 लॉस एंजिस ओलंपिक में उतरना चाहती है। इसी साल अगस्त में विनेश ने कुश्ती से संन्यास लेकर राजनीति में प्रवेश किया था। वहीं अब वह एक बार फिर से मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। संन्यास से वापसी की जानकारी विनेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये दी है।

विनेश ने अपनी एक भावुक पोस्ट में लिखा, 'लोग आम तौर पर मुझसे पूछते रहते हैं कि क्या पेरिस मेरा आखिरी सफर था? मेरे पास लंबे समय से इस सवाल का जवाब नहीं था। इस दौरान कई साल के बाद मैंने चैन की सांस ली। अपने कार्यभार को समझने के लिए मैंने थोड़ा समय लिया। जीवन का उतार-चढ़ाव, देखा। मुझे अब भी खेल पसंद है। अब भी मैं प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं।' विनेश ने पोस्ट में आगे लिखा, 'शांत माहौल में मुझे कुछ ऐसा मिला जिसे मैं भूल गई थी 'आग कभी नहीं बुझती है।' ये केवल थकावट और शोर के नीचे दबी हुई थी। अनुशासन, दिनचर्या, लड़ाई ये मेरे सिस्टम में है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कितनी दूर चली गई, मेरा एक हिस्सा मैट पर ही रहा है। तो मैं यहां हूं, एक ऐसे दिल के साथ जो निडर है और एक ऐसी भावना के साथ जो झुकने से इंकार करता है, अब ओलंपिक की ओर वापस कदम रख रही हूं। और इस बार, मैं अकेली नहीं हूं। मेरा बेटा मेरी टीम में शामिल हो रहा है, मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा, 2028 ओलंपिक की इस राह पर मेरा छोटा चीयरलीडर होगा।'

तीन बार की ओलंपियन रही विनेश ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। 2024 पेरिस ओलंपिक में फाइनल से ठीक एक रात पहले विनेश को अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। तब विनेश ने इसे अपने खिलाफ बड़ी साजिश बताया था। इसके बाद प्रशंसकों और करीब लोगों के समझाने के बाद भी विनेश नहीं मानी और संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद विनेश ने हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ा था और जुलाना सीट से 6,000 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी।

अंडर-19 एशिया कप में वैभव ने यूएई के खिलाफ लगाया तूफानी शतक

दुबई । यहां यूएई के खिलाफ हुए अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। वैभव ने इस मैच में शतकीय पारी खेलते हुए यूएई के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान आयुश महात्रे शुरुआत में ही आउट हो गये। आयुश तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर ही केवल 4 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद वैभव ने पारी संभाली और जमकर चौके, छक्के लगाये ।वैभव ने अपने पचास रन छक्के के साथ बनाये। इसके बाद पारी के 16वें ओवर में वैभव ने लगातार तीन छक्के लगा दिए। इस ओवर ने मैच का पूरा रुख ही बदल दिया। इसके बाद । 21वें ओवर की दूसरी गेंद पर वैभव ने एक रन लेकर अपना शानदार शतक पूरा किया। वैभव ने 56 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया, जिसमें 9 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। वैभव ने 84 गेंदों पर 150 रन पूरे किए। आखिरकार वह 95 गेंदों में 171 रन बनाकर लौटे वैभव की पारी में 14 छक्के और 9 चौके शामिल रहे ।वैभव का ये 10 दिनों के अंदर दूसरा शतकहै। वैभव ने 2 दिसंबर को महाराष्ट्र के खिलाफ बिहार की ओर से 108 रन बनाए थे।

भारत-दक्षिण अफीका दूसरे टी20 में बुमराह और तिलक ने बनाये रिकार्ड

मुल्लांपुर (ईएमएस) ।भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर गयी। इस मैदान में ये पहला अंतरराष्ट्रीय मैच था। जिसमें भारतीय टीम को 51 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में कई रिकार्ड भी बने है। भारतीय टीम को अपनी धरती पर सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। वहीं टी20 में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक ही ओवर में पहली बार 4 छक्के लगे। वहीं अर्शदीप ने के एक ओवर में 7 वाइड गेंदें फेंकीं। सकारात्मक बात ये रही कि बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इस मैच में पांच छक्के लगाये। अब वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में कुल मिलाकर सबसे अधिक 27 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 51 रनों से हरा दिया। भारत की पूरी टीम 162 रनों पर सिमट गई ।भारत की ओर से तिलक वर्मा ने 34 गेंद में सर्वाधिक 62 रन बनाए। इसमें 2 चौके और 5 छक्के शामिल हैं। इसके अलावा जितेश शर्मा ने 27, हार्दिक पांड्या ने 20, अक्षर पटेल ने 21 और अभिषेक शर्मा ने 17 रन बनाए। पारी में शुभमन गिल समेत 3 बल्लेबाज 0 पर आउट हुए। अभिषे और शुभमन के घरेलू मैदान पर असफल होने से उनके प्रशंसक निराश हुए। मैच शुरू होने से पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने युवराज और विश्वकप विजेता महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के नाम पर स्टेडियम में दो स्टैंड्स का उद्घाटन किया।

मेस्सी भारत दौरे में धूम मचाने के लिए तैयार, लेकिन 2011 की तरह नहीं दिखेगा फुटबॉल जादू

कोलकाता (एजेंसी)। अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी की 2011 के बाद शनिवार से शुरू होने वाली पहली भारतीय यात्रा चकाचौंध से भरपूर होगी लेकिन इसमें फुटबॉल का खास जादू देखने को नहीं मिलेगा। मेस्सी का यह दौरा यह 2011 की तुलना में पूरी तरह से अलग होगा जब यहां साल्ट लेक स्टेडियम में दर्शकों ने सुपरस्टार के पांवों का जादू देखा था। तब फीफा मैत्री मैच में अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 1-0 से हराया था और 85,000 से अधिक प्रशंसक स्टेडियम में जमा हुए थे। कुछ दर्शक तो स्टैंड के किनारों पर भी बैठे थे।

आठ बार बैलोन डीओर जीतने वाले मेस्सी इस बार 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' में फुटबॉल खेलने वाले नहीं हैं। यह पूरी तरह से प्रचार और व्यावसायिक रूप से आयोजित कार्यक्रम है, जो शनिवार को यहां शुरू होगा और सोमवार को नई दिल्ली में समाप्त होगा। फिर भी एक ऐसे शहर के लिए यह बेहद खास है, जिसने कभी माराडोना तो कभी पेले को सिर आंखों पर बिठाया तो कभी अपने फुटबॉल प्रेम से डुंगा को चकाचौंध किया और रोनाल्डिन्हो को गले लगाया। इसे देखते हुए फुटबॉल नहीं खेलने के बावजूद यह शहर मेस्सी को अपने सिर आंखों पर बिठाने के लिए तैयार है।

सॉल्ट लेक स्टेडियम में कार्यक्रम, 7,000 की टिकट

आयोजकों ने सॉल्ट लेक स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम के लिए 78,000 सीटें सुरक्षित रखी हैं। यहां मेस्सी शनिवार को 45 मिनट तक चलने वाले एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके लिए टिकटों की कीमत 7,000 रुपए तक है। यह देखना हालांकि बाकी है कि फुटबॉल प्रेमी इस कार्यक्रम के प्रति कितना उत्साह दिखाते हैं। मेस्सी भारत में 72 घंटे से भी कम समय बिताएंगे, लेकिन इस दौरान वह चार महानगरों कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली का दौरा करेंगे।

कई दिग्गजों से मिलेंगे मेस्सी

अपनी इस संक्षिप्त दौरे के दौरान उनके कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, कॉर्पोरेट जगत के दिग्गज, बॉलीवुड हस्तियां और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ निर्धारित बैठक भी शामिल है। मेस्सी के प्रशंसकों में से एक भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का भी 14 दिसंबर को धर्मशाला में होने वाले टी20 मैच के बाद उनसे मिलने की उम्मीद है। मेस्सी का पिछला भारत दौरा फुटबॉल प्रेमियों की स्मृतियों में आज भी जीवंत बना हुआ है, जब उन्होंने तीन सितंबर, 2011 को अपने पांवों का जादू दिखाकर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया था। भले ही वह उस मैच में गोल नहीं कर पाए थे लेकिन उन्हें अपने सामने खेलते हुए देखना भी बहुत बड़ा रोमांच था।

मेस्सी के दौरे का मुख्य आकर्षण

मेस्सी के वर्तमान दौरे का मुख्य आकर्षण रविवार को मुंबई में होने वाला 45 मिनट का फैशन शो होगा जिसमें यह दिग्गज फुटबॉलर लंबे समय तक अपने साथी रहे लुई सुआरेज और अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल के साथ भाग लेगा। मेस्सी के इस दौरे के प्रमोटर सताद्रु दत्ता ने कहा, 'इसमें मशहूर मॉडल, क्रिकेटर, बॉलीवुड हस्तियां, बिजनेसमैन शामिल होंगे। टाइगर और जैकी श्रॉफ, जॉन अब्राहम और अन्य लोग भी इसमें शिरकत करेंगे।% सुआरेज एक स्पेनिश संगीत कार्यक्रम में भी प्रस्तुति देंगे। आयोजकों ने मेस्सी से 2022 के विश्व कप विजेता अभियान से जुड़ी कुछ यादगार वस्तुएं लाने का अनुरोध किया है, जिनकी मुंबई में नीलामी की जाएगी।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले इस कार्यक्रम से पहले क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में पैडल कप का आयोजन किया जाएगा। मेस्सी कोलकाता में ईएम बाईपास पर स्थित एक पांच सितारा होटल में ठहरेंगे और सुबह प्रायोजकों के साथ विशेष मुलाकात और अभिवादन कार्यक्रम में भाग लेंगे। कोलकाता में अब VIP रोड पर श्रीभूमि क्लॉक टॉवर (बिग बेन की प्रतिकृति) के पास एक नया 'मेस्सी लैंडमार्क' भी होगा, जिसमें अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान की ट्रॉफी को ऊपर उठाए हुए 70 फीट ऊंची विशाल प्रतिमा लगाई गई है।

सुरक्षा कारणों से इसका अनावरण मेस्सी के होटल स्थित कमरे से ही वर्चुअल तरीके से किया जाएगा। मेस्सी के 25 गुणा 20 फीट के एक भित्ति चित्र का भी अनावरण किया जाएगा। बाद में इसे साल्ट लेक स्टेडियम में मेस्सी को भेंट किया जाएगा। इस कार्यक्रम के बाद मेस्सी दोपहर दो बजे हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। कोच्चि में होने वाला मेस्सी का प्रस्तावित मैत्री मैच रद्द होने के बाद हैदराबाद को उनके कार्यक्रम में जोड़ा गया था। हैदराबाद पहुंचने के बाद मेस्सी जीओएटी कप में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी शामिल होंगे जिसमें सात सात खिलाड़ियों के बीच प्रदर्शनी मैच, पेनल्टी शूटआउट, युवा प्रतिभाओं के लिए एक मास्टरक्लास और संगीतमय प्रस्तुति भी शामिल है।

पीएम मोदी से मुलाकात और दौरे का समापन

मेस्सी अपने दौरे का समापन दिल्ली में करेंगे, जहां वह प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। इस साल की शुरुआत में गोथिया कप, डाना कप और नॉर्वे कप में शानदार जीत हासिल करने वाले मिनर्वा अकादमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मेस्सी की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही एक प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया जाएगा जिसमें 9-9 खिलाड़ी भाग लेंगे। मेस्सी के इस दौरे को लेकर हर कोई उत्साहित है और यही वजह है कि कुछ पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी आमंत्रित न किए जाने पर 'दुखी और अपमानित' महसूस कर रहे हैं।

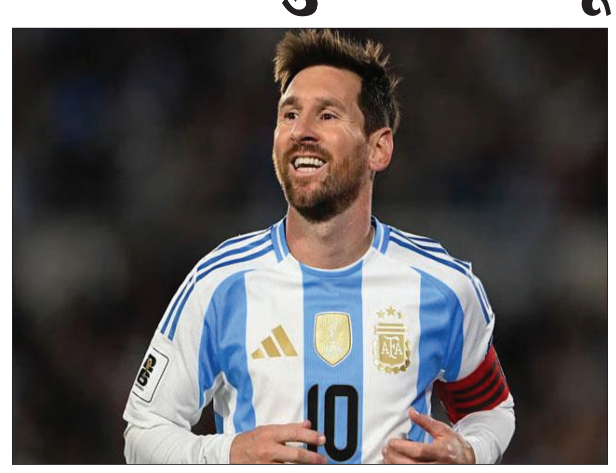

पेले के खिलाफ 1977 में प्रदर्शनी मैच खेलने वाले भारत और मोहन बागान के पूर्व मिडफील्डर गौतम सरकार ने अपनी बात कहने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा, 'यह सब केवल दिखावा है। मेस्सी तो सिर्फ हाथ मिलाने आ रहे हैं। जब पेले यहां आए थे तो हमारे साथ खेले भी थे।' सरकार ने कहा, 'मेस्सी को बुलाने के बजाय हमारा ध्यान देश में फुटबॉल को बेहतर बनाने पर होना चाहिए। हमें भारतीय फुटबॉल को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए और अतीत के गौरव को वापस लाना चाहिए।% भारत के पूर्व डिफेंडर सुब्रत भट्टाचार्य ने भी कहा कि वह अपमानित महसूस कर रहे हैं।

मात्र 10 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था रति अग्निहोत्री ने

बॉलीवुड एक्ट्रेस रति अग्निहोत्री को एक समय खूबसूरती और संजीदा अभिनय की मिसाल माना जाता था। दर्शक उन्हें 'स्वर्ग से उतरी अप्सरा' तक कहकर पुकारते थे। रति अग्निहोत्री भी बॉलीवुड के कई प्रतिभाशाली कलाकारों में शामिल हैं। रति अग्निहोत्री का जन्म 10 दिसंबर 1960 को उत्तर प्रदेश के बरेली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय और मॉडलिंग का शौक था और मात्र 10 साल की उम्र में उन्होंने काम करना शुरू कर दिया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए, 16 साल की उम्र में उन्हें तमिल फिल्म 'पुदिया वरपुकल' में काम करने का अवसर मिला। यह उनकी पहली तमिल फिल्म थी, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई और उन्हें साउथ इंडस्ट्री में पहचान दिला गई। इसके बाद वह कमल हासन, रजनीकांत और चिरंजीवी जैसे सुपरस्टार्स के साथ कई तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में नजर आईं। हिंदी सिनेमा में उनकी एंट्री 1981 में रिलीज हुई फिल्म 'एक दूजे के लिए' से हुई, जिसमें उन्होंने कमल हासन के साथ काम किया। फिल्म बड़ी हिट रही और रति को रातों-रात स्टारडम मिल गया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का नॉमिनेशन भी मिला, जिससे बॉलीवुड में उनकी स्थिति और मजबूत हुई। 1980 के दशक में उन्होंने 'कुली', 'तवायफ', 'अय्याश', 'शौकीन', 'मुझे इंसाफ चाहिए', 'मैं आवारा हूं' और 'फर्ज और कानून' जैसी कई सफल फिल्मों में मजबूत भूमिकाएँ निभाईं। करियर के शिखर पर रहते हुए रति ने 1985 में आर्किटेक्ट अनिल विरवानी से शादी कर ली और फिल्मों से दूरी बना ली। हालांकि उन्हें आगे भी कई बड़े ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने परिवार पर ध्यान देने के लिए केवल चुनिंदा साइड रोल स्वीकार किए। 2001 में उन्होंने 'कुछ खट्टी कुछ मीठी' के साथ फिल्मों में वापसी की। इसके बाद 'क्यों हो गया ना', 'हम तुम', 'ये है जलवा', 'देव' और 'पहचान' जैसी फिल्मों में साइड रोल करके भी उन्होंने अपनी उपस्थिति को मजबूती से दर्ज कराया।

धर्मेंद्र के जन्मदिन पर सुभाष घई ने लिखा दिल छू लेने वाला संदेश

बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने अभिनेता धर्मेंद्र की 90वीं जन्म जयंती पर उन्हें खास अंदाज में याद किया। सोशल मीडिया पर उनके साथ जुड़ी पुरानी यादों को साझा करते हुए भावुक श्रद्धांजलि दी। घई ने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र की एक स्केच तस्वीर पोस्ट करते हुए एक दिल छू लेने वाला संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने अभिनेता की शानदार फिल्मी यात्रा, उनके व्यक्तित्व और बहुमुखी अभिनय क्षमता की जमकर सराहना की। सुभाष घई ने अपने संदेश में लिखा, "60 साल से हमारे हीमैन स्क्रीन स्टार धर्मेंद्र को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लगभग हर बड़े निर्देशक के साथ काम किया है। सीधा-साधा नौजवान, एंग्री एक्शन हीरो, संवेदनशील प्रेमी, कवि, कमीडियन, ऐतिहासिक किरदार या फिर अध्यात्म से जुड़ा चरित्र हर रूप में दर्शकों ने उन्हें सराहा। यह सब उनके सादगी भरे साफ दिल और मेहनत की वजह से संभव हो पाया।' घई ने आगे लिखा कि उनकी नजर में धर्मेंद्र एक ऐसे सितारे थे, जिन्होंने अपने अभिनय के जरिए ना सिर्फ शुभचिंतकों का दिल जीता, बल्कि इंसानियत और सरलता की मिसाल भी कायम की। घई ने अपने संदेश में विशेष रूप से वर्ष 1981 में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'क्रोधी' का उल्लेख किया। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने मुख्य किरदार निभाया था, जो एक पढ़ा-लिखा माफिया डॉन होता है और बाद में जीवन की घटनाओं से प्रभावित होकर अध्यात्म का मार्ग अपनाता है।

घई ने इसे अपने करियर की भी खास फिल्म बताया और कहा, 'उन्होंने मेरी फिल्म 'क्रोधी' में जो चुनौतीपूर्ण रोल किया, वह आज भी मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में शामिल है। इस किरदार में गुस्से, बदले और आध्यात्मिक बदलाव का अनोखा संगम था, जिसे धर्मेंद्र ने बेहद खूबसूरती से निभाया। हैप्पी बर्थडे पाजी, आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे।' 'क्रोधी' एक दमदार एक्शन थ्रिलर थी, जिसमें धर्मेंद्र के साथ शशि कपूर, जीनत अमान, प्रेमनाथ, रंजीता, सचिन, प्राण और अमरीश पुरी जैसे कई नामी कलाकार नजर आए। फिल्म में विशेष भूमिकाओं में हेमा मालिनी और मौसमी चटर्जी भी शामिल थीं। दर्शकों ने फिल्म में धर्मेंद्र के द्वारा गुस्से और प्रतिशोध से भरे व्यक्ति से शांत और आध्यात्मिक व्यक्तित्व में हुए परिवर्तन को खूब सराहा था।

दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया उर्वशी रौतेला के डांस मूव्स ने

बॉलीवुड की प्रतिभाशाली एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के दमदार सेल्फ डांस चैलेंज ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। एक्ट्रेस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में उनके एनर्जेटिक मूव्स, तकनीकी डांस स्किल्स और बेहतरीन स्टेज प्रेज़ेंस ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। कुछ ही घंटों में यह वीडियो कई प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो गया और फैंस लगातार इसे शेयर और रीक्रिएट कर रहे हैं। वीडियो में उर्वशी का आत्मविश्वास, ग्रेस और कच्चा टैलेंट साफ झलकता है। उनकी हर मूवमेंट में एक अलग ही चमक दिखाई देती है, जिसने लोगों को उनकी तुलना बेयॉन्स और जेनिफर लोपेज जैसी ग्लोबल सुपरस्टार्स से करने पर मजबूर कर दिया है। सोशल मीडिया पर लोग कमेंट्स की बाढ़ ला रहे हैं और उन्हें 'इंडिया की डांस क्वीन' तक कह रहे हैं। कई फैंस ने उनके सिग्नेचर स्टेप्स को कॉपी कर अपने संस्करण भी बनाए हैं, जिससे यह चैलेंज और ज्यादा ट्रेंड में आ गया है। इस चैलेंज की खासियत यह है कि यह उर्वशी की एक अलग ही झलक पेश करता है—फिल्मों और स्टेज शो से अलग, ज्यादा व्यक्तिगत और जुड़ाव भरा अंदाज। उनका यह सेल्फ-डांस चैलेंज दर्शाता है कि वह सिर्फ कैमरे पर ही नहीं, बल्कि अपने वास्तविक अंदाज में भी कितनी सहज और प्रतिभाशाली हैं। यह सिर्फ एक वीडियो नहीं बल्कि उनके टैलेंट, कॉन्फिडेंस और स्टारडम का उत्सव है। फैंस की प्रतिक्रियाएं भी बेहद उत्साहजनक रही हैं। किसी ने लिखा, 'उर्वशी इज़ गोल्स! उनकी एनर्जी का कोई जवाब नहीं', तो वहीं एक अन्य ने कहा, 'इसीलिए वो इंडिया की बेयॉन्स हैं।' इन प्रतिक्रियाओं से साफ है कि उर्वशी ने अपनी कला से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है। इस वायरल चैलेंज ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उर्वशी रौतेला सिर्फ सुंदरता और ग्लैमर की वजह से नहीं, बल्कि अपनी अथक मेहनत और बहुमुखी प्रतिभा के चलते इंडस्ट्री की शीर्ष परफॉर्मर्स में शामिल हैं। उनके इस वीडियो ने न केवल यादगार पल बनाए हैं बल्कि कई युवा कलाकारों को भी प्रेरित किया है। उर्वशी रौतेला लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह हर बार कुछ नया और ऊर्जावान लेकर आती हैं—और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है।

गुमनामी की जिंदगी जी रही एक्ट्रेस प्रिया गिल

अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री प्रिया गिल आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। 1999 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'सिर्फ तुम' में अभिनय के बाद अभिनेत्री प्रिया गिल अचानक रातोंरात स्टार बन गई थीं, लेकिन समय के साथ वह फिल्मी दुनिया से दूर होती चली गईं। एक्ट्रेस आज पूरी तरह गुमनामी की जिंदगी जी रही हैं। बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाली प्रिया गिल ने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों शाहरुख खान और सलमान खान के साथ भी काम किया, लेकिन मायूसी और संघर्ष ने उन्हें कैमरे की चमक से बहुत दूर कर दिया। प्रिया गिल ने 1995 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट बनकर मनोरंजन जगत में कदम रखा। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह के साथ 1996 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे मेरे सपने' से की।

फिल्म में उनकी एक्टिंग की सराहना हुई, लेकिन उन्हें उस फिल्म की तलाश थी जो उनके करियर को नई ऊंचाई दे। यह मौका उन्हें मिला 1999 में आई फिल्म 'सिर्फ तुम' से, जिसमें उन्होंने संजय कपूर के साथ काम किया। फिल्म रिलीज होते ही प्रिया गिल की मीठी मुस्कान, नैचुरल एक्टिंग और सादगी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और वह रातोंरात स्टार बन गईं। सफलता के इस दौर में प्रिया गिल ने बड़े सितारों के साथ भी बेहतरीन भूमिकाएँ निभाईं। वह 2000 में आई फिल्म 'जोश' में शाहरुख खान के साथ मुख्य भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय भी थीं, जो शाहरुख की बहन बनी थीं, लेकिन प्रिया गिल ने बतौर हीरोइन अपनी अलग पहचान छोड़ी। इसके अलावा उन्होंने सलमान खान के साथ 'बड़े दिलवाला' और नागार्जुन जैसे साउथ के सुपरस्टार के साथ फिल्में कीं। हालांकि, 1999 में रिलीज हुई फिल्म 'बड़े दिलवाला' उनके करियर के लिए निर्णायक मोड़ साबित हुई। फिल्म असफल रही और इसके बाद उन्हें फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं मिलना बंद हो गया।

अभिनेत्री दीया मिर्जा का प्रेरणादायक है सफर

महज 20 साल की उम्र में बतौर मॉडल करियर की शुरुआत करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा आज फिल्म इंडस्ट्री की सफल और सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। हाल ही में दीया मिर्जा अपना जन्मदिन मनाया। उनका सफर सिर्फ ग्लैमर की दुनिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों से भी गहराई से जुड़ा है। दीया को उनकी पहली पहचान 2001 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' की 'रीना मल्होत्रा' के किरदार से मिली, जिसने दर्शकों के दिलों में उन्हें हमेशा के लिए बसा दिया। दीया मिर्जा का जन्म 9 दिसंबर 1981 को हैदराबाद में हुआ। उनके पिता फ्रैंक हैंडरिच जर्मन ग्राफिक और आर्किटेक्चर डिजाइनर थे, जबकि मां दीपा मिर्जा बंगाली इंटीरियर डिजाइनर और लैंडस्केप आर्टिस्ट हैं। जब दीया सिर्फ साढ़े चार साल की थीं, तभी उनके माता-पिता अलग हो गए। बचपन की चुनौतियों के बावजूद दीया ने पढ़ाई और करियर दोनों में सफलता हासिल की। उन्होंने अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री पूरी की और कॉलेज के दौरान ही एक मीडिया फर्म में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की नौकरी शुरू कर दी। इसी दौरान वह प्रिंट और टीवी विज्ञापनों में मॉडलिंग करने लगीं और कई बड़े ब्रांड्स का चेहरा बनीं।

साल 2000 में दीया ने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और रनर-अप रहीं। इसके बाद उन्होंने मिस एशिया पैसिफिक का खिताब अपने नाम किया और सिर्फ 18 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में उनकी सादगी, आत्मविश्वास और गरिमा की खूब चर्चा हुई। इसी के बाद बॉलीवुड के दरवाजे उनके लिए खुले और 2001 में आई फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' ने उन्हें स्टारडम दिलाया। फिल्म में आर। माधवन और सैफ अली खान के साथ दीया की केमिस्ट्री और उनकी मासूमियत को दर्शकों ने भरपूर पसंद किया। फिल्मी करियर में दीया ने 'संजू', 'थप्पड़', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'एसिड फैक्ट्री', और 'सलाम मुंबई' जैसी फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई। मगर वह कभी सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहीं। दीया पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और बच्चों की शिक्षा जैसे मुद्दों पर लगातार सक्रिय रही हैं। वह संयुक्त राष्ट्र की गुडविल एंबेसडर हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए कई अभियानों का नेतृत्व करती रही हैं। साल 2019 में उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'वन इंडिया स्टोरी' की शुरुआत की, जिसके जरिए वह समाज से जुड़े सार्थक कंटेंट बनाने का काम कर रही हैं।

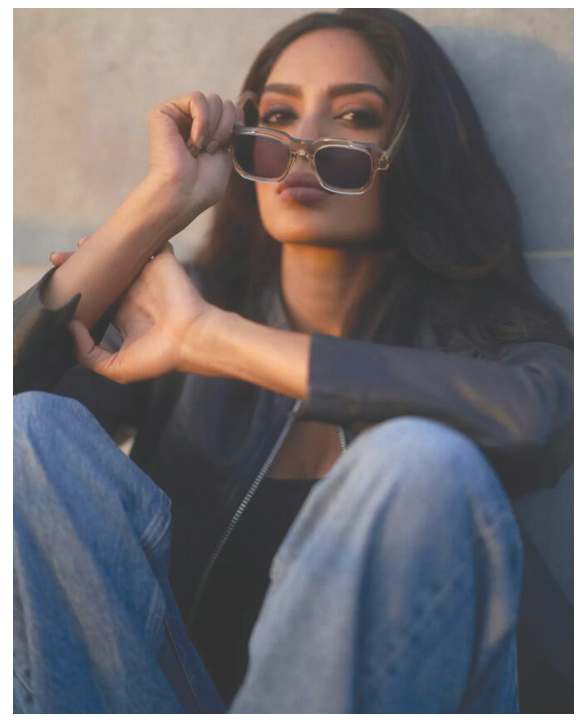

जींस और ब्लैक जैकेट पहनकर शोभिता धुलिपाला ने दिखाया स्वैग

आमतौर पर साड़ी और लहंगे में नजर आने वाली साउथ की मशहूर एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में जींस और ब्लैक जैकेट पहनकर ऐसा स्वैग दिखाया कि फैंस उनकी तुलना अंतर्राष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा तक से करने लगे।

उनका यह मॉडर्न अवतार देखते ही देखते वायरल हो गया और लोग उनके नए स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। नागार्जुन की बहू बनने के बाद से शोभिता का हर लुक लाइमलाइट में रहता है, लेकिन इस बार उनका बदला हुआ स्टाइल सबसे ज्यादा चर्चा में है। उन्होंने ब्लैक लेदर जैकेट, हाई-वेस्ट डेनिम जींस और अंदर ब्लैक टैंक टॉप पहनकर एकदम ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट लुक क्रिएट किया। आउटफिट बेहद सिंपल था, लेकिन इसे जिस अंदाज में उन्होंने कैरी किया, वह उनके पूरे व्यक्तित्व को अलग ही स्तर पर ले गया। उनका पोज़, एक्सप्रेशन और बॉडी लैंग्वेज हर फोटो में कूल और स्टाइलिश वाइब दे रहे थे। ब्लैक लेदर जैकेट इस पूरे लुक का सबसे आकर्षक हिस्सा बन गया। इसकी फिटिंग, सिल्वर ज़िप्सि और स्टाइलिश कट्स ने उनके बोल्ड अंदाज को और निखारा।

वहीं, ब्लैक टैंक टॉप ने उनके लुक में परफेक्ट बोल्डनेस जोड़ दी। प्लेन होने के बावजूद इसका फिट और स्टाइल आउटफिट को खास बना रहा था। हाई-वेस्ट जींस का चुनाव भी बेहतरीन रहा, जिसने उनके मॉडर्न और कंफर्टेबल स्टाइल को पूरा किया। गोल सिल्वर बटन और डीप पॉकेट्स ने जींस को और आकर्षक बनाया, जबकि पॉकेट में हाथ डालकर दिए गए उनके पोज़ तस्वीरों को और भी क्लासी बना रहे थे। शोभिता ने इस पूरे लुक को एक्सेसरीज के साथ ओवरडन नहीं किया। उन्होंने केवल एक चंकी सिल्वर नेकलेस पहना और बाकी ज्वेलरी को पूरी तरह इग्नोर किया। उनकी आंखों पर लगा ब्लैक सनग्लास उनके कूल अंदाज का सबसे बड़ा हाइलाइट बना। साधारण वेस्टर्न आउटफिट को उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ पेश किया, उसने उन्हें और भी गॉर्जियस बना दिया। फैंस उनके इस अवतार पर लगातार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। किसी ने उन्हें 'साउथ की प्रियंका चोपड़ा' कहा तो किसी ने 'लेडी सिंघम'। कई लोगों का कहना है कि शोभिता बिना किसी विशेष मेहनत के ही स्टाइलिश और ग्लैमरस दिखने की क्षमता रखती हैं। उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनके इस मॉडर्न, bold और कॉन्फिडेंट लुक पर फिदा हो गए हैं। बता दें कि साउथ स्टार नागार्जुन की बड़ी बहू और एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला अक्सर अपने एथनिक और एलीगेंट लुक्स के लिए मशहूर रही हैं, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसा वेस्टर्न अंदाज अपनाया कि सोशल मीडिया पर हलचल मच गई।

काम पर लौटीं कियारा आडवाणी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मां बनने की खुशी के बाद अब दोबारा काम पर लौट आई हैं। कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 15 जुलाई को अपनी बेटी सारायाह का स्वागत किया था। माता-पिता बनने के बाद यह पहली बार है जब कियारा मीडिया कैमरों के सामने दिखाई दीं। लगभग पांच महीनों के बाद काम पर वापसी करते हुए कियारा को मुंबई में स्पॉट किया गया, जहां उन्हें देखकर फैंस बेहद उत्साहित हो गए। मदरहुड के बाद कियारा की यह पहली झलक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। फैंस लंबे समय से उनकी स्क्रीन पर वापसी का इंतजार कर रहे थे। मां बनने के बाद कियारा ने काफी समय परिवार को दिया और अब दोबारा अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को निभाने की शुरुआत की है।

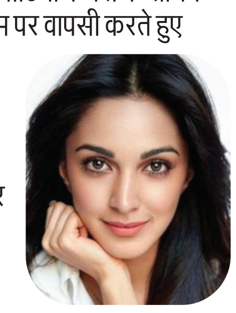

कियारा पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड की टॉप लीग की अभिनेत्रियों में शुमार हो चुकी हैं और उनकी फिल्मों ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि ब्रांड्स और फिल्ममेकर्स भी उनकी वापसी का इंतजार कर रहे थे। हालांकि उन्होंने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि वह किस प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए सेट पर लौटी हैं, लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह जल्द ही किसी बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा कर सकती हैं।

डिजिटल स्पेस बदला है, खत्म नहीं हुआ: प्राजक्ता कोली

मशहूर यूट्यूबर और एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली कहा कि डिजिटल कंटेंट क्रिएशन का दौर न तो खत्म हुआ है और न ही धीमा पड़ा है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में यह पहले से कहीं ज्यादा व्यापक, तेज और अनिश्चित हो गया है।

एक्ट्रेस प्राजक्ता ने बताया कि डिजिटल स्पेस बदला है, खत्म नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दस-ग्यारह साल पहले जब उन्होंने शुरुआत की थी तब केवल लॉन्ग-फॉर्म वीडियो ही चलते थे, लेकिन आज दर्शकों का ध्यान कई प्लेटफॉर्म्स में बंट चुका है। नए-नए फॉर्मेट्स और ट्रेंड्स लगातार सामने आ रहे हैं, जिससे क्रिएटर्स को भी खुद को लगातार अपडेट रखना पड़ता है। उन्होंने 2017 के डिजिटल बूम को इंडस्ट्री का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बताया और कहा कि इसी बूम की वजह से आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल इकॉनमी बन चुका है, जहां हर बड़ा ब्रांड भारतीय कंटेंट क्रिएटर्स के साथ काम करना चाहता है। अपनी जर्नी को वह पूरी तरह अनप्रेडिक्टेबल बताती हैं। उनके मुताबिक डिजिटल इंडस्ट्री में कोई तय रोडमैप, पैटर्न या रिदम नहीं होता। कभी कुछ वीडियो अच्छा चल जाते हैं और लगता है कि सब सेट हो गया, लेकिन अगला वीडियो आते-आते हालात पूरी तरह बदल सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस फील्ड का यही रोमांच है—यह एक रोलरकोस्टर राइड की तरह है जिसमें हर मोड़ पर नई चुनौती और नया मौका होता है। बीते दस साल में उनकी सबसे बड़ी सीख यही रही है कि बदलाव को पहचानना और तुरंत अपनाना जरूरी है। प्राजक्ता ने कहा कि उनके लिए हमेशा यह समझना महत्वपूर्ण रहा कि किस समय क्या चल रहा है, क्या अब काम नहीं कर रहा और फिर बिना रुके नई दिशा की तरफ बढ़ जाना चाहिए। उनकी मान्यता है कि यही एप्रोच उन्हें इंडस्ट्री में लगातार प्रासंगिक बनाए रखती है। डिजिटल स्पेस को वह चुनौतीपूर्ण के साथ-साथ बेहद रोमांचक भी मानती हैं।

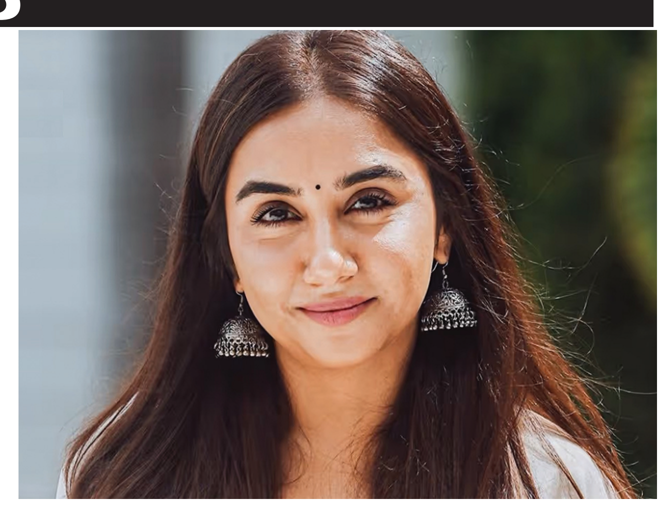

ठंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

ठंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिंदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स.

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते है जिसमें नारियल तेल हो।

शैम्पू करने से पहले डैड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्कें हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं? खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने

परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।

पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्प्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की-सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

कुर्ते से लगें स्मार्ट

कुर्ते आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। बस, इसकी स्टाइल में थोड़ा बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। आजकल पाकिस्तानी सूट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लड़कियां जोधपुरी शैली के सलवार कुर्ते भी बनवाना पसंद करती हैं। ये कुर्ते ढीले-ढाले और कई रंगों में उपलब्ध होते हैं। आम तौर पर लोगों की राय है कि आज के आधुनिक युग में लड़कियां जींस आदि पहनना ही पसंद करतीं हैं और सलवार कुर्ते तथा अन्य पारंपरिक कपड़ों का चलन कम हो रहा है, लेकिन फैशन डिजाइनरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि आज भी लड़कियां सलवार कमीज बनवाना पसंद करतीं हैं और अब तो इसमें रेट्रो फैशन की झलक भी देखने को मिल रही है। आजकल तो लड़कियां जींस के साथ भी लांग और शार्ट कुर्ते पसंद करतीं हैं। सलवार के साथ शार्ट कुर्ते या अनारकली स्टाइल के कुर्ते ज्यादा देखे जा रहे हैं। संगीता का कहना है कि कुर्ते को जींस, लेगिंस और जेगिंस, मतलब डेनिम स्टाइल की जींस की तरह दिखने वाली सलवार के साथ पहनने का फैशन काफी प्रचलन में है। केवल सलवार कमीज ही नहीं, दुल्हन के लहंगों में भी आधुनिकता और पारंपरिकता का मिश्रण देखने को मिल रहा है। सलवार कमीज का जादू कुछ और ही होता है। इस आउटफिट में थोड़ी सी तब्दीली करते ही इसे इंडो वेस्टर्न लुक दिया जा सकता है। आइए जानते हैं सलवार-कुर्ते से जुड़े कुछ टिप्स-

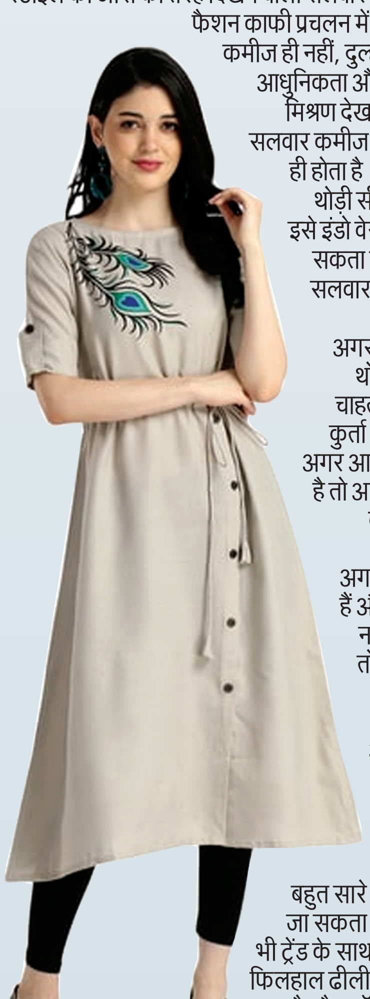

अगर आप अपनी हाइट थोड़ी ज्यादा दिखाना चाहती हैं, तो थोड़ा लंबा कुर्ता सिलवाएं। मसलन अगर आपकी हाइट 5 ′3 ′′ है तो आपको 47-48 इंच का कुर्ता सिलवाना चाहिए।

अगर आपके हाथ मोटे हैं और आप स्लीवलेस नहीं पहन सकती हैं, तो 5 इंच की स्लीव्स बनवा लें। इससे आपके हाथ का अतिरिक्त मांस भी छिप जाएगा और आपके हाथ दुबले दिखेंगे।

सलवार को बहुत सारे स्टाइल्स में पहना जा सकता है। इनका स्टाइल भी ट्रेंड के साथ बदलता रहता है। फिलहाल ढीली सलवार फैशन में है और शॉर्ट कुर्ते ने एक बार फिर एंट्री की है।

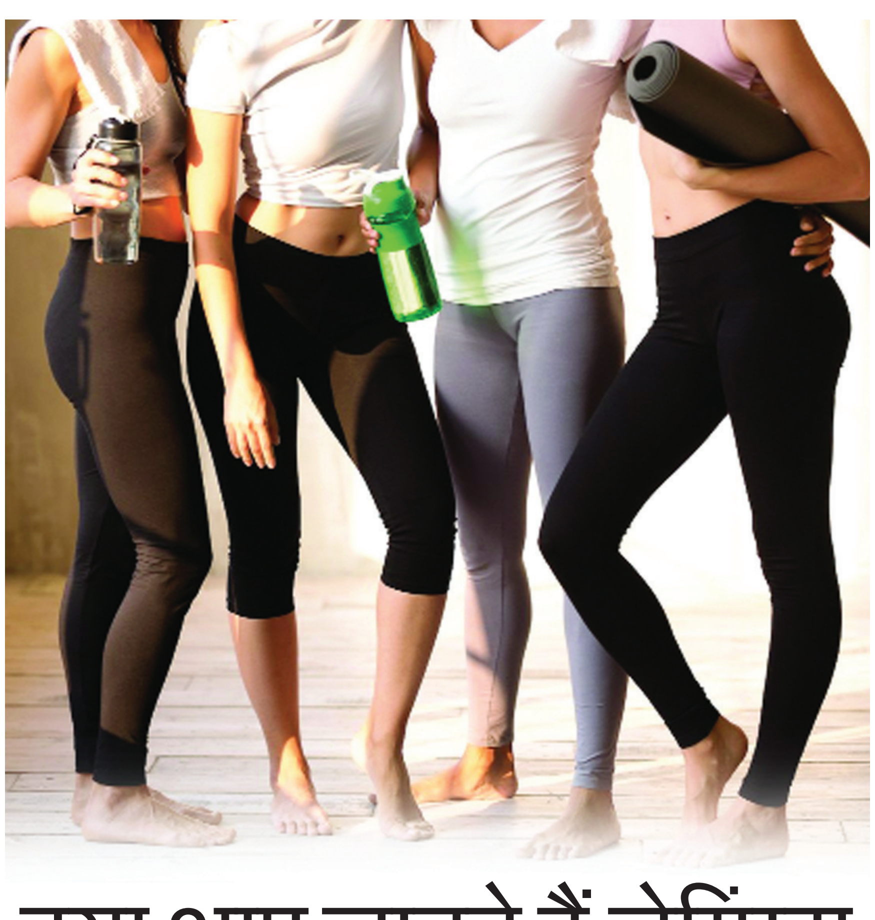

क्या आप जानते हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका

जब भी कम्फर्ट की बात आती है तो सबसे पहले हम लेगिंग्स के बारे में सोचते हैं, क्योंकि लेगिंग्स काफी आरामदायक होती है। लेकिन इसे पहनने में हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण हम हंसी के पात्र बन जाते हैं।

क्या आप जानती हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका? अगर हां तो यह बहुत बढ़िया बात है और यदि आपका जवाब ना है तो इस लेख को पढ़कर आप इस बारे में पूरी जानकारी पा सकते हैं।

हमने अक्सर ऐसी कुछ महिलाओं को देखा है, जो लेगिंग्स के साथ क्रॉप टॉप ट्राई कर लेती हैं। लेकिन यदि आप भी ऐसी गलती करती हैं तो इसे छोड़ दें, क्योंकि लेगिंग्स के साथ कभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना जाता। यह दिखने में बहुत भद्दा लगता है।

ये तो बात हुई क्रॉप टॉप कि लेकिन अगर आप छोटे टॉप पर लेगिंग्स पहनने का विचार कर रही हैं तो इसे बिलकुल भी ट्राई न करें, भले ही आप कितनी भी स्लीम ट्रीम क्यों न हों, पर छोटे टॉप के साथ लेगिंग्स की यह स्टाइल आप पर बिलकुल अच्छा नहीं लगेगी। आपको ऐसी अंडरवियर पहनना चाहिए जिसमें हेमलाइन लेगिंग्स के ऊपर नजर न आए। ऐसे लेगिंग्स पहनने में बहुत अजीब सा लगता और आप इसमें कम्फर्टेबल भी नहीं रह सकती हैं।

प्रिंटेड लेगिंग्स को न करें ट्राई

आप प्रिंटेड लेगिंग्स ट्राई न ही करें तो बेहतर है, क्योंकि ये पहनने में बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। इसलिए अगर आप लेगिंग्स लेने जा रही हैं, तो प्रिंटेड लेगिंग्स न ही लें तो बेहतर है।

पाएं हाई हील्स की तकलीफ से छुटकारा

अधिकतर लड़कियां हिल्स पहनना तो चाहती है, लेकिन उन्हें लगता है कि इसे पहनना काफी तकलीफभरा हो सकता है, लेकिन एक अच्छी और स्टाइलिश ड्रेस के साथ हिल्स काफी अच्छी लगती है पर पैरों की तकलीफ के कारण इसे नहीं चुनते हैं। लेकिन हम यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे है जिन्हें अपनाकर आप हाई हिल्स में कंफर्टेबल हो सकती है हम ये नहीं कहते कि हिल्स में आप बहुत आरामदायक महसूस करेंगी लेकिन कुछ टिप्स को अपनाकर आप हाई हिल्स पहनने से होने वाली दिक्कतों से बच सकती हैं.तो आइए, जानते हैं कि हाई हील्स पहनने के दौरान होने वाली परेशानी को आप कैसे कम कर सकती हैं

सैंडिल के सही साइज का चुनाव करें

हील्स वाली सैंडिल में आपके पैर आगे की ओर पुश होते हैं, ऐसे में अपने लिए सही साइज की सैंडिल का चुनाव करें।

अपना फुट टाइप पहचानें

सभी के फुट अलग-अलग होते हैं, किसी के पैर के पंजे चौड़े तो किसी के पतले होते हैं। अपने पंजे के अनुसार सैंडिल के आगे की डिजाइन चुनें, जिससे कि आपके पैर आगे से दबे नहीं।

मोटी हील को प्राथमिकता दें

मोटी हील आपके पैरों को ज्यादा कवरेज और सपोर्ट देती हैं। इसे पहनने से आपकी एड़ियों पर कम दबाव पड़ेगा, जिससे पैरों में दर्द भी कम होगा।

ब्रेक लें

पार्टी व किसी खास अवसर पर ही हाई हील्स पहनें। यदि इसके अलावा भी पहनें तो कभी-कभी फ्लेट चप्पल पहनें और अपने पैरों को थोड़ा ब्रेक दें।

हील की पोजीशन का ख्याल रखें

आपके जूते ऐसे होने चाहिए जिसमें बॉडी का भार पंजों और हील दोनों पर रहे। वरना पंजो या फिर हील पर ज्यादा प्रेशर पड़ेगा। ऐसा होने पर पैरों में दर्द शुरू हो सकता है। इसलिए हील की पोजीशन का ख्याल जरूर रखें।